CMYK

अधिकतम :33°C
न्यूनतम : 22°C
तापमान

सेंसेक्स 80,951.99
निफ्टी 24,609.70

सोना 98,145
चांदी 1,01,000

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

बरेली, शुक्रवार 23 मई 2025 बरेली संस्करण: वर्ष 22 अंक 178 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 11 विक्रमी सम्वत् 2082 24 ज़ीक़ादा 1446 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

अमेरिका में दो इजरायली दूतावास कर्मचारियों की हत्या

विस्तृत खबर देश-विदेश पर

मुकेश कुमार पर 10 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना

विस्तृत खबर खेल टाइम्स पर

उप्र में आंधी-तूफान ने बरपाया कहर, 58 की मौत

नई दिल्ली, वार्ता

मौसम विभाग ने राजस्थान, व मध्य प्रदेश समेत देश के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गुरुवार को आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां हल्की से भारी बारिश तक हो सकती है। हालांकि इन राज्यों के कुछ हिस्सों में तेज गर्मी का भी अलर्ट है।

उत्तर प्रदेश में बुधवार शाम मेरठ, आगरा समेत 20 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। इन जिलों में बिजली, पेड़ और दीवार गिरने से 58 लोगों की मौत हो गई। फिरोजाबाद में आंधी से उड़कर आई टीनशेड से

- **महिला की गर्दन कटी, राजस्थान में 48 डिग्री पारा, पुंछ में तूफान से स्कूल ढहे, 31 राज्यों में अलर्ट जारी**

महिला की गर्दन कट गई। 39 जिलों में गुरुवार को बारिश का अलर्ट है। छत्तीसगढ़ में बुधवार को बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई थी। मौसम विभाग के मुताबिक, गुरुवार को 10 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। वहीं जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एलओसी के आसपास तूफान से कई स्कूल ढह गए। सेना रेस्क्यू में मदद कर रही है। इधर, दिल्ली- एनसीआर में बुधवार शाम करीब 8 बजे तेज आंधी-तूफान के साथ जोरदार बारिश हुई थी और कुछ जगहों पर ओले भी गिरे थे। तेज आंधी के कारण कई जगहों पर पेड़ और बिजली के खंभे तक गिर गए, जिस वजह से रास्ते जाम हो गए थे। आंधी-तूफान और बारिश के बीच दो लोगों की मौत भी हो गई, जबकि कम से कम 11 लोग घायल हो गए। खराब

मौसम के चलते मेट्रो सर्विस भी प्रभावित हुई, जबकि 50 से ज्यादा फ्लाइट लेट हुईं। 10 फ्लाइट को जयपुर और एक को मुंबई डायवर्ट करना पड़ा।

ईडी कर रहा सारी हदें पार: सुप्रीम कोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शराब की दुकानों के लाइसेंस जारी करने से संबंधित कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में तमिलनाडु राज्य विपणन निगम के खिलाफ धन शोधन जांच पर रोक लगाते हुए गुरुवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) संविधान का उल्लंघन करके सारी सीमाएं लांघ रहा है।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति आगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर कथित 1,000 करोड़ रुपये के घोटाले में ईडी जांच की अनुमति देने वाले मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी। पीठ ने केंद्रीय एजेंसी की ओर से पेश

- **कहा: संविधान का उल्लंघन करके सारी सीमाएं लांघ रहा**

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा कि आपका ईडी सारी हदें पार कर रहा है। आपका कार्यालय किसी निगम -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम ने पाकिस्तान को दी सख्त चेतावनी

मेरी नसों में अब गर्म लहू नहीं, सिंदूर बह रहा है: मोदी

जयपुर/बीकानेर, वार्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर जिले के दौरे पर रहे। पाकिस्तान पर भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह उनका पहला राजस्थान दौरा रहा। इस दौरान उन्होंने 26 हजार करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। साथ ही देश के 103 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया।

इन सभी रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किया गया था। अपने दौरे के दौरान पीएम मोदी ने सभा को भी संबोधित किया, इस दौरान उन्होंने आतंकवादी देश पाकिस्तान पर भी तगड़ा प्रहार किया। पीएम मोदी ने कहा कि मेरी नसों में अब गर्म लहू नहीं, सिंदूर बह रहा है। हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। पाकिस्तान को भारत के पानी का हक नहीं मिलेगा, यह हमारा संकल्प है। कोई भी ताकत इस संकल्प को रोक नहीं सकती। पीएम मोदी ने कहा कि एक ओर हम सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कर रहे हैं, वहीं नदियों को जोड़ने का कार्य भी कर रहे हैं। इससे यहां की धरती और किसानों को लाभ मिलेगा। राजस्थान की वीर भूमि हमें सिखाती है कि देश और देशवासियों से बढ़कर कुछ नहीं है। 22 तारीख को आतंकवादियों ने धर्म पूछकर मांग का सिंदूर उजाड़ दिया था। गोलियां पहलगाम में चली थीं,

- **न ट्रेड न टॉक, अब बस पीओके पर होगी बात: पीएम**
- **पाकिस्तान को भारत के पानी का हक नहीं मिलेगा, यह हमारा संकल्प है**
- **कहा: कोई भी ताकत इस संकल्प को रोक नहीं सकती**

लेकिन वे गोलियां 140 करोड़ देशवासियों के सीने को छलनी कर गई थीं। इसके बाद देश ने संकल्प लिया कि आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे। आज हमारी सेना के शौर्य से हम उस प्रण पर खरे उतरे हैं। हमारी सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दी थी। तीनों सेनाओं ने मिलकर ऐसा चक्रव्यूह रचा कि पाकिस्तान को घुटनों पर आना पड़ा। पीएम मोदी ने पाकिस्तान पर प्रहार करते हुए कहा कि हमने 22 मिनट में आतंकियों के नौ सबसे बड़े ठिकाने नष्ट क र दिए। जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो उसका नतीजा क्या होता है, यह पाकिस्तान को बता दिया गया है। साथियों, यह संयोग ही है कि पांच साल पहले जब बालाकोट में एयर स्ट्राइक हुई थी, तब मेरी पहली जनसभा राजस्थान में हुई थी। यह वीर भूमि का प्रभाव ही है कि ऐसा संयोग फिर बना है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब मेरी पहली जनसभा बीकानेर में हो रही है। श्री मोदी ने कहा कि एयर स्ट्राइक के बाद चुरु में मैंने -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं: विदेश मंत्री

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति को दोहराते हुए जोर देकर कहा है कि इसे जम्मू-कश्मीर के साथ जोड़ कर नहीं देखा जाना चाहिए,जो भारत तथा पाकिस्तान के बीच का द्विपक्षीय मुद्दा है और इसमें किसी तरह की मध्यस्थता की कोई जगह नहीं है।

नीदरलैंड की यात्रा पर गए जयशंकर ने 'दे वोक्सक्रांत' पत्रिका को दिए साक्षात्कार में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को आतंकवाद के खिलाफ भारतीय कार्रवाई की एकजुट होकर सराहना करनी चाहिए। आतंकवाद को जम्मू-कश्मीर मुद्दे से जोड़ने से संबंधित प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत के लिए आतंकवाद इससे 'एकदम अलग मुद्दा' है। यह अंतर्राष्ट्रीय अपराध है, जिसे किसी भी तरीके से माफ नहीं

- **कश्मीर मुद्दे पर किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं: जयशंकर**

किया जा सकता या उचित नहीं ठहराया जा सकता। कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप या अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की मध्यस्थता की पेशकश से जुड़े सवाल पर जयशंकर ने साफ शब्दों में कहा कि इसमें मध्यस्थता की कोई गुंजाईश नहीं है यह दोनों देशों के बीच एक द्विपक्षीय मुद्दा है।

मेडिकल संस्थानों को नीट-पीजी में फीस डिटेल्स देनी होगी

नई दिल्ली। नीट-पीजी की काउंसलिंग से पहले अब सभी प्राइवेट और डीम्ड मेडिकल यूनिवर्सिटीज को अपनी फीस डिटेल्स जारी करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश नीट-पीजी में ट्रांसपेरेंसी से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई के दौरान दिया। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस महादेवन की बेंच ने काउंसलिंग के समय सीट ब्लॉकिंग पर पेनल्टी लगाने का भी ऑर्डर दिया। अगर कोई स्टूडेंट्स ऐसा करता है, तो उसे नीट-पीजी के अगले एग्जाम से डिस्क्वालिफाई कर दिया जाए।

वक्फ कानून पर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर रोक लगाने की मांग वाली याचिकाओं पर लगातार तीन दिनों की सुनवाई के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई व न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने संबंधित सभी पक्षों की दलीलें विस्तारपूर्वक सुनीं। वक्फ कानून में संशोधन की वैधता को चुनौती देने वालों में कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद और एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी शामिल हैं।

मुठभेड़ में एक लाख का इनामी ज्ञान चंद्र पासी ढेर

बाराबंकी। उप्र पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बुधवार को पासी गैंग के सरगना ज्ञान चंद्र पासी को एक सशस्त्र मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। हालांकि इसके दो साथी मौके से फरार हो गए। मारे गए बदमाश पर एक लाख रुपये का इनाम था। गौरतलब है कि सोमवार को इसी गैंग के साथी को गोंडा में एनकाउंटर में मार गिराया गया था। घायल ज्ञानचंद्र पासी को जिला अस्पताल लाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक लाख का इनामी ज्ञान चंद्र तीस साल से अपराध क्षेत्र में सक्रिय था। उसका आपराधिक इतिहास करीब 70 मुकदमों का है। इनमें हत्या, लूट, चोरी व फिरौती जैसे मामले हैं।

आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना का जवान शहीद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के चटरू इलाके में गुरुवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि चटरू के सिंहपुरा इलाके में आतंकवादियों और पुलिस तथा सेना की संयुक्त टीम के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में एक जवान घायल हो गया है। घायल जवान को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

सलमान खान के घर में जबरन घुस रहा शख्स गिरफ्तार

मुंबई। सलमान खान को लॉरेंस गैंग की धमकियां मिलने के बाद वाई प्लस सिक्योरिटी मिली है। सलमान खान के घर में एक बार फिर एक शख्स के घुसने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना 20 मई की है। खुलासा गुरुवार को हुआ। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। 23 साल के आरोपी का नाम जितेंद्र कुमार है और छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। 2 दिन में यह दूसरी घटना थी। बीती रात ईशा छाबड़ा नाम की महिला ने भी गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने की कोशिश की थी। इसे भी पुलिस ने अरेस्ट कर लिया था। दोनों मामलों की जांच जारी है।

पाक ने बदले में की भारतीय राजनयिक पर जवाबी कार्रवाई

इस्लामाबाद। भारत के दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के एक राजनयिक को देश छोड़ने का आदेश दिए जाने के 24 घंटे के अंदर ही पाकिस्तान ने जवाबी कदम उठाते हुए यहां स्थित भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को अवांछित घोषित कर पाकिस्तान छोड़ने को कहा है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार संबंधित कर्मचारी को विशेषाधिकार से विपरीत गतिविधियों

- **भारतीय उच्चायोग कर्मचारी को देश छोड़ने को कहा**

में लिप्त पाया गया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी को विदेश मंत्रालय में बुलाकर उसे सरकार के इस निर्णय से अवगत करा दिया है। इस राजनयिक को 24 घंटे के अंदर पाकिस्तान छोड़ने को कहा गया है।

सत्यपाल मलिक के खिलाफ सीबीआई की चार्जशीट

नई दिल्ली। सीबीआई ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक समेत 6 लोगों के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला करीब 2,200 करोड़ रुपये के सिविल वर्क्स कॉन्ट्रैक्ट में गड़बड़ी को लेकर है। सीबीआई ने इसी मामले को लेकर 22 फरवरी 2024 को सत्यपाल मलिक के ठिकाने पर छापा मारा था।

विचारधारा के चलते किसी को जेल में नहीं डाल सकते

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी को विचारधारा के लिए जेल में नहीं डाला जा सकता।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह टिप्पणी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक नेता की हत्या के आरोपी को जमानत देते हुए की। सुनवाई के दौरान नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) के वकील ने कहा कि विचारधारा गंभीर अपराधों की ओर ले जाती है। इस पर कोर्ट ने कहा कि आप किसी को उसकी विचारधारा के लिए जेल में नहीं डाल सकते। हम यह चलन देख रहे हैं। किसी ने एक खास विचारधारा अपना ली, इसलिए उन्हें जेल में डाल दिया जाता है। साल 2022 में केरल के पलक्कड़ जिले में आरएसएस नेता श्रीनिवासन की हत्या हुई थी। मामले में प्रतिबंधित संगठन पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की केरल यूनिट के तब के महासचिव अब्दुल साथर को आरोपी बनाया गया है।

हम यह चलन देख रहे: सुप्रीम कोर्ट RSS नेता हत्या मामले में आरोपी को जमानत

संक्षिप्त समाचार

अब एक जिले में तैनात हो सकेंगे पुलिस दंपति

लखनऊ। यूपी पुलिस की नौकरी कर रहे हैं पति-पत्नी को एक ही जिले में नौकरी करने का अवसर यूपी डीजीपी ने प्रदान किया है। पुलिस में वह दंपति जो अलग-अलग जिलों में ड्यूटी कर रहे हैं, उनको कई तरीके की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। चाहे पारिवारिक दिक्कतें हो या व्यवहारिक। डीजीपी प्रशांत कुमार ने इन तमाम समस्याओं को देखते हुए शासन की तबादला नीति के अनुरूप दंपति को एक ही जिले में तैनाती दिए जाने का निर्देश दिया है। अब पहली बार बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों को इस सुविधा का लाभ दिया जा रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश के कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने वाले पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ा रहे। पहले चरण में 101 आरक्षियों के ऐसे तबादले किए गए हैं, जिसमें महिला पुलिस कर्मियों को, उनके पति की तैनाती के जिले में भेजा गया है, तो वहीं पुरुष पुलिस कर्मियों को उनकी पत्नी के तैनाती के जिले में भेजे जाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही जल्द ही अन्य और अराजपत्रित पुलिसकर्मियों को इसी आधार पर स्थानांतरित किए जाने की तैयारी यूपी पुलिस द्वारा की गई है। डीजीपी मुख्यालय से पति या पत्नी के जिले में तैनाती की मांग करने वाले पुलिसकर्मियों का तबादला उनके जीवनसाथी के तैनाती वाले जिले से संबंधित की रेंज में किया गया है और अब रेंज स्तर से उन्हें एक जिले में नियुक्ति प्रदान की जाएगी।

चार बच्चियों की बकुलाही नदी में डूबने से मौत

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले के महेशगंज क्षेत्र में गुरुवार को बकुलाही नदी में डूबने से चार बच्चियों की मृत्यु हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जलालपुर डे हवा गांव निवासी चार बच्चियों की मौत बकुलाही नदी में नहाते समय डूब कर हो गई। डूबकर मरने वाली बच्चियों में तीन सगी बहने और एक चचेरी बहन है, घटना को लेकर गांव में कोहराम मच गया। चारों बच्चियां आज दिन में लगभग दस बजे बकुलाही नदी में नहाने गई थी, नहाते समय वे गहरे पानी में चली गई और डूबकर उनकी मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि मृतकों में जीतलाल की पुत्रियां स्वाति (13), संध्या (11), चांदनी (6) के अलावा पृथ्वी पाल की पुत्र प्रियंसी (7) शामिल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू टीम के सहयोग उनके शवो को नदी से बाहर निकाला।

बीएसए ने 36 टीचर और 130 कर्मचारियों का रोका वेतन

फर्रुखाबाद। यूपी के फर्रुखाबाद जिले में बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों के 36 शिक्षक समेत 130 कर्मचारियों का वेतन रोकने के आदेश जारी किए गए हैं। ये सभी अनुपस्थित मिले थे, साथ ही 3 विद्यालय बंद पाए गए थे। बीएसए ने अनुपस्थित के दिन का वेतन रोक दिया है। इसके साथ ही शिक्षकों की सेवा पुस्तिका में कार्रवाई का अंकन करने का आदेश बीईओ को दिया। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षक शिक्षामित्र अनुदेशक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की शत प्रतिशत उपस्थिति कराने के लिए शासन के आदेश पर गठित जिला व ब्लॉक टास्क कमेटी के सदस्य निरीक्षण करते हैं। 21 अप्रैल से 19 मई तक अधिकारियों ने निरीक्षण किया था।

उद्योग सीएसआर से जोड़ें किसानों को: जगदीप धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कृषि को कंपनी सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) से जोड़ने का आह्वान करते हुए गुरुवार को कहा कि विकसित भारत का मार्ग किसानों से होकर गुजरता है। धनखड़ ने गुरुवार को गोवा में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान परिसर में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को विकसित बनाने के प्रयासों में किसानों की सहभागिता बढ़ायी जानी चाहिए। उद्योगों को अपने सीएसआर कोष को कृषि में लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कोष का प्रयोग कृषि संबंधी अनुसंधान में किया जाना चाहिए और किसानों को इसमें शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान की सहभागिता स्थापित करनी चाहिए। अनुसंधान करना चाहिए और उनका जो एक फंड होता है सीएसआर फंड वो ग्रामीण विकास के महत्वपूर्ण मुद्दों में लगना चाहिए, तभी जाकर बड़ा बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनने का रास्ता किसान के खेत और गांव से निकलता है। किसानों को अपने आप को उत्पादन तक सीमित नहीं रखना चाहिए, लेकिन मौजूदा समय में किसान का काम उत्पादन तक रह गया है। उसके बाद किसान अपने आपको एक तरीके से अलग कर लेता है। किसान को अपने उत्पाद के क्रय विक्रय में भी भागीदारी चाहिए। उप राष्ट्रपति ने कहा कि केंद्र सरकार किसान की बहुत मदद कर रही है।

बहादुरी व बलिदान देने वाले जवानों को मिले गैलेंट्री अवार्ड्स

नई दिल्ली, वार्ता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में पहले चरण के गैलेंट्री अवार्ड्स दिए। ये अवार्ड ड्यूटी के दौरान असाधारण बहादुरी, समर्पण और बलिदान देने वालों के सम्मान में दिए गए।

राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में हुए समारोह में पीएम मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। इस दौरान मेजर आशीष ढोंचक (सेना मेडल) और द सिख लाइट इन्फेंट्री 19 राष्ट्रीय राइफल्स सिपाही प्रदीप सिंह को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान दो बार राष्ट्रपति मुर्मू डाइस से नीचे उतरकर आईं। जब शहीद जवानों की मां और पत्नियां अवार्ड लेने पहुंचीं। राष्ट्रपति ने उन्हें गले लगाकर सांत्वना दी। शौर्य चक्र पाने वालों में स्क्वाड्रन लीडर दीपक कुमार, राजपूत रेजिमेंट 44वीं बटालियन राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर विजय वर्मा, डिप्टी कमांडेंट विक्रांत

शौर्य चक्र-कीर्ति चक्र देने के लिए डाइस से उतरीं राष्ट्रपति मुर्मू, शहीदों की मांओं को गले लगाया

■ 34 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर तृप्तप्रीत सिंह को शौर्य चक्र प्रदान किया गया

कुमार, सीआरपीएफ के जेफरी हमिंगचुल्लो, इंस्पेक्टर (जीडी), जम्मू और कश्मीर पुलिस के स्पेशल पुलिस आफिसर अब्दुल लतीफ, पैराशूट रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल सीवीएस निखिल, आर्मी सर्विस कोर के मेजर तृप्तप्रीत सिंह का नाम शामिल है। इनके अलावा जम्मू और कश्मीर राइफल्स

5वीं बटालियन के सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया, लेफ्टिनेंट कमांडर कपिल यादव, कर्नल पवन सिंह, 666 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन, विंग कमांडर वर्नोन डेसमंड कीन, स्क्वाड्रन लीडर दीपक कुमार, द आर्टिलरी रेजिमेंट के सूबेदार पी. पबिन सिंगा, मेजर साहिल रंधावा को शौर्य चक्र दिया गया। लेफ्टिनेंट कमांडर कपिल यादव, एईओ आईएनएस विशाखापट्टनम को शौर्य चक्र प्रदान किया है। आर्मी सर्विस कोर्प्स 34 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर तृप्तप्रीत सिंह को शौर्य चक्र प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए बोले सीएम योगी

पर्यावरण संरक्षण में समाज भी निभाए भूमिका

लखनऊ, वार्ता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता पर जोर देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी- 2025 का उद्घाटन करते हुए उन्होंने भारत के वैदिक दर्शन और सनातन परंपराओं का उल्लेख किया और प्रकृति के साथ सामंजस्य की आवश्यकता को लेकर लोगों से अपील भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपराएं प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाती हैं। उन्होंने वैदिक शांति पाठ का उदाहरण देते हुए बताया कि सनातन धर्म में हर मांगलिक अनुष्ठान की शुरुआत पृथ्वी, जल, अंतरिक्ष और समस्त चराचर जगत के कल्याण की कामना से होती है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं हमें सिखाती हैं कि मनुष्य का अस्तित्व प्रकृति और

■ मनुष्य का अस्तित्व प्रकृति और जैव विविधता पर निर्भर सीएम ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

जैव विविधता के संरक्षण पर निर्भर है। अथर्ववेद में कहा गया है कि धरती हमारी माता है और हम इसके पुत्र हैं। एक पुत्र के नाते, हमें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा।

योगी आदित्यनाथ ने 1992 में शुरू हुई वैश्विक स्तर पर जैव विविधता संरक्षण की चर्चा का उल्लेख करते हुए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2070 तक भारत को नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प लिया है, लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के हर व्यक्ति का योगदान आवश्यक है। यह केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। जब तक हम सभी मिलकर प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए काम नहीं करेंगे, तब तक सतत विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण भारत की स्वावलंबी परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले हर गांव में खलिहान, गोचर भूमि, तालाब और खाद के गड्ढे होते थे, जो पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। गांवों में सॉलिड वेस्ट को खाद के गड्ढों में डालकर कंपोस्ट बनाया जाता था, तालाब स्वच्छता के प्रतीक थे और गोचर भूमि पशुओं के लिए आरक्षित थी, लेकिन आधुनिकता की दौड़ में हमने इन परंपराओं को नजरअंदाज कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरणीय असंतुलन और बीमारियां बढ़ रही हैं। उन्होंने गांवों में तालाबों को ड्रेनेज का माध्यम बनाने और गोचर भूमि पर अतिक्रमण जैसे कदमों को आत्मघाती बताया।

वन विभाग ने 210 करोड़ से अधिक पेड़ लगाकर महत्वपूर्ण योगदान दिया

योगी ने उत्तर प्रदेश के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य का जैव विविधता बोर्ड 'प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास' के विजन को साकार करने के लिए नए अभियान चला रहा है। पिछले आठ वर्षों में वन विभाग ने 210 करोड़ से अधिक वृक्षारोपण कर राज्य के वन क्षेत्र को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके साथ ही, नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा नदी को कानपुर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निर्मल और अविरल बनाने में सफलता प्राप्त हुई है। कानपुर, जो कभी नमामि गंगे का सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र था, आज वहां गंगा स्वच्छ और जीवंत है। उन्होंने जैव विविधता के संरक्षण में स्थानीय परंपराओं और ज्ञान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सनातन धर्म की उस परंपरा का उल्लेख किया, जिसमें पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को देवताओं के साथ जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं हमें सिखाती हैं कि पीपल, बरगद और जामुन जैसे वृक्षों का संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है। पहले लोग चींटियों को मारने के बजाय आटा और चीनी देकर उन्हें प्राकृतिक रूप से हटाते थे। यह प्रकृति के साथ सामंजस्य का उदाहरण है। योगी ने आधुनिक विकास के मॉडल पर भी सवाल उठाए, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम हर कार्य को मशीनीकरण की ओर ले जा रहे हैं, चाहे वह ड्रेनेज हो या औद्योगिक कचरा। हमें प्राकृतिक उपायों को अपनाना होगा, जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में जल शोधन की देसी पद्धतियां थीं। उन्होंने कहा कि जटायु जैसे पक्षियों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों और दवाओं के दुष्प्रभावों ने इन प्रजातियों को विलुप्ति के कगार पर पहुंचा दिया है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जटायु, जो प्रकृति के शोधन का कार्य करता था, आज अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है। हमें अपनी परंपराओं के प्रति कृतज्ञता दिखानी होगी। सीएम योगी ने लोगों से आह्वान किया कि जैव विविधता संरक्षण को जन आंदोलन बनाना होगा।

कांग्रेस सांसद राकेश के मामले पर हाईकोर्ट की रोक

लखनऊ, वार्ता

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार कांग्रेस सांसद राकेश राठौर के खिलाफ लंबित आपराधिक मामले की कार्यवाही पर रोक लगा दी है।

अदालत ने मामले की पूरी कार्यवाही को सूचीबद्ध होने की अगली तारीख तक रोक दिया और इस मामले को 28 जुलाई से शुरू होने वाले सप्ताह में सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। न्यायधीश सुभाष विद्यार्थी ने राठौर की पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई के बाद 20 मई को यह आदेश पारित किया, जिसमें राठौर के डिस्चार्ज आवेदन को खारिज करने वाले ट्रायल कोर्ट के पांच मई के आदेश को चुनौती दी गई थी। अदालत ने मामले की अगली तारीख तक पांच मई के आदेश पर भी रोक लगा दी। अदालत ने कहा कि मेरा मानना है कि अंतरिम राहत देने का मामला बनता है और ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाई जानी चाहिए। पक्षों के वकीलों ने अदालत के समक्ष अपनी दलीलें रखीं। याचिकाकर्ता के वकील ने प्रस्तुत किया कि मामले की जांच पूरी करने के बाद ट्रायल कोर्ट के समक्ष आरोप पत्र दायर किया गया है। इसके बाद ट्रायल कोर्ट ने 16 मई को राठौड़ पर आरोप तय कर दिए। फैसलों का हवाला देते हुए वकील ने दलील दी कि आरोपी राठौर के खिलाफ कथित आरोप नहीं बनते। इसलिए उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश कानून के मुताबिक नहीं है और इसे रद्द किया जाना चाहिए। दूसरी ओर राज्य के वकील ने पुनरीक्षण याचिका का विरोध किया।

फोटो पहचान का शुल्क लेने पर लगाई रोक

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उच्च न्यायालय में मुकदमे दाखिल करने वाले वादकारियों के हित में, एक मामले में अहम अंतरिम आदेश दिए हैं। कोर्ट ने याचिकाएं दायर करने वालों से फोटो पहचान के लिए बार एसोसिएशनों द्वारा 400 से 500 रुपए लिए जाने पर रोक लगा दी है। रजिस्ट्री अनुभाग को निर्देश दिया है कि पब्लिक नोटरी से सत्यापित हलफनामे स्वीकार किए जाने चाहिए।

2027 में दहाई तक सिमट जाएगी भाजपा

लखनऊ, वार्ता

एक लाख 93 हजार शिक्षक भर्ती वाले विज्ञापन को लेकर बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार की जमकर फजीहत हुई। यूपी सरकार के आधिकारिक एक्स हैंडल से एक अखबार की कटिंग की तस्वीर शेयर कर इस बात की घोषणा की गई कि सूबे में अब 1 लाख 93 हजार पदों पर शिक्षक भर्ती होगी।

सरकार के इस पोस्ट के बाद युवाओं के बीच खुशी की लहर दौड़ गई, मगर ये खुशी ज्यादा देर तक नहीं रही, क्योंकि सरकार ने अपना एक्स पोस्ट डिलीट कर लिया। इसी के बाद से इस मुद्दे पर राजनीति शुरू हो गई है। अब सपा चीफ अखिलेश यादव ने 1 लाख 93 हजार के आंकड़े से ये साबित करने की कोशिश की है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी भाजपा बहुमत का आंकड़ा भी पार नहीं कर पर पाएगी और दहाई के अंक तक सिमट जाएगी। यूपी के

■ शिक्षक भर्ती के यू टर्न पर अखिलेश ने बीजेपी को घेरा

पूर्व सीएम ने लिखा कि 1,93,000 शिक्षक भर्तियों का जुमला विज्ञापन से जन्मा। 2027 के चुनाव में 'भाजपा की हार का राजनीतिक गणित'। मान लिया जाए कि 1 पद के लिए कम-से-कम 75 अभ्यर्थी होते, तो यह संख्या होती = 1,44,75,000 और एक अभ्यर्थी के साथ यदि केवल उनके अभिभावक जोड़ लिए जाएं, तो कुल मिलाकर 3 लोग इससे प्रभावित होंगे अर्थात ये संख्या बैठेगी 4,34,25,000। सपा चीफ ने लिखा कि ये सभी व्यस्क होंगे, अतः इन्हें 4,34,25,000 मतदाता मानकर अगर उप्र की 403 विधानसभा सीटों से विभाजित कर दें, तो ये आंकड़ा लगभग 1,08,000 वोट प्रति सीट का आएगा और अगर इनका आधा भी भाजपा का वोटर मान लें , तो लगभग 1,08,000 का आधा मतलब हर सीट पर 54,000 मतों का नुकसान भाजपा को होना तय है। इस परिस्थिति में भाजपा 2027 के विधानसभा चुनावों में दहाई सीटों पर ही सिमट जाएगी। उन्होंने लिखा कि पुलिस भर्ती के मामले में 'भर्तियों का ये गणित' भाजपा को उप्र में लगभग आधी सीटों पर हारने में सफल भी रहा है, अतः ऐसे आंकड़ों को अब सब गंभीरता से लेने लगे हैं। अब ये मानसिक दबाव का नहीं, वरन सियासी सच्चाई का आंकड़ा बन चुका है। जैसे ही ये आंकड़ा प्रकाशित होगा और विधानसभा चुनाव लड़ने वाले भाजपाई प्रत्याशियों के बीच जाएगा, वैसे ही उनका राजनीतिक गुणा-गणित टूटकर बिखर जाएगा और विधायक बनने का उनका सपना भी।

अमेरिकी ऋण में बढ़ोतरी की चिंता से बाजार में भूचाल

मुंबई, वार्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कर और व्यय विधेयक से अमेरिका के सार्वजनिक ऋण में भारी बढ़ोतरी होने तथा ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ने की आशंका से विश्व बाजार में आई गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से गुरुवार को शेयर बाजार में भूचाल आ गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 644.64 अंक यानी 0.79 प्रतिशत का गोता लगाकर नौ कारोबारी सत्र के बाद 81 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 80,951.99 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 203.75 अंक अर्थात 0.82 प्रतिशत की गिरावट लेकर 25 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 24609.70 अंक पर बंद हुआ। हालांकि बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में मिलाजुला रुख रहा। इससे मिडकैप 0.33 प्रतिशत उतरकर 44,638.43 अंक रह गया, जबकि स्मॉलकैप 0.17 प्रतिशत बढ़कर 51,289.32 अंक हो गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4086 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2178 में गिरावट

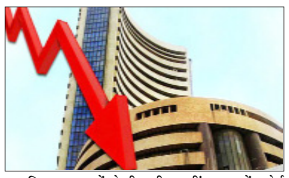

जबकि 1741 में तेजी रही, वहीं 167 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2949 कंपनियों के शेयरों में से 1582 में बिकवाली जबकि 1275 में लिवाली हुई वहीं 92 में टिकाव रहा। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कर और व्यय विधेयक को लेकर नए संदेह खड़े हो गए हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस विधेयक के लागू होने से अमेरिका के पहले से ही भारी कर्ज में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे आर्थिक विकास की गति और धीमी पड़ सकती है। निवेश सलाह देने वाली कंपनी जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड मुख्य निवेश रणनीतिकार डा. वीके विजयकुमार ने कहा कि वैश्विक वित्तीय बाजारों में फिलहाल हल्का जोखिम देखा जा रहा है, जो सोना और बिटकॉइन जैसी वैकल्पिक परिसंपत्तियों की मजबूती में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है।

इसका मूल कारण अमेरिका का बढ़ता राजकोषीय घाटा माना जा रहा है, जिसे बाजार लगातार अस्थिरता का संकेत मान रहा है। हाल ही में अमेरिकी 20, वर्षीय बॉन्ड की कमजोर नीलामी और पांच वर्षीय, 10 वर्षीय और 30 वर्षीय बॉन्ड यील्ड में तेज उछाल ने अमेरिकी बॉन्ड बाजार में घटते निवेशक विश्वास को उजागर किया है। इसके साथ ही जापान में भी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी देखी गई है, जिससे वैश्विक निवेशकों की चिंता और गहराई है। इसके अलावा ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक निवेशकों की जोखिम उठाने की क्षमता को झटका दिया है। इस क्षेत्र में सैन्य संघर्ष की संभावना ने न केवल भू-राजनीतिक स्थिति को अस्थिर किया है, बल्कि वैश्विक बाजारों में भी अनिश्चितता बढ़ा दी है। इससे विश्व बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.66, जर्मनी का डैक्स 0.86, जापान का निक्केई 0.84, हांगकांग का हैंगसेंग 1.19 और चीन के शंघाई कंपोजिट ने 0.22 प्रतिशत का गोता लगाया।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

ईडी कर रहा... पर छापेमारी कैसे कर सकता है? आप देश के संघीय ढांचे का पूरी तरह उल्लंघन कर रहे हैं। शीर्ष न्यायालय ने ईडी को नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह इस मामले की अगली सुनवाई गर्मी की छुट्टियों के बाद करेगा। तमिलनाडु सरकार ने ईडी की ओर से सरकारी शराब खुदरा विक्रेता तमिलनाडु राज्य विपणन निगम के परिसरों में जांच के दौरान की गई छापेमारी की वैधता को चुनौती दी थी। मद्रास उच्च न्यायालय ने 23 अप्रैल, 2025 को राज्य सरकार की याचिका खारिज कर दी थी

मेरी नसों... कहा था- शपथ है मुझे इस मिट्टी की कि मैं देश को मिटने नहीं दूंगा, देश झुकने नहीं दूंगा...। आज मैं राजस्थान की धरती से देशवासियों से बड़ी नम्रता के साथ कहना चाहता हूं कि देश के कोने-कोने में तिरंगा यात्राओं का हुजूम उमड़ पड़ा है, जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें हमने मिट्टी में मिला दिया है। जो हिंदुस्तान का लहू बहाते थे, उनसे एक-एक कतरे का हिसाब चुकाया गया है। जो सोचते थे कि भारत चुप रहेगा, आज वे अपने घरों में दुबके बैठे हैं। जो अपने हथियारों पर घमंड करते थे, आज वे मलबे के ढेर में दबे पड़े हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यह प्रतिशोध नहीं, बल्कि न्याय का नया स्वरूप है। यह ऑपरेशन सिंदूर है। यह आक्रोश नहीं, समर्थ भारत का रौद्र रूप है। यह भारत का नया स्वरूप है। पहले घर में घुसकर हमला किया था, अब सीधा सीने पर प्रहार किया गया है। आतंक का फल कुचलने की यही नीति है, यही रीति है, यही भारत है और यही नया भारत है। पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने तीन नियम तय किए हैं। अगर, भारत पर आतंकी हमला हुआ, तो उसका करारा जवाब दिया जाएगा। इसे देश के विरुद्ध युद्ध माना जाएगा, समय सेना तय करेगी। एटम बम की गीदड़ भभकी से भारत डरने वाला नहीं है। आतंकियों और आतंकपरस्त सरकार को एक ही माना जाएगा। पाकिस्तान का स्टेट और नॉन-स्टेट वाला खेल अब नहीं चलेगा। भारत ने पूरी दुनिया में पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए सात अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं। पाकिस्तान का असली चेहरा पूरी दुनिया को दिखाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पाकिस्तान एक बात भूल गया कि अब मां भारती का सेवक मोदी यहां सीना तानकर खड़ा है। मोदी का दिमाग ठंडा है, ठंडा रहता है, लेकिन मोदी का लहू गर्म होता है। अब तो मोदी की नसों में लहू नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा है। अब भारत ने साफ कर दिया है कि हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ये कीमत, पाकिस्तान की सेना और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चुकाएगी। पाकिस्तान ने नाल एयरबेस को निशाना बनाने की कोशिश की थी, लेकिन वह उसे रत्ती भर भी नुकसान नहीं पहुंचा सका। वहीं, यहां से कुछ ही दूरी पर स्थित पाकिस्तान का रहीमयारखान एयरबेस आईसीयू में पड़ा है, पता नहीं कब खुलेगा। उसे तहस-नहस कर दिया गया है। अब पाकिस्तान के साथ न ट्रेड (व्यापार) होगा और न टॉल्क (बात)। अगर, बात होगी, तो सिर्फ पीओके (पाकिस्तान ऑक्यूपाइड कश्मीर) की। पाकिस्तान को भारत के हिस्से का पानी नहीं मिलेगा। यह भारत का संकल्प है और दुनिया की कोई ताकत इस संकल्प को नहीं डिगा सकती। पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थन देने की कीमत चुकानी ही पड़ेगी। पीएम नरेंद्र मोदी ने देशनोक से देश के 103 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया और बीकानेर-बांद्रा ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही उन्होंने 26 हजार करोड़ रुपये के अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि 11 साल में राजस्थान में करीब 70 हजार करोड़ खर्च किए गए हैं। केंद्र सरकार प्रदेश में रेलवे के विकास के लिए करीब 10 हजार करोड़ खर्च कर रही है। 2014 की तुलना में यह 15 गुना ज्यादा है।

ट्रंप के दावों पर हैरान करती है मोदी की खामोशी

■ सैन्य कार्रवाई के दावे का जवाब क्यों नहीं दे रही सरकार: जयराम

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाक के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर अपने दावों को लगातार दोहरा रहे हैं, लेकिन पीएम मोदी इस पर खामोश हैरान करने वाली है और देश को बताना चाहिए कि सरकार की तरफ से इसका जवाब क्यों नहीं दिया जा रहा है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को यहां जारी एक बयान में कहा की ट्रंप 11 दिन में आठ बार इस तरह की दावे कर चुके हैं और कश्मीर पर बातचीत के लिए तटस्थ स्थल की बात भी कर रहे हैं और बार-बार भारत के प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की एक ही तरीके से प्रशंसा कर रहे हैं, लेकिन भारत सरकार इस पर चुप है और कोई जवाब नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 दिन में 8वीं बार राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम का पूरा श्रेय लिया, भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों की समान रूप से प्रशंसा की और उन्हें हर तरह से बराबर बताया और दोहराया कि अमेरिका के साथ व्यापार ही वह साधन था, जिसका इस्तेमाल उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम की घोषणा करने के लिए किया। कांग्रेस प्रवक्ता ने इस पर चुटकी लेते हुए कहा कि इन सबके बावजूद हमारे प्रधानमंत्री, डोनाल्ड भाई के महान दोस्त-अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा बार-बार कही जा रही बातों पर पूरी तरह से चुप हैं। विदेश मंत्री भी अपने दोस्त, अमेरिकी विदेश मंत्री द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों के समर्थन में और भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ता के लिए 'तटस्थ स्थल' के बारे में कही गई बातों पर पूरी तरह से चुप हैं। यह गरजती हुई खामोशी क्यों।

जवाबदेही से भाग नहीं सकती सरकार, देश को चाहिए ईमानदार जवाब : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि पहलगाम आतंकवादी हमले तथा उसके बाद के घटनाक्रम पर चर्चा कराने के लिए सर्वदलीय बैठक और संसद सत्र बुलाने की मांग को सरकार नजरअंदाज कर रही है, लेकिन सच यह है कि इस पूरे प्रकरण पर मोदी सरकार जवाबदेही से बच नहीं सकती है। कांग्रेस सांसद तथा कार्य समिति की सदस्य प्रणीति शिंदे ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार चुप रहकर और ध्यान भटका कर जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रही है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैंडसअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
हैल्थ प्लस सिरप
खून की कमी, भूख ना लगना, विटामिन व हार्मोन्स की कमी, शारीरिक दुर्बलता, गर्भवती महिला, दूध का कम बनना, लीवर व पेट की समस्याओं में उपयोगी
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आंधी में छत से गिरकर किसान की मौत

परिजनों में मचा कोहराम, चारपाई उतारने गया था छत पर

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। भीषण आंधी तूफान में छत से गिरकर किसान की मौत हो गई। बिना कानूनी कार्रवाई के किसान के शव का अंतिम संस्कार कर दिया

कोतवाली क्षेत्र के गांव करनखाल की मढ़ेया गांव निवासी 50 वर्षीय किसान शिवचरन सिंह बुधवार की रात आई तेज आंधी के चलते मकान की छत पर पड़ी चारपाई उतारने के लिए गये थे। इसी दौरान वह चारपाई उतारते समय अचानक मकान की छत से नीचे गिर गये। जिससे वह गंभीर

रूप से घायल हो गये। परिजनों के द्वारा घायल किसान को एक निजी चिकित्सक को दिखाया गया। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। किसान की मौत से परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। बिना कानूनी कार्यवाही परिजनों ने मृतक किसान के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। परिजनों ने बताया कि मृतक अपने पीछे पत्नी पार्वती के अलावा 6 बेटियां सर्वेश, रूमी, रीनू, मीनाक्षी, पूजा, आंचल के अलावा दो बेटे ब्रह्मपाल सतीश को रोते-बिलखते छोड़ गया है। जिनमें किसान की दो बेटियों की शादी हो चुकी है। जबकि किसान का एक बेटा सतीश दिव्यांग है। मृतक खेती किसानी कर परिवार का पालन पोषण करता था।

पत्नी से परेशान युवक ने पिया कीटनाशक

भाजपा सभासद पर पत्नी को अगवा करने का आरोप

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। पत्नी से परेशान युवक ने सुसाइड नोट लिखने के बाद कीटनाशक का सेवन कर लिया। सूचना पर पहुंची पीआरवी ने बिना देर किए युवक को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर हालत में मेरठ रेफर किए गए युवक ने सुसाइड नोट में भाजपा के सभासद व एक शिक्षक पर आत्मघाती कदम उठाने के लिए मजबूर करने और पत्नी को अगवा कर अपने पास रखने का आरोप लगाया है। मामले में कार्रवाई से पहले पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है।

घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कुरैशी से जुड़ी है। यहां रहने वाले इकबाल नाम के एक युवक ने गुरुवार दोपहर अचानक बागों की धुलाई में इस्तेमाल होने वाले कीटनाशक का सेवन कर लिया। इसके बाद बीच सड़क ही उसकी हालत बिगड़ती देख स्थानीय लोगों ने सूचना तुरंत डायल-112 को दे दी। मुख्यालय से लोकेशन मिलते ही पीआरवी 6201 पर तैनात हेड कांस्टेबल रईसउद्दीन, कांस्टेबल हिमांशु व चालक शुभम फौरन मौके पर पहुंच गए और बिना देरी किए इकबाल को अपने साथ जिला अस्पताल ले गए। थोड़ी देर में परि. जनों के अलावा भूड़ चौकी पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई। वहीं, हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने इकबाल को मेरठ रेफर कर दिया। इससे पहले पूछताछ के दौरान पुलिस को युवक की जेब से एक सुसाइड नोट मिला। जिसमें उसने पत्नी से विवाद के चलते शहर निवासी भाजपा के सभासद के अलावा एक शिक्षक पर आत्मघाती कदम उठाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। युवक ने लिखा है कि मेरी मौत का जिम्मेदार मेंबर और शिक्षक होगा जो मेरी पत्नी पर मुझे छोड़ने का दबाव बना रहा है। दोनों के बीच फोन पर भी बातचीत होती है। युवक ने पत्नी और शिक्षक की कॉल डिटेल चेक कराने की बात भी लिखी है। प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर ने मामले में जांच के बाद कार्रवाई की बात कही।

फोटो (ऊपर व नीचे) आंधी व बारिश से टूटे खंबे, उखड़े पेड़, तारों पर गिरी टहनियां

देर रात तक तेज आवाज के साथ गरजती रही बिजली, लोग सहमे

आंधी व बारिश से कई स्थानों पर नुकसान

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। बुधवार की शाम से प्रारंभ होकर देर रात तक आए आंधी व बारिश के चलते क्षेत्र में कई स्थानों पर नुकसान हुआ। खादर क्षेत्र के एक गांव में पेड़ गिरने से एक भैंस की मौत हो गई जबकि महिला घायल हो गई। लेखपाल ने गांव पहुंचकर घटना की जानकारी ली। बता दें कि बुधवार की शाम को ही आंधी व बारिश होनी शुरू हो गई थी। इस कारण थाना क्षेत्र के गांव शहबाजपुर डोर में स्थित भोपाल सिंह की डेयरी पर लगी टीनशेड उड़ गई तो वहीं इसी गांव में स्थित मेहंदी हसन नामक ग्रामीण का एक मकान भी गिर गया, गनीमत रही

■ पेड़ गिरने से महिला घायल, यूनिक पोल भी गिरे

कि घटना के दौरान किसी को चोट नहीं आई। बगद नदी के पुल के पास भी आंधी से एक यूनिक पोल गिर गया तो वहीं सलारपुर में भी दीवार क्षतिग्रस्त हो गई और एक यूनिक पोल यहां पर भी गिर गया। इसके अलावा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर लगे तमाम साइन बोर्ड भी तेज आंधी व बारिश के चलते फट गए और उड़ गए।

दारानगर गांव में पेड़ गिरा, महिला घायल, भैंस की मौत तेज आंधी व बारिश के चलते गांव निवासी हरप्रसाद के आंगन में खड़ा पेड़ गिर गया। पेड़ के नीचे दबकर जहां हरप्रसाद की पत्नी घायल हो गई तो वहीं भैंस की दबकर मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

तेज आवाज के साथ कड़कती रही बिजली, लोग सहमकर घरों में दुबके

बुधवार की रात को तेज आंधी व बारिश के साथ तेज आवाज के साथ गरज रही बिजली से भी लोग सहम गए। वे बिजली गिरने के डर से घरों में ही दुबके रहे। घंटो तक ऐसा ही आलम रहा, पूरा आकाश बिजली की आवाज से गूंजता रहा। चर्चा है कि एक औद्योगिक इकाई की चिमनी पर भी बिजली गिरी।

अवनी ने किया सेंटर का निरीक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। राज्य महिला आयोग की सदस्य अवनी सिंह ने वन स्टाफ सेंटर का निरीक्षण कर यहां रह रही पीड़िताओं से वार्ता की।

गुरूवार को राज्य महिला आयोग की सदस्य अवनी सिंह ने वन स्टाप सेंटर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अल्पवासित तीन पीड़िताओं के साथ वार्ता कर उन्हें माता पिता के साथ रहने की सीख दी। कहा कि घर से सुरक्षित माहौल उन्हें कही नहीं मिलेगा। सेंटर द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी की जबकि मेडिकल पंजिका, अल्पावास पंजिका, कंस पंजिका पर नजर डाली। इस मौके पर उनके साथ राकेश सिंह भी मौजूद रहे।

दम्पति व अधिवक्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पुश्तैनी मकान को लेकर भिड़े थे दो पक्ष

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। पुश्तैनी मकान के बैनामे को लेकर नौ दिन पूर्व तहसील परिसर में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में दंपति व अधिवक्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बस्ती के मोहल्ला फखरपुरा निवासी सैय्यद हसन आब्दी ने तीन शादियां की थीं। पहली बीवी यासीन से उनकी कोई संतान नहीं थी जबकि दूसरी बीवी गोलो से एक बेटी निदा हसन है वहीं तीसरी बीवी गुल बानों से उनके एक बेटा तारिक हसन है। मां-बेटे मुंबई में रहते हैं वहीं सैय्यद हसन ने अपनी दूसरी बीवी गोलो को तलाक दे दिया था। बीते दिनों गोलो बेटे तारिक को लेकर मकान का बैनामा करने तहसील पहुंची थीं, भनक लगने पर शौहर कंबर अली के साथ पहुंची निदा हसन ने इसका विरोध किया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच हुई कहासुनी में नौबत मारपीट तक जा पहुंची थी। हंगामा बढ़ने पर एसडीएम व तहसीलदार ने पुलिस बुलाकर बिगड़ते हालात पर काबू पाया था। बाद में गोलो ने अधिवक्ता शबाब आलम के साथ रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचकर मकान का बैनामा कर दिया था। मामले में एक पक्ष की ओर से निदा हसन तथा दूसरे पक्ष से अधिवक्ता शबाब आलम ने थाने में तहरीर दी थी। पुलिस ने अधिवक्ता की तहरीर पर कंबर अली, निदा हसन और एक अज्ञात तो वहीं निदा हसन की शिकायत पर अधिवक्ता शबाब आलम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दोनों ओर से एक-दूसरे पर मारपीट, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार ने मामले में जांच के बाद कार्रवाई की बात कही।

आम की फसल पर आफत बनकर टूटी आंधी

कारोबारियों को भारी नुकसान

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। एक तो पहले से ही फसल कमजोर, दूसरे भीषण आंधी तूफान ने आम कारोबारियों को भारी नुकसान पहुंचाया है। टूटे हुए आमों के ढेर को देखकर आम कारोबारी की नींद उड़ गई है।

हसनपुर क्षेत्र आमों की पट्टी के नाम से पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां का आम देश-विदेश को भेजा जाता है। हसनपुर क्षेत्र के आम के जायका अपने आप में दूर-दूर तक मशहूर है। यहां से बम्बई, लंगड़ा, दसेरी, चौसा, फजरी, हुसैन आरा, सबर बहीश, खासुल खास अपनी मिठास से पूरी दुनिया को अपनी और आकर्षित करते हैं। न्यादर मनौटा यह का बड़ा ही मशहूर आम है। अनवर रहटोर भी यहां पर पैदा होता है। हजारों परिवार हसनपुर क्षेत्र में आम के कारोबार में लगे हुए हैं तथा उनकी रोजी रोटी यही से चलती है। इस बार हसनपुर क्षेत्र में आम की फसल काफी हल्की है। इसको देखकर आम कारोबारी परेशान थे। लेकिन रात आये भीषण आंधी तूफान ने मानो आम कारोबारों की कमर तोड़कर रख दी है। छोटी फसल होने के बावजूद जो पेड़ों पर आम लगे हुए थे वह आंधी तूफान में टूट कर पेड़ों से नीचे गिर गये हैं। जिसे देखकर आम कारोबारियों के चेहरो से मुस्कान गायब हो गई है। आंधी तूफान में गिरे आम के ढेरों को देखकर कारोबारियों ने अपने सर को पकड़ लिया है। आम के छोटे व्यापारी उधार कर्ज लेकर इस कारोबार को करते है। पहले छोटी फसल अब आंधी तूफान से हुए भारी नुकसान को वह सहन नही कर पा रहे हैं। छोटे आम कारोबारियों के सामने अब कर्ज चुकाने की समस्या आकर खड़ी हो गई है।

■ हसनपुर। आंधी से बर्बाद हुई आम की फसल के बाद बैठा कारोबारी।

रंजिश में कालेज संचालक की चप्पलों से पिटाई

रेप के झूंठे मुकदमे में फंसाने की धमकी

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। रंजिश के चलते इंटर कॉलेज के संचालक की कार को घेर लिया। रेप के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देते हुए सरेराह चप्पल से पिटाई की। ईंट मारकर कार का शीशा तोड़ दिया। मामले में पुलिस ने आरा. पी महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव असगरीपुर निवासी मजाहिर हुसैन का गांव में ही इंटर कॉलेज है। उनके कॉलेज के सामने एक हाई स्कूल कालेज भी है। जिसकी संचालिका महरीन है। पुलिस के मुताबिक काले. जों को लेकर महरीन और मजाहिर हुसैन के बीच रंजिश चल रही है। मजाहिर हुसैन का आरोप है कि महरीन कई दिन से उन्हें फोन पर धमकी दे रही है। रेप के झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भेजने की भी धमकी

■ आरोपी महिला के खिलाफ रिपोर्ट

देती है। एफआईआर के मुताबिक बुधवार दोपहर मजाहिर हुसैन कार में सवार होकर कालेज से घर जा रहे थे। आरोप है कि महरीन ने ईंट मारकर कार का शीशा तोड़ दिया। मजाहिर हुसैन ने जब इसका विरोध किया तो उनका गिरेबान पकड़कर चप्पलों से पीटना शुरू कर दिया। गाली-गलौज की और झूठे केस में जेल भिजवाने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन सिंह ने मामले में यासीन हाई स्कूल की संचा. लिका महरीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही।

बैठक से लगातार अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने उठाया कदम

चिकित्सक की सेवा समाप्ति के प्रस्ताव के आदेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। डीएम निधि गुप्ता वत्स ने सीएमओ को निर्देश दिये कि वह अभियान चलाकर अपंजीकृत रूप से चल रहे अल्ट्रासांउड सेंटर, क्लीनिक व पैथलोजी लैब पर कार्रवाई करें। लगातार बैठक से अनुपस्थित रहने वाले चिकित्सक की सेवा समाप्ति के लिये प्रस्ताव बनाये।

बताते चले कि जिला विकास एवं समन्वय समिति की बैठक में सांसद कंवर सिंह तंवर ने अवैध अस्पताल, पैथलोजी लैब व अंपजीकृत अल्ट्रासांउड सेंटर पर कार्रवाई के निर्देश दिये थे। आज डीएम ने कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक ली। जिसमे उन्होंने जननी सुरक्षा योजना, बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, आभा आईडी, परिवार नियोजन, आयुष्मान गोल्ड कार्ड, प्रसव ओपीडी के अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम की जानकारी ली। डीएम ने पूछा कि रात में कितनी सीएचसी क्रियाशील है। जिस पर सीएमओ संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। डीएम ने कहा कि जहां हेल्थ एटीएम नहीं चल रहे उन्हें ठीक कराया जाये। झोलाछाप, अपंजीकृत अल्ट्रासाउंड सेंटरों, अवैध पैथेलोजी लैब पर कार्रवाई की जानकारी की। जिस पर सीएमओ ने बताया कि नोडल अधिकारी छुट्टी पर होने के

■ अवैध अल्ट्रासांउड सेंटर, अस्पताल, पैथलोजी लैब पर कार्रवाई न होने पर डीएम ने नोडल अधिकारी को किया तलब

कारण कार्रवाई बंद है। जिस पर डीएम ने फटकार लगाते अगले दिन कार्यालय में रिपोर्ट के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिये। यहां यह बताते चले कि जिले में सैकड़ों अस्पताल, पैथलोजी लैब तथा अल्ट्रासाउंड सेंटर अवैध रूप से संचालित है। जो स्वास्थ्य विभाग के लिये आमदनी का मोटा जरिया बने है। हर माह करोड़ो रूपये की आमदनी इनसे स्वास्थ्य विभाग को होती है। लगातार शिकायतों के बाद भी स्वास्थ्य विभाग इन्हें बंद कराने में असफल है। डीएम ने कहा कि बैठक में लगातार अनुपस्थित रहने वाले नल नई बस्ती स्थित पीएचसी के चिकित्सक के लिये सेवा समाप्ति को प्रस्ताव बनाये। कुरैशी स्थित पीएचसी के चिकित्सक की प्रगति खराब होने पर वेतन रोकने के निर्देश

दिये। जोया सीएचसी में डिलीवरी न होने पर डीएम ने आशा को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। डीएम ने कहा कि जो संगनियां व आशाएं काम नहीं कर रही है उन्हें हटाया जाये। आयुष्मान कार्ड बनाने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरते। बैठक में सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र, सीएमओ सत्यपाल सिंह भी मौजूद रहे।

पूल पार्टी का बच्चों ने लिया आनंद

शाह टाइम्स संवाददाता जोया। पूल पार्टी में बच्चों ने खेलों का जमकर आनंद लिया। जबकि फिल्मी गानों पर डांस दिखाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। एएसएम मोर्डन एकेडमी खाता में पूल पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने बाल पासिंग, कलेक्ट दा बाल आदि गेम खेले। उन्होंने फिल्मी गानों की धुन पर मनमोहक नृत्य पेश कर सभी का दिल जीत लिया। प्रधानाचार्या आभा रस्तौगी ने कहा कि बच्चों के लिये पढ़ाई के साथ मनोरंजन भी जरूरी है। प्रबंधक विरेन्द्र कुमार गुप्ता ने कहा कि बच्चों के लिये इस तरह की गतिविधियों का आयोजन जरूरी है। इस मौके पर चेतना गोल्डी, आफिया, महिमा, राखी तनु, कविता आदि मौजूद रहीं।

जाति सूचक शब्दों के प्रयोग से दलितों में उबाल

कोतवाली पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराने को दी तहरीर

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। जाटव समाज को जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर कोतवाली के गेट पर नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया गया।

कोतवाली क्षेत्र के गांव गुलामपुर में खड़कवंशी समाज के कुछ युवकों द्वारा जाटव समाज की भावनाओं को आहत करने के उद्देश्य से एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। जिसमें जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर इंस्टाग्राम पर वायरल किया गया है। जिससे जाटव समाज के लोगों में रोष फैल गया। भारी संख्या में गुरुवार को जाटव समाज के युवक कोतवाली पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की। इसके बाद जाटव समाज के युवकों ने कोतवाली गेट के बाहर प्रदर्शन कर आरोपियों के खिलाफ जल्द मुकदमा दर्ज

कर कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही उन्होंने चेता. वनी दी है कि अगर जल्द ही मामले में कार्यवाही नहीं की गई तो वह धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन करने वालों में मोंटी विकास पंकज कन्हैया रविशंकर सुमित बिट्टू अजीत शक्ति भूरा निरोत्तम अंकुश सर्जन मनीष रिंकू प्रियांशु आदि मौजूद रहे।

गैंगस्टर एक्ट में साढ़े चार साल की सजा

कोर्ट ने दस हजार का जुर्माना भी लगाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। गैंगस्टर एक्ट के मामले में अदालत ने 4 साल 6 महीने कैद की सजा सुनाई। दोषी पर दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

मामला गजरौला थाने से जुड़ा था। तत्कालीन एसओ वीरेंद्र सिंह यादव ने 6 अगस्त 2015 को चार अपराधियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें शमशाद, अर्जुन, अनिल सोनी और तारीक को आरोपी बनाया गया था। सभी गैंग बनाकर लूट और चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस ने बाद में आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान कर दिया था। फिलहाल सभी जमानत पर थे। मुकदमे की सुनवाई एफटीसी द्वितीय नाजनीन बानो की अदालत में चल रही थी। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी एसपीओ रामध्यान राम ने की। मामले में अदालत ने हापुड़ की राजीव विहार कॉलोनी के रहने वाले अर्जुन को दोषी करार दिया। चार साल 6 महीने कैद की सजा सुनाई तथा 10 हजार रुपये जुर्माना लगाया।

ग्रिल से टकराई ट्रैक्टर ट्राली, डेढ़ दर्जन घायल

गमी में शामिल होने जा रहे थे सभी

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। गंगा एक्सप्रेसवे के रास्ते गमी में शामिल होने जा रहे ग्रामीणों से भरी ट्रैक्टर ट्राली पंचर होने से ग्रिल से टकरा गई। जिसमें तकरीबन डेढ़ दर्जन लोग घायल हो गये। घायलों को तत्काल सरकारी एवं प्राइवेट एंबुलेंस से सरकारी अस्पताल एवं निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने तीन महिलाओं की हालत गंभीर देख हायर सेंटर रेफर किया है।

सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव पंडकी निवासी ट्रैक्टर चालक प्रमोद कुमार अपनी ट्रैक्टर ट्राली लेकर हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव रूखालू में गमी में शामिल होने के लिए जा रहे थे। ट्रैक्टर ट्राली में तकरीबन 20 से 25 लोग सवार थे। इस दौरान जैसे ही ट्रैक्टर ट्राली सैदनगली थाना क्षेत्र में हाजीपुर तरारा के नजदीक गंगा एक्सप्रेसवे पर पहुंची तो अचानक ट्रैक्टर में पंचर हो गया। जिससे ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर गंगा एक्सप्रेसवे पर लगी ग्रिल से जा टकराई। गनीमत रही की ट्रैक्टर ट्राली गंगा एक्सप्रेसवे से नीचे नहीं गिरी वरना एक बड़ा हादसा हो सकता था। इस हादसे में गांव निवासी ट्रैक्टर चालक प्रमोद कुमार, वीरवती, उर्मिला, कांता, लता, जसमाली, निर्देश, लज्जा, माया देवी, मीना, अंशु, रजनी समेत तकरीबन डेढ़ दर्जन लोग घायल हो गये। घायलों को तत्काल सरकारी एवं प्राइवेट एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने वीरवती,उर्मिला एवं लता की हालत गंभीर देख उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। फिलहाल बाकी घायलों का इलाज सरकारी अस्पताल एवं निजी अस्पतालों में चल रहा है। मामले की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई है।

आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम भारतीय सेना

सैनिकों के सम्मान में निकाली शौर्य तिरंगा यात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

नौगावां सादात। ब्लाक प्रमुख गुरेन्द्र सिंह ढिल्लो ने कहा कि भारतीय सेना किसी भी आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम है। आपरेशन सिंदूर के दौरान पूरे विश्व ने सेना की धमक देखी।

कताई मिल से गांव मखदूमपुर तक आपरेशन सिंदूर की सफलता, भारतीय सेना के अभिनंदन में तिरंगा शौर्य यात्रा निकाली गई। जिसमें बोलते ब्लाक प्रमुख गुरेन्द्र सिंह ढिल्लो ने कहा कि आज भारतीय सेना की मजबूती का लोहा पूर्व विश्व मान रहा है। उन्होंने कहा कि आप. रेशन सिंदूर के जरिये सेना के जवानों ने सिद्ध कर दिया कि वह किसी भी आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के घर में घुसकर

आतंकी ठिकानों को तबाह किया गया। यात्रा में चौधरी भूप सिंह बेनीवाल, ऋषिपाल नागर, मोमराज गुर्जर, भगवंत चौहान, पवनजीत दिवाकर, हरेन्द्र ढिल्लो, अमित शर्मा, धमेन्द्र सैनी, कपिल चौधरी, पुखराज सिंह, जितेन्द्र सिंह, रीनू कुमारी, भूपेन्द्र सिंह, सचिन शर्मा, अजय चौहान आदि मौजूद रहे।

दो पक्षों में जमकर चले लाठी डंडे, आठ घायल

रिपोर्ट दर्ज कराने को दी तहरीर

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। दो युवकों के बीच वीडियो बनाने को लेकर विवाद के बाद दो पक्षों के बीच जमकर खूनी संघर्ष हो गया। जिसमें दोनों पक्षों की तरफ से महिलाओं समेत 8 लोग घायल हुए हैं। घायलों को पुलिस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

मामला हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव फूलपुर गढ़ी का है। यहां गुरुवार को गांव निवासी युवक अरुण अपने खेत पर जा रहा था। इसी दौरान इसी गांव का युवक राजू खेत से घर लौट रहा था। राजू खेत पर जा रहे अरुण की अपने मोबाइल कैमरे में वीडियो बनाने लगा। जिसका अरुण द्वारा विरोध किया गया तो दोनों के बीच मारपीट हो गई। जिसमें अरुण घायल हो गया। इसके बाद घायल अरुण ने मारपीट की सूचना अपनी ससुराल हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव दियावली खालसा में दी। घटना की सूचना पर युवक की ससुराल के कुछ युवक बाइक पर सवार होकर अरुण के गांव आ गये। आरोप है कि 15 से 20 लोगों ने घर में घुसकर राजू और उसके परिवार के साथ जमकर लाठी डंडों से मारपीट की। जिसमें रतन,मगनवती,दुर्गिया,अमरवती, आरती,राजू और प्रकाश घायल हो गये। मारपीट की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां घायलों का इलाज किया जा रहा है। इस मामले में उप निरीक्षक प्रवेंद्र कुमार ने बताया कि घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। जांच पड़ताल की जा रही है। उसके बाद ही आगे की कार्यवाही की जायेगी।

पीके सारस्वत बने अध्यक्ष

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। राजकीय आप्टोमैट्रिस्ट एसोसिएशन का पीके सारस्वत को अध्यक्ष व अनिल कुमार को सचिव चुना गया। मुरादाबाद के एक होटल में राजकीय आप्टोमैट्रिस्ट एसोसिएशन का चुनाव हुआ। जिसमें सीएचसी अमरोहा में तैनात प्रशांत कुमार सारस्वत को अध्यक्ष जबकि गजरौला सीएचसी में तैनात अनिल कुमार को सचिव चुना गया। चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुआ। नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी।

ग्रामीण क्षेत्र में कराया जाए स्टेडियम का निर्माण

बीडीओ ने एसडीएम को लिखा पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में छिपी प्रतिभा को निखारने खेल कौशल में उत्कृष्ट लाने तथा स्थानीय परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रामीण स्टेडियम और ओपन जिम का निर्माण कराए जाने के लिए खंड विकास अधिकारी नरेंद्र गंगवार ने एसडीएम को पत्राचार कर भूमि की मांग की है। खंड विकास अधिकारी ने कहा कि शासन और जिलाधिकारी के निर्देशों पर ग्रामीण क्षेत्रों में बालक बालिकाओं युवक व युक्त में खेलों के प्रति रुचि उत्पन्न करने खेल कौशल में उत्कृष्ट लाने तथा स्थानीय परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रामीण स्टेडियम और ओपन जिम का निर्माण होना है। निर्माण के लिए भूमि की आवश्यकता है। खंड विकास अधिकारी ने पत्राचार कर एसडीएम से भूमि का चिन्हांकन कराकर भूमि उपलब्ध कराने की मांग की है जिससे ग्रामीण स्टेडियम का निर्माण करने के लिए आवश्यक कार्रवाई हो सके।

निरोगी रहने को अपनाये योग

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। जेएस हिन्दू पीजी कालेज के प्राचार्या प्रो. वीर वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य रहने के लिये योग को जीवन का हिस्सा बनाना होगा। कालेज में योग दिवस के मौके पर 21 जून को विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। जिसे लेकर आज प्राध्यापकों एवं छात्रों द्वारा योगाभ्यास किया गया। प्राचार्य प्रो. वीर वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि समस्त बीमारियों का इलाज योग द्वारा संभव है। डा. अरविंद कुमार ने बताया कि 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जायेगा। लोगों को योग के प्रति जागरूक करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इस मौके पर प्रो. अनिल रायपुरिया, नवनीत विश्नोई, डा. हिमांशु शर्मा, डा. नीरज त्यागी, डा. उमेश कुमार मौजूद रहे।

साप्ताहिक बाजार से जनता को परेशानी

बाजार हटाने की उठी मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। नगर के स्टेशन मार्ग पर प्रत्येक मंगलवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के कारण आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों की शिकायत है कि इस मार्ग पर रेलवे स्टेशन पोस्ट ऑफिस, निजी अस्पताल, खंड विकास अधिकारी ऑफिस के साथ निजी और सरकारी स्कूल हैं। जिस कारण बड़ी संख्या में स्कूली छात्रों का वह लोगों का आना-जाना लगा रहता है। लेकिन साप्ताहिक बाजार मंगलवार के दिन स्कूली छात्रों के साथ ही लोगों को बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सरकारी दफ्तर और निजी अस्पताल व स्कूल में जाने के लिए साप्ताहिक बाजार के कारण भारी भीड़ की वजह से बड़ी जद्दोजहद होती है। जिससे दुर्घटना की संभावना भी बनी रहती हैं। शिकायतकर्ताओ ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में तहसील प्रशासन और नगर पालिका में कई बार शिकायत की लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने पालिका ईओ को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए है।

खबर का असर! पालिका ने हटाए विकास पर पड़े पत्थर

अतिक्रमणकारियों को दी चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। नगर के बाईपास मार्ग पर लाखों की लागत से हुए विकास कार्य (फुटपाथ) पर पत्थर पड़े थे नगरपालिका ने विकास पर पड़े पत्थरो का हटवा दिया है। शाह टाइम्स में खबर छपने के बाद पालि. का ईओ अवधेश कुमार वर्मा टीम के साथ बाईपास मार्ग पर पहुंच गए यहां फुटपाथ पर अवैध रूप से पत्थर डालकर अतिक्रमण करने वाले लोगों को कार्यवाही की चेतावनी देते हुए हटाने की बात कही।

बतादे की नगर के बाईपास मार्ग पर सड़क के दोनों साइड नगरपालि. का द्वारा लाखो की लागत से इंटरलॉकिंग सड़क(फुटपाथ) का निर्माण कराया गया था सपना था कि इस पर पैदल चलने वाले राहगीर आसानी से चल सकेंगे लेकिन जैसे जैसे समय बीतता गया वैसे वैसे ही फुटपाथ पर लोगो ने अवैध रूप से अतिक्रमण कर कब्जा जमा लिया कुछ लोगो ने तो मनमर्जी अपनी सहूलियत के हिसाब से फुटपाथ पर पत्थर डालकर फुटपाथ का अस्तित्व ही खत्म दिया। बीते बुधवार के अंक में शाह टाइम्स ने इस मुद्दे को लाखो के विकास पर पड़े पत्थर, तो कहीं रखे ड्रम शीर्षक से प्रमुखता से प्रका. शित किया था। खबर का असर इतना तीव्र हुआ कि पालिका ईओ दिन निकलते ही टीम के साथ बाईपास मार्ग पर पहुंच गए यहां फुटपाथ पर अवैध रूप से पत्थर डालकर अतिक्रमण मिला जिसपर ईओ ने कार्यवाही की चेतावनी देते हुए अतिक्रमण हटाने की बात कही। ईओ ने बताया फुटपाथ पर अवैध रूप से डाले गए पत्थरो को हटवाया गया है।

अधिकारियों की मिलीभगत से खनन जारी

तेज रफ्तार दौड़ते वाहनों से हादसे का खतरा

शाह टाइम्स संवाददाता

रहरा। पुलिस व खनन अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध खनन का कारोबार बेरोकटोक जारी है। जिसका वीडियो भी वायरल हुआ।

हसनपुर तहसील क्षेत्र के गांव आदमपुर, बहादरपुर मिश्र, शेरगढ़, शीतला सराय, दढियाल, गुरैठा, ढवारसी, गारबपुर, निरयावली खादर जबकि थाना क्षेत्र के गांव खनौरा, मदारीपुर, बुरावली, जयतौली, गंग. वार, दौरारा, छपना, नवाबपुरा खादर, सुतावली आदि के जंगलों में प्रतिदिन मशीनों के जरिये रेत का अवैध खनन किया जा रहा है। प्रशासन लगातार इस पर रोक लगाने के दावे कर रहा है परन्तु सच्चाई इससे इतर है। अवैध खनन के वीडियो आये दिन जारी हो रहे हैं। जिससे साफ है कि इसे रोकने के लिए प्रशासन गंभीर नहीं है। अधिवक्ता शोकीन, मुकेश, अमरीश त्यागी आदि ने डीएम को पत्र भेजकर शिकायत की है कि खनन से भरे डम्पर व ट्रैक्टर ट्राली तेज गति से दौड़े हैं जिससे हर समय हादसों का खतरा रहा है। उन्होने इस पर रोक लगाने की मांग की जबकि जिला खनन अधिकारी मनीष कुमार यादव का कहना है कि खनन माफियाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

अवैध क्लीनिक संचालक के खिलाफ मुकदमा

आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज हुई थी शिकायत

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। बिना रजिस्ट्रेशन क्लीनिक का संच. ालन करने के आरोप में चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुनाल पाराशर ने क्लीनिक संचालक के विरुद्ध इंडियन मेडिकल काउंसलिंग एक्ट, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम व बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस के मुताबिक चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुनाल पाराशर का आरोप हैं कि क्षेत्र के गांव आजमपुर में अवैध रूप से क्लिनिक संचालन की शिकायत आइजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराई गई। शिकायत के बाद चिकित्सा अधीक्षक द्वारा टीम के साथ औचक निरीक्षण किया गया तो गांव आजमपुर में अतुल कुमार नागर के घर मे क्लीनिक का संचालन होता हुआ मिला। निरीक्षण के दौरान अतुल कुमार की पत्नी मौजूद थी। निरीक्षण के दौरान क्लीनिक से कुछ दवाइयां भी जब्त की गई। क्लीनिक के दो रास्ते थे लेकिन गेट किसी पर नहीं था जिस कारण क्लिनिक को सील नहीं किया जा सका। बुधवार 21 मई तक भी क्लिनिक संचालक द्वारा सीएमओ कार्यालय या चिकित्सा अधीक्षक को कोई दस्तावेज नहीं दिखाया। जिसपर बुधवार को चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुनाल पराशर ने क्लिनिक को अवैध रूप से संचालित होने पर अतुल कुमार नागर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने की मांग की। चिकित्सा अधीक्षक कुनाल पाराशर ने बताया कि अवैध रूप से क्लिनिक संचालन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया चिकित्सा अधीक्षक कुणाल पाराशर की तहरीर पर अतुल नागर के विरुद्ध इंडियन मेडिकल काउंसलिंग एक्ट, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम व बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है

पैथोलॉजी लैब संचालक के खिलाफ रिपोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। बीती 14 मई को नोडल अधिकारी क्वैक्स डा.शरद कुमार ने शिकायत मिलने पर अतरासी में हाईवे पर स्थित मन्नत पैथोलॉजी लैब का निरीक्षण किया था। लैब का संचालन क्षेत्र के गांव शकरपुर निवासी शाहने आलम द्वारा किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान न तो लैब में चिकित्सकीय उपकरण मिले थे और न ही वहां पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद था। मौके पर मौजूद संचालक शाहने आलम लैब के रजिस्ट्रेशन से संबंधित प्रमाण व अन्य दस्तावेज नहीं दिखा पाया था लिहाजा नोडल अधिकारी ने लैब में सील लगा दी थी। संचालक शाहने आलम को जवाब देने को नोटिस जारी किया था। सीएमओ डा.एसपी सिंह ने मामले में नोडल अधिकारी को कार्रवाई का निर्देश दिया था। सीओ अरुण कुमार सिंह ने मामले में आरोपी लैब संचालक शाहने आलम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही

मारपीट में दम्पति को किया घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। खेत में चारा खोदने को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट होने के कारण दंपत्ति घायल हो गया। आरोपी के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव दयावली खालसा निवासी नरेश पुत्र चंद्रपाल ने अपने खेत में चारा बो रखा है। कुछ दिनों से कोई व्यक्ति उसके खेत में उसका चारा खोद कर नष्ट कर देता था। गुरुवार की दोपहर नरेश की पत्नी बाला द्वारा पड़ोसी को खेत के चारें को खोदते हुए देख लिया। विरोध करने पर आरोपी द्वारा बाला के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी।इसी बीच नरेश भी मौके पर पहुंच गया और उसने आरोपी को रोकना चाहा तो आरोपी ने नरेश के फावड़ा मारकर घायल कर दिया इस दौरान नरेश व उसकी पत्नी वाला घायल हो गए। घायल दंपति कोतवाली पहुंचे और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर लेकर घायल दंपति को उपचार के लिए नगर स्थित सीएचसी भेज दिया

योगेश हत्याकांड में एक सभासद सहित आठ लोगों के नाम आए सामने

भाई समेत जेल में है पूर्व प्रधान पति

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। थाना क्षेत्र के गांव फौंदापुर में 12 अप्रैल की रात को युवक की पीट पीटकर हत्या में पुलिस जांच में नगर पालिका गजरौला के एक सभासद सहित आठ लोगों के नाम सामने आए हैं। इनमें से पूर्व प्रधान पति व उसका भाई जेल में हैं, जबकि अन्य की तलाश में जुटी हुई है। बता दें कि 12 अप्रैल को दोपहर में फौंदापुर गांव निवासी योगेश कुमार व बारसाबाद गांव के पूर्व प्रधान पति राजवीर सिंह के बीच विवाद हो गया था। पहले योगेश कुमार ने राजवीर सिंह के साथ मारपीट की, बाद में राजवीर सिंह पक्ष के लोगों ने योगेश कुमार के भाई प्रशांत के साथ नगर के खादगूजर तिराहे के पास मारपीट की। जिसके बाद योगेश रात के समय अपने पिता जहेन्द्र सिंह

■ सभासद व अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी को पुलिस जुटी

व ताऊ नरेश कुमार के साथ समाज के संभ्रांत लोगों के पास जा रहा था, आरोप है कि रास्ते में राजवीर सिंह, उसके भाई मनोज कुमार व कुछ अज्ञात लोगों ने लाठी डंडे आदि से पीटकर योगेश की हत्या कर दी थी, जबकि उसके पिता व ताऊ भी घायल हो गए थे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करते हुए उसी दिन मनोज को गिरफ्तार करके चालान कर दिया था, जबकि राजवीर ने पिछले सप्ताह कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया था। पुलिस ने उसे रिमांड पर लेकर घटना में प्रयुक्त डंडे आदि बरामद किए थे और पूछताछ की थी। पुलिस विवेचना में राजवीर व मनोज के अलावा छह आरोपियों के नाम सामने आए हैं। जिनमें एक सभासद है जबकि दो आरोपी गांव पाल, दो आरोपी बस्ती चौहानपुरी, एक आरोपी मझौला गांव है। इस तरह इस घटनाक्रम में राजवीर व मनोज सहित कुल आठ लोग शामिल हैं। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान ने बताया कि इनकी गिरफ्तारी को पुलिस जुटी है।

पुरानी रंजिश में युवक को किया घायल

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट मारपीट में युवक बुरी तरह घायल हो गया।घायल को पुलिस ने मेडिकल के लिए सीएचसी भेज दिया। बुधवार की देर रात कोतवाली क्षेत्र के गांव अल्लीपुर मिलक निवासी राजवीर पुत्र टेकचंद का आरोप है कि वह गांव में अपने घर के बाहर रास्ते में खड़ा हुआ था।तभी आरोपी आये और लाठी डंडे व सरियो से युवक की पिटाई करने लगे युवक ने शोर मचाया तो युवक के परिजन व मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गये।भीड़ इकट्ठा होने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। घायल हालत में पीड़ित परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचा और आरोपियों के खिलाफ नाम दर्ज तहरीर दी।

खम्भे से गिरकर लाइनमैन घायल

हसनपुर। लाइन ठीक करने खम्भे पर चढ़ा लाइनमैन गिरकर घायल हो गया। जिसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।बीती रात आयी तेज आंधी से नगर में कई जगह विद्युत फाल्ट हो गये। कोतवाली क्षेत्र के गांव भूतखेड़ी का संविदा लाइनमैन दुष्यंत जैसे ही लाइन ठीक करने के लिए खम्भे पर चढ़ा, अचानक उसका पैर फिसल गया तथा वह धड़ाम से नीचे आ गिरा। जिससे उसकी टांग में गंभीर चोटे आयीं। घायल लाइनमैन को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

निरोगी रहने को अपनाए योग

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। हाशमी गर्ल्स डिग्री कॉलेज में 'योग दिवस' पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कॉलेज की छात्राओं ने बढ-चढ कर हिस्सा लिया और अपने अपने विचार रखे। प्राचार्या डॉ रिजवाना कुलसूम ने कहा कि योग दिवस 21 जून को मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर में योग के महत्व को बढ़ावा देने और लोगों को योग के अभ्यास के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। कॉलेज के प्रबन्धक डॉ. सिराज उददीन हाशमी ने योग के बारे में बताया कि इस दिन विशेश रूप से योग के फायदे और योग के माध्यम से जीवन में संतुलन स्थापित करने का सही तरीका है। इस अवसर पर स्टाफ मौजूद रहा।

अमृत सरोवर को नष्ट करने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। मछली पकड़ने को लेकर दबंगों ने करोड़ों रुपये की लागत से बने अमृत सरोवर को किया नष्ट कर दिया।

ब्लॉक क्षेत्र के गांव अगरौला कला निवासी महीलाल पुत्र करन सिंह द्वारा जिला अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर गांव में बनें करोड़ों रुपए की लागत से अमृत सरोवर की चार दीवारी, इंटरलॉकिंग रास्ता एवं पुलिया को तोड़कर नष्ट एवं अवैध कब्जा करने का गांव के दबंग लोगों पर आरोप लगाया गया है। इसी के साथ शिकायतकर्ता द्वारा आरोप लगाया कि गया कि दबंगों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होने के कारण कोई भी उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो पा रही। शिकायतकर्ता द्वारा बताया गया की अमृत सरोवर मछलियों का पालन किया जा रहा था और मछलियों को पकड़ने के उद्देश्य से दबंगों द्वारा यह कार्य किया गया है। इसी के साथ शिकायतकर्ता द्वारा राजस्व विभाग के अधिकारियों पर भी दबंग के साथ मिली भगत होने का आरोप लगाया। पीडित ने जिलाधिकारी से अमृत सरोवर को कब्जा मुक्त करवाये जाने की मांग की है।

आंधी से गजरौला जोन में एक करोड़ का नुकसान

एक महीने के भीतर तीसरी बार हुआ बिजली विभाग को बड़ा नुकसान

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। 15 अप्रैल से 21 मई के बीच लगभग एक माह के अंदर ही विद्युत विभाग को आंधी, तूफान व बारिश ने बड़ा नुकसान दिया है। बीते दिन बुधवार को आई आंधी व बरसात के कारण गजरौला जोन में करीब एक करोड़ रूपये का नुकसान हुआ है। बता दें कि गजरौला जोन में 12 डिवीजन अमरोहा प्रथम, अमरोहा द्वितीय, गजरौला प्रथम, गजरौला द्वितीय, बिजनौर प्रथम, बिजनौर द्वितीय, चांदपुर प्रथम, चांदपुर द्वितीय, धामपुर प्रथम, धामपुर द्वितीय, नगीना और नजीबाबाद का क्षेत्र सम्मिलित है। चांदपुर, धामपुर, नगीना, बिजनौर व नजीबाबाद डिवीजन बिजनौर जनपद के अन्तर्गत ही आते हैं। विभाग के आंकड़ो के मुताबिक 500 से अधिक खंबे टूटे हें तो वहीं 70 से अधिक ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने के साथ साथ बिजली की तारें भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। इस कारण बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हुई है, जिसे सुधारने के लिये विभागीय कर्मचारी जी जान से जुटे हैं। मात्र एक माह के भीतर ही आंधी, तूफान व बारिश के चलते विभाग को बड़ी चपत लगी है। गजरौला जोन के मुख्य अभियंता राजेश कुमार ने बुधवार की रात को आई आंधी व बारिश से हुए नुकसान के लेकर प्रारंभिक रूप से बताया कि गजरौला जोन के अन्दर सभी डिवीजनों में लगभग 500 पोल व 70 टीएफ और बिजली तारों को नुकसान पहुंचा है, हालांकि अभी पैट्रोलिंग की जा रही है। बता दें कि एक माह के भीतर तीन बार आंधी तूफान व बारिश के चलते विभाग को कई करोड़ का नुकसान हुआ है, साथ ही ऐसी घटनाओं के बाद विद्युत व्यवस्था भी प्रभावित होती है। पिछली बार आई आंधी में तो खंबो, टीएफ के साथ साथ बिजली तारों के बड़े टावर भी क्षतिग्रस्त हो गए थे।

नाम परिवर्तन सूचना

आधार कार्ड में मेरा नाम Zaibun Nisha अंकित है जोकि सही है जबकि पासपोर्ट में मेरा नाम Jaibuns Nisha लिखा है जोकि गलत है। भविष्य में मुझे Zaibun Nisha नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

जैबुन निसा पत्नी अब्दुल मलिक निवासी मौहल्ला नई बस्ती नौगांवा सादात तहसील नौगांवा सादात जनपद अमरोहा

दहेज की मांग पूरी न होने पर पति व परिजनों ने गर्भवती युवती की गला दबाकर की हत्या

आतिफ निसार जैनू, शाह टाइम्स

सहसवान। मुजरिया क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सराय मुड़िया में एक विवाहिता ने की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई मृत्यु की खबर सुनकर उसके ससुराल वाले युवती को घर पर छोड़कर भाग गए ग्रामीणों ने मामले की जानकारी मृतका के परिजनों को मोबाइल से दी तो आनंन-फानन में मृतका के परिजन मौके पर पहुंच गए तथा पुत्री के सबको देखकर दहाड़े मारकर होने लगे ग्राम प्रधान ने मामले की जानकारी तत्काल थाना अध्यक्ष मुजरिया सुरेंद्र सिंह को दी सुरेंद्र सिंह ने मामले से तत्काल पुलिस क्षेत्राधिकारी कर्मवीर सिंह को अवगत कराया जिस पर दोनों ही अधिकारी गण पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और मृतका के शब को कब्जे में लेकर सील करके पोस्टमार्टम हेतु जिला चिकित्सालय

भेज दिया इससे जिला मुख्यालय से फॉरेंसिक टीम को भी बुला लिया फॉरेंसिक टीम ने घटनाक्रम के साक्ष्य एकत्रित किए। मृतका सत्यपाल सिंह निवासी ग्राम खेड़ा फतेहपुर थाना जूनाबई तहसील गुन्नौर जनपद संभल ने बताया कि उसने अपनी पुत्री लालतेश की शादी दो-तीन वर्ष पूर्व विजयपाल पुत्र सूरज पाल सिंह निवासी ग्राम सराय मुडिया खागी मैं की थी शादी के बाद से ही उपरोक्त लोग मेरी पुत्री लालतेश को प्रताड़ित करने लगे तथा उसे तरह-तरह की मांग करने लगे मेरी पुत्री ने मुझे कई बार बताया कि उपरोक्त लोग कभी मुझसे कुछ लाने के लिए कहते हैं कभी कुछ लाने के लिए कहते हैं तथा मेरे इंकार करने पर मेरे साथ मारपीट एवं गाली गलौज करते हैं तथा कहते हैं कि हम तुझे मार कर विजयपाल की दूसरी शादी कर लेंगे तथा हमें दूसरी शादी से मनमर्जी का दहेज मिलेगा मैं उपरोक्त लोगों को कई बार समझाने की कोशिश की परंतु उपरोक्त लोग मानने को तैयार नहीं थे पिता सत्यपाल सिंह ने पुत्री ललतेश की हत्या करने के लिए सूरजपाल विजयपाल आदि लोगों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उपरोक्त लोगों ने एक राय होकर मेरी पुत्री की गला दबाकर हत्या कर दी हत्या के उपरांत उपरोक्त लोग भाग गए।

पीड़ित पिता ने बताया कि उसे जानकारी मिली है कि कल शाम से विजयपाल सिंह के परिवार वाले मेरी पुत्री के पीछे पड़े थे उसे गाली गलौज और मारपीट कर रहे थे जिसका शोर सरावा गांव में काफी ग्रामीणों ने सुना है उपरोक्त लोगों ने ही मेरी पुत्री की हत्या की है पीड़ित पिता ने बताया कि मेरी पुत्री के पास एक वर्षीय पुत्री है तथा वह गर्भवती है। पीड़ित पिता के प्रार्थना पत्र पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मामले की रिपोर्ट दर्ज कर मृतका ललतेश के शव को शील करके पोस्टमार्टम हेतु जिला चिकित्सालय भेजा है।

तेज आँधी के चलते तीन स्थानों पर लगी भीषण आग

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में बुधवार रात्रि को तेज आँधी के चलते भीषण आग की तीन घटनाएँ सामने आई। जिलाधिकारी बदायूँ और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने तत्काल मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सहसवान : मैंथा फैक्टरी में लगी भीषण आगथाना उझानी क्षेत्र के अंतर्गत सहसवान रोड स्थित मनोज गोयल की मैंथा फैक्टरी में तेज आँधी के कारण आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम ने फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। ग्राम जामनी : पशु झुलसे, गाँव में फैली आगथाना सहसवान क्षेत्र के ग्राम जामनी में भी तेज आँधी के साथ आग फैल गई। स्थानीय पुलिस, फायर ब्रिगेड और ग्रामीणों की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि 7-8 पशु झुलस गए हैं। ग्राम सोनबूढी : 2-3 पशुओं की मौतथाना जरीफनगर क्षेत्र के ग्राम सोनबूढी में भी आँधी के चलते आग की घटना घटी। पुलिस व फायर ब्रिगेड की मदद से आग को फैलने से रोका गया, परंतु इस हादसे में 2-3 पशुओं की मृत्यु हो गई।प्रशासन की सक्रियता और राहत कार्य जारीतीनों घटनास्थलों का निरीक्षण जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा किया गया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, क्षेत्राधिकारी उझानी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम भी एम्बुलेंस के साथ मौके पर मौजूद रही।मैंथा फैक्टरी में लगी आग को बुझाने के लिए बदायूँ और बरेली जनपद की फायर ब्रिगेड लगातार प्रयासरत है। पुलिस और प्रशासन राहत व बचाव कार्य में पूरी तरह सक्रिय हैं।

सहसवान के दो गाँव मे लगी भीषण आग

■ आग लगने से कई मासूम बच्चों के लापता होने से दोनों ग्रामों में मचा हड़कंप

आतिफ निसार जैनू, शाह टाइम्स

सहसवान। तहसील क्षेत्र के ग्राम सोनबूडी, तथा मुजरिया थाना क्षेत्र के ग्राम भीकमपुर टप्पा जामनी में एक साथ आई तेज आंधी के बीच अचानक दोनों ग्रामों में आग लग गई आग लगते ही तेज हवाओं के बीच लंबी लंबी ऊंची ऊंची आग की लपटों ने पल भर में ही कई मकान दर्जनों भूसे की भूर्जी जलकर राख हो गई तो वही ग्राम सोनबूडी मैं कई पशुओं के गंभीर रूप से जलकर घायल होने की जानकारी है दोनों स्थानों पर अग्निशमन केंद्र के कर्मचारी वाहन मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुटे आग के दौरान अफरा तफरी के बीच कई लोगों के चोटिल होने की भी खबर हैं घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन केंद्र प्रभारी निरीक्षक पीएन सोलंकी ने तत्काल दो टीमों को अलग-अलग स्थान पर कर्मचारियों के साथ पहुँचे रात्रि मे ही जिलाधिकारी भी

पुलिस और तहसील प्रशासन को लेकर तथा स्वयं ग्राम सोनबूडी टीम के साथ पहुंच गए तथा पहुंचते ही गांव में दमकल वाहन से पानी की बौछार करते हुए आग बुझाने का प्रयास प्रारंभ कर दिया।

आपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर भाजपाईयों ने नगर कुंवरगांव में निकाली विशाल तिरंगा यात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

कुंवरगांव। ऑपरेशन सिन्दूर की ऐतिहासिक सफलता के बाद भारतीय सेना, सुरक्षाबलों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद करते हुए गुरुवार को नगर कुंवरगांव में एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गयी।नगर पंचायत अध्यक्षपति अरविंद रावत के नेर्तत्व में निक. ाली गई इस तिरंगा यात्रा में नगर व क्षेत्र के बच्चों, युवाओं, भाजपा के पदाधिकारिओं व सैकंडों कार्यकर्ताओं समेत नगर की प्रतिष्ठित हस्तियों और आम नागरिकों ने भाग लिया। भारतीय जनता पार्टी के बदायूं सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता इस यात्रा में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए।आपको बता दें कि ऑपरेशन सिन्दूर के जरिए भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब आतंकवाद के खिलाफ कोई समझौता नहीं होगा।आज का भारत शांति चाहता है, लेकिन आतंक के समूल विनाश के लिए किसी भी सीमा तक जाने को तैयार है। यह तिरंगा यात्रा भारतीय सेना, सुरक्षाबलों को नमन करने का एक भावपूर्ण प्रयास है, जिन्होंने सीमाओं पर बैठकर देश को सुरक्षित रखा और आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया।यह तिरंगा यात्रा नगर के यात्रा नगर के

साप्ताहिक बाजार से प्रारंभ हुई तथा थाना परिसर, मुख्य चौराहे,होली चौक,मौर्य समाज से होकर गंवादेव मंदिर पहुंच कर संपन्न हुई ।इस तिरंगा यात्रा में कासगंज का शर्मा डीजे आकर्षण का केन्द्र रहा । देश की एकता, अखंडता और शौर्य को समर्पित इस भव्य तिरंगा यात्रा ने नगरवासियों के हृदय में देशभक्ति की भावना को और अधिक प्रबल कर दिया। यात्रा के दौरान हर गली, हर मोड़ और हर चौराहे पर तिरंगे के रंगों में रंगे हुए नागरिक उत्साह से लबरेज दिखाई दिए। लोगों के चेहरों पर गर्व झलक रहा था और राष्ट्र के प्रति समर्पण स्पष्ट दिखाई दे रहा था। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर वर्ग के नागरिक इस यात्रा में पूरे जोश के साथ सहभागी बने।

अग्निकांड से पीड़ितों को बिल्सी विधायक ने दिया धनराशि चेक

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। कल 21मई की रात्रि में आंधी तूफान के कारण ग्राम जमनी तहसील सहसवान में हुए अग्निकांड से प्रभावित पीड़ितों को मा0 विधायक बिल्सी हरीश शाक्य द्वारा सहायता धनराशि चेक के माध्यम से वितरित की गई कार्यक्रम मैं क्ड सहसवान एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सहसवान में हुआ स्वास्थ्य कैंप का आयोजन, इलाज कर दी औषधि

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। कल रात्रि ब्लाक सहसवान के औरंगाबाद टप्पा जामिनी ग्राम में हुई घटना के परिपेक्ष्य में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सहसवान के चिकित्सा अधीक्षक डॉ प्रशान्त त्यागी के निर्देशन में स्वास्थ्य टीम सहसवान द्वारा आज 22 मई 25 को स्वास्थ्य कैम्प आयोजित कर जनमानस का ईलाज कर जीवन रक्षक औषधि भी प्रदान की गई। आयोजित स्वास्थ्य कैम्प का निरीक्षण उप जिलाधिकारी सहसवान द्वारा किया गया। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक के साथ कृष्ण वल्लभ चतुर्वेदी व स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

युवा नेता एड.जय सिंह सागर भाजपा छोड़ बसपा में हुए शामिल

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। वगरेन- बसपा ने पार्टी में 50 प्रतिशत युवाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को पार्टी से जोड़कर 2027 में यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। बसपा सुप्रीमो मायावती के निर्देश पर जिलाध्यक्ष आर. पी. त्यागी ने युवा नेता एड. जय सिंह सागर को बसपा की सदस्यता दिलाकर पार्टी में शामिल किया है। इससे पहले ये भाजपा में रहकर कार्य कर रहे थे बृहस्पतिवार को इन्होंने भाजपा

छोड़कर बसपा का दामन थाम लिया है। एड.जय सिंह सागर ने कहा बहन जी के दिशा निर्देशन में पूर्ण लगन और ईमानदारी से पार्टी मूवमेंट व मिशन के लिए काम करूंगा। जिलाध्यक्ष आर. पी. त्यागी ने कहा हम लगातार अच्छे लोगों को पार्टी से जोड़ने का काम कर रहे है। एड.जय सिंह सागर के पार्टी में शामिल होने से मजबूती मिलेगी और निश्चित ही आने वाले समय में बीएसपी की सरकार बनेगी और बहन जी पांच वीं बार यूपी की मुख्यमंत्री बनेंगी। इस दौरान एड प्रेम शंकर, एड पवन गौतम, एड राजेंद्र सिंह, एड विमल कुमार, एड ओमप्रकाश भारती, एड रिंकू भारती आदि मौजूद रहे।

फसलों के अवशेष जलाए नहीं, खेत में सड़ाकर प्रदेश के किसान भूमि को उपजाऊ बनाए

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। प्रदेश का प्रतिवेदित क्षेत्रफल 235.14 लाख हे० है, जिसमे 165 लाख हे० से अधिक में खरीफ एवं रबी की फसलें उगाई जाती है। खरीफ में लगभग 58.96 लाख हे० धान जबकि रबी में लगभग 97.88 लाख हे० में गेहूँ की फसल बोई जाती है। प्रदेश में धान, गेहूँ के अतिरिक्त 21 लाख हे0 क्षेत्र में गन्ने की फसल बोई जाती है। इन फसलों की कटाई के उपरान्त पर्याप्त मात्रा में पुआल, भूसा एव गन्ने की पत्तियों के अवशेष बचते हैं। इनमें से गेहूँ/जौ फसल अवशेषों का भूसा पशुओं के चारे के रूप में प्रयोग किया जाता है, जब कि चारे का पुआल एवं गन्ने की सुखी पत्तियां सामान्य पशुओं (गाय भैंस) के चारे साथ-साथ बिछावने के रूप में प्रयोग किया जाता है। विगत कुछ वर्षों से मजदूरों की समस्यायें एवं आधुनिक कृषि यंत्रों यथा कम्बाइन हार्वेस्टर के प्रयोग से कटाई करने पर लगभग 01 से 1.5 फिट की ऊँचाई के फसल अवशेष अथवा सूखी पत्तियां खेत में रह जाती है जिन्हें जलाने की प्रवृत्ति प्रदेश के कतिपय जनपदों में होती रही। इन फसल अवशेषों के जलाये जाने से न केवल पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, बल्कि खेतों में मित्र कीटो, मित्र जीवों के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य/ उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव भी परिलक्षित हो रहे हैं। पौधों के बढ़वार हेतु 16 पोषण तत्वों की आवश्यकता होती है, जिसमें कार्बन, हाइड्रोजन, आक्सीजन प्रकृति से प्राप्त होता है। ये तत्व पौधों के लगभग 95 प्रतिशत भाग के निर्माण में सहायक है। उक्त के अतिरिक्त नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर तथा सूक्ष्म पोषण तत्व के रूप में लोहा, जिंक, आयरन, बोरॉन, मॉलिब्डेनम, कॉपर, क्लोरीन जैसे तत्व पौधों के बढ़वार एवं उत्पादन में सहायक होते हैं। जब किसान भाई खरीफ, रबी, जायद की फसलों की कटाई, मढ़ाई करते है तो जड़ तना, पत्तियों के रूपों में पादप अवशेष भूमि के अन्दर एवं भूमि के ऊपर उपलब्ध होते हैं। इनको यदि लगभग 20 किग्रा. यूरिया प्रति एकड़ की दर से मिट्टी पलटाने वाले हल से / रोटोवेटर से जुताई/पलेवा के समय मिला देने से पादप अवशेष लगभग बीस से तीस दिन के भीतर जमीन में सड़ जाते हैं जिससे मृदा में कार्बनिक पदार्थों एवं अन्य तत्वों की बढ़ोत्तरी होती हैं। फलस्वरूप फसलों के उत्पादन पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। फसल अवशेष को खेत में सडाने से फसल उत्पादन में कई लाभ होते है। एकीकृत पोषण तत्व प्रबंधन के घटक के रूप में फसल अवशेष भी अहम योगदान प्रदान करता है। फलस्वरूप मृदा में कार्बनिक पदार्थ की बढ़ोतरी से मृदा जीवाणु की क्रियाशीलता बढ़ती है जिसके कारण उत्पादन पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है। वातावरण को विपरीत परिस्थितियों से बचाने में सहायक दलहनी फसलों के फसल अवशेष भूमि में नत्रजन एवं अन्य पोषण तत्वों की मात्रा बढ़ाने में सहायक होते है। फसल अवशेष कम्पोस्ट खाद बनाने में सहायक है जो कि मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक क्रियाओं में लाभदायक है। पादप अवशेष मल्च के रूप में प्रयोग करने में मृदा जल संरक्षण के साथ-साथ फसलों को खरपतवारों से बचाने में सहायक होते है। मृदा के जीवांश में हो रहें लगातार ह्यस को कम करने में योगदान करता है। मृदा जलधारण क्षमता में बढ़ोत्तरी होती है। मृदा वायु संचार में बढ़ोत्तरी होती है। कृषक भाई फसल अवशेष जलाते हैं तो उनसे कई हानियां होती है। फसलों के अवशेषों को जलाने से उनके जड़ तना, पत्तियों में संचित लाभदायक पोषण तत्व नष्ट हो जाते है। फसल अवशेषों को जलाने से मृदा ताप में बढ़ोत्तरी होती हैं जिसके कारण मृदा के भौतिक, रसायनिक एवं जैविक दशा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। पादप अवशेषों में लाभदायक मित्र कीट जलकर मर जाते हैं जिसके कारण वातावरण पर विपरीत प्रभाव भी पड़ता है। पशुओं के चारे की व्यवस्था पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। प्रदेश सरकार ने फसलों के अवशेष जलाने पर प्रतिबन्ध लगाया है। फसलो की जड़ से कटाई हेतु हार्वेस्टिंग मशीन के साथ स्ट्रारीपर विद बाइण्डर के प्रयोग करने पर बल दिया गया है। प्रदेश सरकार इसके लिए विभिन्न कृषि यन्त्रों में किसानों को आवश्यक छूट भी दे रही है। सीटू, योजना में यन्त्रों को सुग. मता से कस्टम हायरिंग केन्द्र एवं फार्म मशीनरी बैंक से यन्त्र प्राप्त कर किसान भाई खेत की पराली/अवशेष का प्रबंधन कर सकते हैं। रबी फसल के भूसे को बेचकर आय अर्जित कर सकते है। किसानों के लिए यह लाभदायक भी है। जनपदों के किसान इसका लाभ ले रहे हैं। किसानों की पराली संग्रह कर गौशालाओं में रखने हेतु सरकार ने मनरेगा अथवा वित्त आयोग से धनराशि की व्यवस्था की है। यह गौशालाओं में चारे व बिछावन के उपयोग में लाई जायेगी, जिससे खाद भी बनेगी। प्रदेश में स्थापित सीबीजी प्लान्ट एवं अन्य फसल अवशेष आधारित जैव ऊर्जा इकाइयों द्वारा धान की पराली क्रय की जाती है। किसान भाई इन्हें पराली देकर पर्यावरण, मृदा उर्वरक एवं सूक्ष्म जीव बचाव के साथ अतिरिक्त आय भी प्राप्त कर सकते हैं।

जीवन में सफलता के लिए छात्राएं करें अथक प्रयास: ए0डी0जे0

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुकम में माननीय जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं के निर्देशानुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं द्वारा गुरुवार को विधिक साक्षरता व जागरूकता शिविर का आयोजन केदारनाथ महिला इन्टर कॉलेज, बदायूं में आयोजित किया गया।

शिविर का शुभारम्भ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं शिव कुमारी की अध्यक्षता में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में कशिश सक्सेना, असि. एल.ए.डी.सी. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं द्वारा अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा संचालित योजनाओं, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं के द्वारा प्रदत्त नि:शुल्क विधिक सेवाओं, विधिक साक्षरता/जागरूकता कैम्प के उद्देश्यों के बारे में बताया इसके अतिरिक्त भारतीय संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों, तीन नये भारतीय न्याय संहिता के कानून तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न टोल फ्री नं0 आदि के बारे विस्तारपूर्वक बताया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं शिव कुमारी द्वारा अपने वक्तव्य में पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए पर्यावरणीय कानूनों, पॉक्सो एक्ट, तीन नये भारतीय न्याय संहिता के कानून, गुड टच व बैड टच, किशोर न्याय बोर्ड के क्रियान्वयन, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। शिविर के अन्त में सभी छात्राओं को अपने वक्तव्य में बताया कि छात्राओं को शिक्षित होना चाहिऐ व अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना चाहिए। इसके अतिरिक्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नि:शुल्क विधिक सेवायें प्रदान की जाती है, यदि किसी प्रकार पीड़ित के अधिकारों का उल्लंघन होता है तो वह अपने शिकायती प्रार्थना-पत्र कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं व सम्बन्धित थाना में नि:संकोच केस दर्ज करा सकते हैं एवं साथ ही कार्यकम में उपस्थित छात्राओं से आह्वावान किया गया कि अपने आस-पास के परिवेश में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें, तथा स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखें इसके अतिरिक्त छात्राओं के खिलाफ अपराध जैसे एसिड हमला, बलात्कार, अपहरण, दहेज उत्पीडन, एवं यौन उत्पीडन के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक बताया एवं घर से विद्यालय आने जाने पर छात्राओं को सड़क सुरक्षा की दृष्टि से हेल्मेट व शीट वेल्ट आदि यातायात नियमों का पालन करना चाहिए ताकि असमय होने वाली गम्भीर दुर्घटनाओं को रोका जा सके एवं 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्तियों को भारत में "नाबालिग" माना जाता है, कानूनी रूप से अवयस्क द्वारा किये गये विभिन्न प्रकार के अपराधों के मामले में विचारण हेतु भारतीय न्याय व्यवस्था के अधीन जनपद बदायूं में किशोर न्याय बोर्ड, का गठन किया गया है जिसमें 18 वर्ष से कम आयु के किशोरों को दण्ड स्वरूप बाल सुधार गृह बरेली में भेजा जाता है एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं के कार्यों आदि तथा नि:शुल्क विधिक सहायता हेतु विधिक जानकारी दी गयी इसके अतिरिक्त उनके द्वारा स्त्री-पुरुष सामानता सम्बन्धित प्रावधानों एवं महिलाओं की सुरक्षा एवं कल्याण सम्बन्धित विधिक प्रावधानों को विस्तृत रूप में बताया गया। इसके अतिरिक्त 13 सितम्बर 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन स्तर पर सुलह समझौते के आधार पर आप अपने वादों का निस्तारण करा सकते हैं, तथा सूक्ष्म एवं लघु प्रकृति के वादों को सम्बन्धित न्यायालय के निर्देशानुकम में जनपद न्यायालय परिसर में मध्यस्थता केन्द्र खुला हुआ है। उक्त मध्यस्थता केन्द्र के सदस्यों/अधिवक्ताओं द्वारा दोनों पक्षों को बिठाकर समझौता कराया जाता है. इसी कम में जनपद न्यायालय परिसर, बदायूं में स्थित ए०डी०आर० भवन संचालित न्यायालय स्थायी लोक अदालत की प्रक्रिया एवं कार्यकलापों के बारे में जानकारी दी गयी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं के टोल फ्री नम्बर 15100 पर भी कॉल कर विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं. इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं का स्टाफ एवं पराविधिक स्वयं सेवकगण, व केदारनाथ महिला इन्टर कॉलेज, बदायूं की प्रधानाचार्या अमलेश गुप्ता व विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। इसके उपरान्त शिविर के अध्यक्ष की अनुमति से उक्त शिविर का समापन किया गया।

किसान दिवस में फार्मर रजिस्ट्री कराने पर दिया जोर, योजनाओं की दी जानकारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। विकास भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें किसान व बैक, कृषि, सिंचाई, मत्स्य, नलकूप, गन्ना एवं उद्यान विभाग आदि से जुड़े हुए समस्त अधिकारी उपस्थित रहें। उप कृषि निदेशक मनोज कुमार ने फार्मर रजिस्ट्री कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया तथा अपील की कि समस्त किसान फार्मर रजिस्ट्री अवश्य करा ले। फार्मर रजिस्ट्री अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र या सेल्फ मोड तथा सहायक मोड के माध्यम से करा सकते है। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जिला महामंत्री निवासी गुलड़िया चिरंजीव सिंह द्वारा ग्राम में साधन सहकारी समिति बनवाने की बात रखी जिस पर ए0आर0 कोपरेटिव द्वारा बताया गया कि आप जमीन उपलब्ध करा दे जिससे आपके ग्राम में इकाई स्थापित करा दी जायेगी। कृषकों द्वारा समय से बिजली ना मिलने के कारण मक्का की फसल में सिंचाई ना होने की शिकायत की गई जिसके सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड को आवश्यक कार्यवाही हेतु कहा गया। भा0कि0यू0 तहसील अध्यक्ष बिसौली मुकेश भदौरिया द्वारा बताया गया कि अनाज मण्डी बिसौली व वजीरंगज में बाहरी व्यक्ति कृषकों को अपनी उपज का समर्थन मूल्य नही मिलने देते है जिस पर मण्डी निरीक्षक बदायूँ द्वारा अवगत कराया गया कि इस सम्बन्ध में जॉच कराकर दोषियों के विरूद्व कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। जिला कृषि अधिकारी द्वारा अवगत कराया कि जनपद के सभी राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर धान/ढैंचा का बीज उपलब्ध है किसान भाई पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर पॉस मशीन के द्वारा कृषक अंश देकर बीज क्रय कर सकते है।

राजकीय कृषि रक्षा इकाईयों पर रसायन उपलब्ध है किसान अनुदान पर रसायन प्राप्त कर सकते है। विभिन्न विभागीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी विस्तार से किसान को दी गई। उप कृषि निदेशक द्वारा किसान दिवस में उपस्थित समस्त अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु अनुरोध किया गया। इस अवसर पर बैक, कृषि, सिंचाई, मत्स्य, नलकूप, गन्ना एवं उद्यान विभाग आदि विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें

कामिल खान ब्यूरो चीफ

दैनिक शाह टाइम्स समाचार पत्र बदायूं ब्रांच ऑफिस फैजगंज बेहटा वार्ड नंबर हेड ऑफिस रजी चौक ब्रह्मपुर बराबर रेक्स दवाखाना बदायूं खबरें व विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

संपर्क सूत्र - 7500110219, 9411827221

Email: mkkhan741@gmail-com

इच्छुक भूतपूर्व सैनिक अतिशीघ्र जमा करें आवेदन

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। ले0 कर्नल संदीप सिंह (अ0प्रा0) जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी बदायूँ द्वारा जनपद बदायूँ के भूतपूर्व सैनिकों को सूचित किया गया है कि उनको सुरक्षा गार्ड में सेवायोजन हेतु जिला अस्पताल, सी.एच.सी., पी.एच. सी., एवं राजकीय मेडीकल कालेज में काफी जगह उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यालय में रजिस्टर्ड इच्छुक भूतपूर्व सैनिक जिनकी अधिकतम उम्र 55 वर्ष से कम एवं मेडीकल कैटेगिरी शेप-1 है वह अपना प्रार्थना पत्र इस कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में अतिशीघ्र जमा करा सकते हैं।

डीएम के निर्देशन में अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर

■ पांच वर्ष पुराना विवाद सुलझा

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। ग्राम गहलुइया परगना कांवर तहसील बहेड़ी में गाटा संख्या 390मि० रकवा 0.1640हे० दर्ज अभिलेख सरकारी रास्ते पर अवैध कब्जे के संबंध में हुई शिकायत पर डीएम अविनाश सिंह के त्वरित कार्यवाही के निर्देशन में उपजिलाधिकारी बहेड़ी रत्निका श्रीवास्तव द्वारा नायब तहसीलदार शोभित चौधरी की अध्यक्षता में राजस्व टीम का गठन किया गया।

राजस्व टीम ने ग्राम गहलुइया परगना कांवर की गाटा संख्या 390मि० रकवा 0.164हे० दर्ज अभिलेख सरकारी रास्ते पर बुनियाद भरकर किए गए अवैध कब्जे को जेसीबी से हटवा दिया। इस कार्रवाई से लगभग 5 वर्ष पुराने विवाद का समाधान हो गया।

राजस्व टीम में नायब तहसीलदार शोभित चौधरी, राजस्व निरीक्षक विष्णु दयाल, लेखपाल दीपक गंग. वार, आशीष शुक्ला और अमर पाल मौके पर उपस्थित रहे। टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जे को हटवा दिया। ग्रामीणों ने डीएम अविनाश सिंह के निर्देशन में की गई कार्यवाही की सराहना की, और कहा कि इससे क्षेत्र में अवैध कब्जों के खिलाफ एक संदेश जाएगा।

प्रत्येक विकासखण्ड का एक गांव बनाया जाए सुकन्या समृद्धि गांवः रहाटकर

■ अध्यक्षा राष्ट्रीय महिला आयोग ने मण्डल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की बैठक

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। अध्यक्षा राष्ट्रीय महिला आयोग विजया रहाटकर की अध्यक्षता में गुरुवार को मण्डल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में अध्यक्षा ने महिलाओं के विकास हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की, और कहा कि सरकार की योजनाओं से महिलाओं को सामाज में सम्मान मिल रहा है, उन्हें पढ़ने और आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

समीक्षा के दौरान अध्यक्षा ने पाया कि बरेली मण्डल में सरकारी स्तर से कोई वर्किंग वुमेन हास्टल संचालित नहीं है, जिसपर अध्यक्षा ने कहा कि बरेली स्मार्ट सिटी है, अतः यहां से वर्किंग वुमेन हास्टल हेतु प्रस्ताव भेजा जाए, यहाँ बच्चियां बाहर से पढ़ने आती हैं, साथ ही जॉब भी करती हैं, या महिलाएं जॉब के लिये अपना शहर छोड़कर यहां आती हैं, उनके लिए वर्किंग वुमेन हास्टल की अत्यंत उपयोगिता है। उन्होंने कहा कि यह नवाचार बरेली ही नहीं किसी भी जनपद से हो सकता है।

बैठक में सुकन्या समृद्धि योजना की समीक्षा के दौरान अध्यक्षा ने पूछा कि क्या इस योजना के अन्तर्गत एक गांव या एक नगर को पूर्णतः संतृप्त किये जाने के प्रयास हुए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सुकन्या समृद्धि गांव बनाएं और इस कार्य हेतु ग्राम प्रधानों व आम लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि राजस्थान के कई गांवों में यह नवाचार किया गया है, जरूरत है इच्छा शक्ति की। आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, पोस्ट आफिस आदि से मदद लेते हुए प्रत्येक ब्लॉक का एक गांव सुकन्या समद्धि योजना से पूर्णतः संतृप्त करें।

बैठक में अध्यक्षा ने प्रोटेक्शन अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिला पुलिस थाने एवं परामर्श केन्द्र में गुजारा भत्ता व बच्चों की कस्टडी दिलाने सम्बन्धी कितने केस आते हैं, इसकी जानकारी ली जाए और डिस्ट्रिक्ट लीगल अधिकारी के साथ समन्वय कर समस्याओं का निस्तारण करें। अध्यक्षा ने कार्यालयों में गठित आंतरिक परिवाद समिति के बेहतर संचालन हेतु प्रशिक्षण दिये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कार्यालयों में आंतरिक समिति सक्रिय रहे इसके लिए उन्हें व्यापक जानकारी, प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यालयों के अतिरिक्त असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं की भी विभिन्न प्रकार की शिकायतें उच्चाधिकारियों को प्राप्त होती रहती हैं, इसपर काम करने की और व्यापक प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के अन्तर्गत लखपति दीदी योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि सरकार द्वारा जो विभिन्न प्रकार सखियां नियुक्त की गयी हैं, जैसे-बीसी सखी, विद्युत सखी, जल सखी आदि। उन्हें भी इस योजना के साथ जोड़ा जाए तो बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे।

बैठक में वर्ष 2022-23, 2023-24, 2024-25 तथा 2025-26 के बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, कन्या जन्मोत्सव, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, वन स्टाप सेंटर, उज्जवला योजना, सुकन्या समद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, हब फॉर वुमेन इम्पावरमेंट, मिशन इन्द्र घनुष, निराश्रित महिला पेंशन, जननी सुरक्षा योजना, स्टैण्डअप इंडिया, लखपति दीदी आदि योजनाओं के ऑकड़े प्रस्तुत किए गए। बैठक में कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, पुलिस उप महानि. रीक्षक अजय कुमार साहनी, जिलाधिकारी बरेली अविनाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य, मुख्य विकास अधिकारी बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं व पीलीभीत, पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारिक सहित सम्बंधित मण्डल स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एक नजर

बहेड़ी में शॉपिंग कंपलेक्स का पालिका की टीम ने किया सर्वे

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। पालिका की टीम ने नैनीताल रोड स्थित केसर चीनी मिल को दी गई लीज की जमीन पर बना रहे शॉपिंग कंपलेक्स का सर्वे किया है। टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया, और वीडियो तथा फोटो खींचे। अब नगर पालिका प्रशासन शासन को रिपोर्ट बनाकर भेजेगा, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

केसर चीनी मिल को दी गई लीज की जमीन पर शॉपिंग कंपलेक्स का निर्माण कार्य चल रहा है। तीन शॉपिंग कंपलेक्स बनकर तैयार हो गए हैं। नगर पालि. का की टीम में जेई निर्माण जितेंद्र गंगवार, जेई जल और अन्य कर्मचारी शामिल थे।

■ सारी औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद बनाया गया है मार्किटः शरद मिश्रा

केसर प्रबंध समिति के अध्यक्ष शरत मिश्रा ने कहा है कि पुरानी गन्ना सोसायटी पर केसर ने जो मार्केट बनवाया है, वह सारी औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद बनवाया गया है। उन्होंने कहा कि पुरानी गन्ना सोसायटी प्रॉपर्टी पर केसर मिल काबिज है, और उस जगह पर मार्केट बनाने से पहले फायर ब्रिगेड, वन विभाग और एडीएम कार्यालय के यहां से औपचारिकताएं पूर्ण की गई थीं।

शरत मिश्रा ने कहा कि नगर पालिका की ईओ अभी नई आई हैं, और उन्हें लगता है कि इसकी पूरी जानकारी नहीं है।

उनकी तरफ से नगर पालिका को एक पत्र भी भेजा गया है, जिसमें इस मामले में स्पष्टीकरण दिया गया है। केसर प्रबंध समिति के अध्यक्ष ने कहा कि मार्केट बनाने से पहले सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गई थीं। उन्होंने कहा कि नगर पालिका को भी इस मामले में जानकारी दी गई है, और उन्हें उम्मीद है कि मामले का समाधान निकाला जाएगा।

घर में घुसकर युवती से छेड़छाड़, विरोध करने पर धारदार हथियार से हमला, तीन महिलाएं घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। शहर के किला थाना क्षेत्र में एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई। घर में अकेली मौजूद महिलाओं पर कुछ दबंगों ने अचानक धावा बोल दिया। एक युवक ने युवती से अश्लील हरकतें कीं, और जब मां व बहू ने विरोध किया तो धारदार हथियार व लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया।

घटना में तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हमले के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने नौ नामजद लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह अपनी बेटियों और बहू के साथ घर पर थी। तभी गुड्डू नाम का युवक जबरन घर में घुसा और उसकी बेटी रुखसार से छेड़छाड़ करने लगा। युवती के साथ जब वह अश्लील हरकतें करने लगा, तो मां ने साहस दिखाकर विरोध किया। गुड्डू ने तुरंत ही धारदार हथियार से महिला के सिर पर बार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ी। बेटी को बचाने दौड़ी बहू पर जावेद नाम के आरोपी ने हमला कर उसके ऑपरेशन वाले पेट पर लात मारी, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। हमले की खबर मिलते ही नदीमा, गुलशन, नीलू, अन्नो, नन्ही, तय्यबा और एक अन्य रुखसार भी लाठी-डंडों से लैस होकर घर में घुस आईं। सभी ने मिलकर तीनों महिलाओं के साथ बर्बरता की और गाली-गलौज करते हुए उन्हें बुरी तरह पीटा। घटना के वक्त महिलाओं की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके की ओर दौड़े, तब तक सभी आरोपी फरार हो चुके थे। जाते-जाते आरोपी परिवार को जान से मारने की धमकी भी दे गए। घायल महिलाओं को अस्पताल पहुंचाया गया, वहीं पीड़िता की तहरीर पर गुड्डू, जावेद समेत नौ लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

तीन शातिर चोर गिरफ्तार लाखों के जेवर बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। थाना हाफिजगंज पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए घर में सेंध लगाकर जेवरात चोरी करने वाले तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने और चांदी के कीमती आभूषण बरामद किए हैं।

यह कार्रवाई उस मामले में हुई जिसमें कस्बा रिठौरा निवासी इसरार पुत्र असगर अली ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 19 मई को उसके घर से तीन युवक फैजान, गुलाम गौस और अबरार सोने व चांदी के जेवर चोरी करके फरार हो गए। इस शिकायत पर थाना हाफिजगंज में मु.अ.सं. 211/2025, धारा 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी कस्बा सेंथल के पास रजवाहे की पुलिया पर देखे गए हैं। तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और तलाशी में उनके पास से चोरी गया माल बरामद हुआ, जिसमें शामिल हैं:

पीली धातु (सोना) का पेंडेंट वजन 2.860 ग्राम सफेद धातु (चांदी) के दो पैर के तोड़े कुल वजन 215 ग्राम बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस भी जोड़ी गई है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। आरोपी फैजान पुत्र अबरार मोहल्ला जवाहर नगर, कस्बा रिठौरा, अबरार पुत्र नियाजुद्दीन वार्ड नंबर 3, कस्बा रिठौरा, गुलाम गौस पुत्र कल्लू मोहल्ला जवाहर नगर, कस्बा रिठौरा शामिल हैं।

समाचार एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
मो. इरफान मुनीम जिला प्रभारी (बरेली)
मो0- 9456212547 8077380691
Email: irfanggnewslive@gmail.com

पारिवारिक विवाद में महिला ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। पारिवारिक कलह के चलते एक विवाहिता ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

यहां के ग्राम गुलड़िया अता हुसैन निवासी कविता (उम्र 25 वर्ष) पत्नी सोमपाल ने पारिवारिक विवाद के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। बताया जा रहा है कि तीन दिन पूर्व पति-पत्नी में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। जिससे नाराज होकर कविता ने आत्मघाती कदम उठा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परि. जनों ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान 22 मई 2025 को उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

श्रीमद भागवत कथा के द्वितीय दिवस पर सुखदेव आगमन की सूनाई गई कथा

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। श्री आनन्द आश्रम मन्दिर प्रांगण में चल रही श्रीमद भागवत कथा के द्वितीय दिवस पर महामंडलेश्वर आचार्य श्री संजीव कृष्ण महाराज जी ने भक्तों को कथा का सार समझाया। उन्होंने कहा कि भागवत कथा भगवान श्री कृष्ण का ही साक्षात विग्रह है, और इसका श्लोक पढ़ने से जीव को मुक्ति मिल जाती है।

आचार्य श्री संजीव कृष्ण महाराज जी ने बताया कि भागवत कथा जीवन में तत्व की खोज करने वालों के लिए एक मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि जब जीवन में सच्चे गुरु या संत आते हैं, तो वे ईश्वर का संदेश लेकर आते हैं।

कथा के विश्राम पर सुंदर भजन संकीर्तन का आयोजन किया गया, जिसके बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर भक्तों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया।

आचार्य श्री संजीव कृष्ण महाराज जी ने माता सती का चरित्र सुनाया, और इसके महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि माता सती की कथा हमें जीवन के महत्वपूर्ण सबक सिखाती है।

भैंस चोरी कर ले जा रहे चोर को ग्रामीणों ने पकड़ा,नदी में गिरने से भैंस की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

शीशगढ़। जंगल में में बंधी भैंस को चोरी कर ले जाने वाले एक चोर को ग्रामीणों ने पकड़ लिया।जबकि उसके तीन साथी मौके से फरार हो गए।भैंस की नदी में गिरने से मौत हो गई।पकड़े गए चोर को ग्रामीणो ने पुलिस को सौंप दिया।मामले में पुलिस ने चोरो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर फरार चोरो की तलाश शुरू कर दी है।

थाना क्षेत्र के गांव सियाठेरी निवासी भूरी ने पुलिस को बताया कि बुधवार को अपने खेत में मिर्च तोड़ रही थी। भैंस खेत पर बँधी हुई थी शाम के समय उनकी भैंस को चार अज्ञात लोग चोरी करके ले जा रहे थे। तभी उसने और उसके साथ में मिर्च तोड़ रहे गांव के ही लोगों ने चोरो का पीछा किया पास में ही वह रही बरौर नदी में चोरो ने भैंस को 40 फिट की ऊंचाई से कुदा दिया नदी में झाड़ी किनारे पेड़ होने से भैंस एवं एक व्यक्ति को पकड़ लिया। भैंस की तड़प तड़प कर मौके पर ही मौत हो गई।गांव के ही प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पकड़े गए व्यक्ति से नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम विजयपाल निवासी मलसी पुलिस चौकी मंडी थाना रुद्रपुर जिला ऊधम सिंह नगर (उत्तराखंड)बताया तथा अपने भागे हुए साथियों का नाम सुंदरा, कुलदीप,मुन्नीलाल,बताया पुलिस ने चारो चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर फरार चोरो की तलाश शुरू कर दी है।

बंदर की बीमारी से हुई मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

देवरनियां। नगर पंचायत देवरनियां के वार्ड नंबर तीन में गुलाब नगर रोड के पास किसी अज्ञात बीमारी के चलते एक बंदर की मृत्यु हो गई ।सूचना पर पहुंचे देवरनियाँ के भाजपा कार्यकर्ता भगत सिंह, गुनपाल मौर्य, छत्रपाल प्रजापति, बाबू कश्यप, अमन मौर्य, शेर सिंह वर्मा आदि ने पहुंचकर लाल कपड़े में लपेटकर शमशान भूमि में उसका अंतिम संस्कार किया।

नगर पालिका परिषद मामले की सुनवाई 16 जुलाई को

■ टॉप टेन में शामिल हुआ केस

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। नगर पालिका परिषद के वरिष्ठ लिपिक रहे सुरेश पाल की याचिका पर अब उच्च न्यायालय 16 जुलाई को सुनवाई करेगा, कोर्ट ने दायर किए गए इस मामले को टॉप टेन की सूची में दर्ज किया है।

गौरतलब हो एक माह पहले 17 अप्रैल को नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमलता राठौर ने परिषद के कुछ सभासदों की शिकायत पर वरिष्ठ लिपिक का कार्य कर रहे सुरेश पाल को उनके पद से हटाते हुए बैकलॉग सफाई कर्मी धीरेन्द्र कुमार (डी को) को वरिष्ठ लिपिक बनाए जाने के आदेश जारी किए थे, आदेश जारी किए जाने के बाद जहां वरिष्ठ लिपिक रहे सुरेश पाल मेडिकल अवकाश पर चले गए, और उन्होंने पालिका अध्यक्ष के इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है, जिसमें कोर्ट सुनवाई कर रहा है। गुजरी 30 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने परिषद के ईओ को व्यक्तिगत रूप से रिकॉर्ड के साथ तलब किया था, लेकिन परिषद में ईओ के न होने के चलते मामला टल गया था।

इस दौरान ईओ का पदभार संभालकर उच्च न्यायालय पहुंचे रतन लाल ने नगर पालिका परिषद की ओर से काउंटर दाखिल किया, जिसका जवाब सुरेश पाल के वरिष्ठ अधिवक्ता सैय्यद वाजिद अली ने रिजॉयंडर दाखिल किया है। 20 मई को उच्च न्यायालय ने सुरेश पाल की याचिका पर जहां 16 जुलाई की तारीख नियत की है, वहीं इस मामले को टॉप टेन की सूची में दर्ज किया है। माना जा रहा है कि 16 जुलाई को इस मामले में फाइनल आदेश जारी किया जा सकता है।

दूसरी ओर नगर पालिका परिषद के वरिष्ठ लिपिक सुरेश पाल द्वारा अभी तक नए वरिष्ठ लिपिक को चार्ज नहीं सौंपे जाने से जहां नगर पालिका के विकास का पहिया रुक गया है, वहीं नगर पालिका परिषद के ईओ रतन लाल भी लम्बी छुट्टी पर चले गए हैं।

कमेटी भी चार्ज दिलाने से कतरा रही है

नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमलता राठौर द्वारा डीएम से वरिष्ठ लिपिक सुरेश पाल द्वारा अभी तक चार्ज नहीं सौंपे जाने की शिकायत की थी, जिस पर डीएम अविनाश सिंह ने तहसीलदार दुष्यन्त प्रताप सिंह के साथ ही खण्ड शिक्षा अधिकारी और ईओ फरीदपुर को अलमारी खोलकर चार्ज दिलाए जाने के आदेश दिए थे, लेकिन इस आदेश पर हाईकोर्ट की तलवार के आगे अभी तक अमल नहीं हो पा रहा है। हर कोई हाईकोर्ट के मामले से बचना चाहता है।

अध्यक्षा राष्ट्रीय महिला आयोग ने महिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

■ केक काटकर बच्चियों का जन्मोत्सव मनाया और पोषण टोकरी और बेबी क्लॉथ किट किया वितरण

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। अध्यक्षा राष्ट्रीय महिला आयोग विजया रहाटकर ने बुधवार को जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सवप्रर्थम अध्यक्षा ने नवजात शिशु देख भाल इकाई एवं पोस्ट ओपरेटिव वार्ड की व्यवस्थाओं का जायजा लिया, और वहां पर भर्ती शिशुओं के उपचार के बारे में जानकारी ली।

उक्त के उपरांत उन्होंने बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ योजना के अन्तर्गत बच्चियों का जन्मोत्सव केक काटकर मनाया गया और पोषण टोकरी व बेबी क्लॉथ किट वितरित किया गया, तथा सभी को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानक. ारी दी।

अध्यक्षा द्वारा चार गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म की गई, एवं दो बच्चों को अन्नप्राशन भी कराया गया। इस अवसर पर अध्यक्षा ने 300 बेडेड अस्पताल में पहुंचकर वहाँ श्शतेरे मेरे सपनेश्श (विवाह पूर्व संवाद केन्द्र) का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, सदस्य राज्य महिला आयोग पुष्पा पाण्डेय, जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा सहित अस्पताल के डॉक्टर उपस्थित रहे।

दूसरे दिन 11 नामांकन पत्र दाखिल

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। एडवोकेट प्रेक्टिशनर्स एसोसिएशन कार्यकारिणी के 30 मई को होने वाले चुनाव के चलते गुरुवार को 11 नामांकन पत्र दाखिल किए गए, अब 31 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं, जिसमें जहां जांच में एक नामांकन पत्र निरस्त हो गया, तो वहीं पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर अजय सिंह का निर्विरोध चुना जाना तय हो गया है।

गुरुवार को अध्यक्ष पद पर प्रदीप कुमार सूरी, सचिव पद पर चेतन्य प्रकाश श्रीवास्तव, आडीटर पद पर चमन प्रकाश, अरविन्द कुमार, उपाध्यक्ष पद पर सितबत अब्बास और सुरेंद्र पाल सिंह, सह सचिव पद पर महेन्द्र कुमार और हारून अहमद, संरक्षक पद पर पूर्व अध्यक्ष रवींद्र पाल सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किए।

इसके साथ ही कार्यकारिणी सदस्य के लिए अरविन्द सिंह यादव और सोमपाल शर्मा ने नामांकन पत्र दाखिल किए। अभी तक दाखिल किए गए सभी 31 नामांकन पत्रों की जांच की गई, जिसमें एक नामांकन पत्र मुनीश कुमार का खारिज कर दिया गया। जांच अधिकारी ने बताया कि इनकी प्रैक्टिस कम होने के कारण इनका नामांकन पत्र खारिज किया गया है।

एल्डर कमेटी के अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा, उतरे चुनाव मैदान में

संगठन की कार्यकारिणी की हुई बैठक में चुनाव की घोषणा किए जाने के साथ ही एल्डर कमेटी का भी गठन किया गया था, जिसमें सुधाकर लाल रस्तोगी को इसका अध्यक्ष बनाया गया था। बुधवार को पहले दिन ही उन्होंने संरक्षक पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया था, जिसको लेकर गुरुवार को युवा अधिवक्ता उपेन्द्र गंगवार ने एतराज जताया था, जिस पर उन्होंने एल्डर कमेटी से अपना इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही उनके खिलाफ पूर्व अध्यक्ष रवीन्द्र पाल सिंह गंगवार ने ताल ठोकते हुए गुरुवार को अपना पर्चा दाखिल कर सभी को चौंका दिया। चुनाव अधिकारी का जिम्मा अब अशोक राठौर, राजेश पाल गंगवार संभाल रहे हैं, उनका सहयोग संगठन के अध्यक्ष हाजी माजिद हुसैन जैदी, सचिव दुष्यंत गंगवार, कोषाध्यक्ष आनन्द कुमार कर रहे हैं। युवा अधिवक्ता उपेन्द्र गंगवार ने बताया कि वह इस मामले को लेकर बार कौंसिल से शिकायत करेंगे।

पहली बार हो रहा है संरक्षक का चुनाव

किसी भी संस्था के संरक्षक पद पर किसी वरिष्ठ व्यक्ति को नामित किया जाता रहा है, बार के चुनाव में भी संरक्षक पद पर भी ऐसे ही वरिष्ठ अधिवक्ता को नामित किया जाता रहा है, लेकिन पहली बार इस पद के लिए चुनाव किया जा रहा है, जिसपर कई अधिवक्ताओं ने तरह-तरह की अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की हैं।

कुर्मी समाज के उत्थान हेतु शिक्षा पर दें जोरः उमेश पटेल

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। अखिल भारतीय कुर्मी महासभा के राष्ट्रीय महासचिव उमेश पटेल गुरुवार को बरेली पहुंचे। उनके आगमन पर कुर्मी क्षत्रिय सभा के पदाधिकारियों ने ब्रह्मपुरा छात्रावास पर भव्य एवं दिव्य स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता उपाध्यक्ष प्रेम शंकर गंगवार ने की। इस मौके पर उमेश पटेल ने कहा कि कुर्मी समाज के उत्थान के लिए सभी लोग अन्य उपनामों के स्थान पर जातीय जनगणना में स्वयं को कुर्मी दर्ज कराएँ। उन्होंने एकता को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि समाज के बच्चों को तालीम देना बेहद जरूरी है, ताकि वे भविष्य में बुलंदियों को छू सकें। उन्होंने यह भी बताया कि कुर्मी समाज के लोग आज राजनीति से लेकर प्रशासनिक सेवाओं जैसे आईएएस, आईपीएस और पीसीएस तक अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। उन्होंने समाज के युवाओं को प्रेरित करते हुए शिक्षा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया और कहा कि संगठित होकर ही समाज तरक्की कर सकता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कुर्मी क्षत्रिय सभा के उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह गंगवार, महामंत्री/व्यवस्थापक आरसी लाल, रामऔतार सिंह गंगवार, दीपक गंगवार, डॉ. राजेन्द्र कुमार गंगवार, हरीश गंगवार, आलोक गंगवार, अरविंद पटेल, डॉ. उग्रसेन गंगवार, भद्र पाल गंगवार,वीरेश कुमार गंगवार, सदस्य तेजपाल गंगवार, सदस्य अमित गंगवार, सदस्य कृष्ण पाल सिंह, सदस्य युधिष्ठिर प्रसाद गंगवार, सदस्य खेमेन्द्र गंगवार सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

समर कैम्प का पौध रोपण के साथ हुआ समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। एडम्स स्कूल में पांच दिनों से चल रहे समर कैम्प का बुधवार को समापन हुआ। इस दौरान बच्चों के बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए विभिन्न प्रकार की मनोरंजक और रोचक गतिविधियों का आयोजन किया गया था।

समापन कार्यक्रम की शुरुआत पौधा रोपण के साथ हुई, जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि संजय तोमर प्रभारी निरीक्षक थाना बहेड़ी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर शहर के सम्मानित अधिवक्ता, व्यापारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि संजय तोमर ने स्कूल के मेधावी छात्रों को अपने हाथों से मेडल, सर्टिफिकेट और स्मृति चिह्न से सम्मानित किया। साथ ही, उन्होंने बच्चों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

एडवोकेट शकील अहमद गुरु ने बच्चों और स्कूल स्टाफ के लिए योगा कैंप में शरीर को स्वस्थ रखने से संबंधित व्यायाम कराए। उन्होंने बच्चों को अपने काम को ईमानदारी और पूरी लगन से करने के लिए प्रेरित किया। समर कैम्प में बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें बेसिक एजुकेशन, योगा, डांस, मार्शल आर्ट्स, जुम्बा, पेपर क्राफ्ट, ड्राइंग, पोटलक लंच, कुकिंग विदआउट फायर, फैंसी ड्रेस, मैथ्स ट्रिक्स, नॉलेजेबल एक्टिविटी, आइस क्रीम कंपटीशन, फिजिकल फिटनेस गेम्स, पौधारोपण, बर्ड्स फीडिंग और कल्चरल प्रोग्राम शामिल थे। स्कूल के एमडी गुलरेज अली ने सभी से अपील की कि वे अपने घर की बाल. कनी और छतों पर पेड़-पौधे लगाएं, और धरती को हरा-भरा बनाने में योगदान दें। स्कूल की चेयरपर्सन शाइस्ता अली ने कार्यक्रम में शामिल सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया, और बच्चों का मार्गदर्शन किया कि वे गर्मियों की छुट्टियों में माता-पिता की आज्ञा का पालन करेंगे, और अपना होम असाइनमेंट समय से पूरा करेंगे।

पुलिस अधीक्षक ने थाना कोतवाली का किया वार्षिक निरीक्षण

पीलीभीत। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक पीलीभीत अभिषेक यादव द्वारा थाना कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा थाना परिसर, कार्यालय, मालखाना, शस्त्रागार, हवालात, कर्मचारी बैरक, मैस एवं शौचालय आदि का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने थाना कार्यालय में रखे गए विभिन्न अभिलेखों एवं प्रपत्रों की जांच की तथा उन्हें अद्यावधिक (अप–टू–डेट) करने एवं सुव्यवस्थित ढंग से सुरक्षित रखने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

प्रभारी निरीक्षक कोतवाली को निर्देशित किया गया कि थाना पर नियुक्त समस्त महिला एवं पुरुष आरक्षियों को दंगा नियंत्रण (।दजप–त्पवज) उपकरणों का नियमित अभ्यास कराया जाए। इसके अतिरिक्त माल–मुकदमाती व लावारिस वाहनों के निस्तारण हेतु विशेष अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए गए।

चेयरमैन ने सीएम योगी से मिलकर की सीमा विस्तार पूरनपुर नगर पालिका को आदर्श पालिका बनाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता
पुरनपुर। मुख्यमंत्री आवास पर पूरनपुर चेयरमैन शैलेन्द्र गुप्ता ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने नगर के सीमा विस्तार, पूरनपुर नगर पालिका को आदर्श नगर पालिका बनाये जाने, रामल. ीला मैदान पूरनपुर की भूमि से अतिक्रमण हटाए जाने, कान्हा गौशाला के सौंदर्यीकरण व अन्य कई विषयों को लेकर चर्चा की एवं सम्बंधित पत्रक भी सौंपा।

चेयरमैन पूरनपुर की कार्य प्रणाली एवं भविष्य की कार्य योजनाओं पर विश्वास जताते हुए मुख्यमंत्री योगी ने शैलेन्द्र गुप्ता को नगर के चहु–मुखी विकास हेतु विशेष सहयोग देने का आश्वासन दिया। नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा मुख्यमंत्री को लगातार मिल रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन पूरनपुर शैलेन्द्र गुप्ता के साथ उनकी धर्मपत्नी कल्पना गुप्ता, मैलानी चेयरमैन कीर्ति माहेश्वरी एवं उनके पति भवानी शंकर माहेश्व. री उपस्थित रहे।

सिविल बार एसोसिएशन ने नवनियुक्त जिला जज का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। सिविल बार एसोसिएशन पीलीभीत के द्वारा गुरुवार को सिविल बार कैंपस में नवनियुक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अब्दुल शाहिद का स्वागत समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता, अध्यक्ष विवेक पांडेय, संचालन महासचिव मोहन गिरी द्वारा किया गया। इस दौरान जिला जज ने अधिवक्ताओं को संबोधित कर अवगत कराया के बार और बेच का संबंध जितना मधुर बना रहता है उतना ही न्याय की रफ्तार तेज़ होती है। कार्यक्रम में जनपद के सभी न्यायिक अधिकारीयों के साथ साथ एल्डर कमेटी के अध्यक्ष विद्याधर पांडेय, अध्यक्ष सरोज वाजपाई, अशोक वाजपई, मोहन वीर सिंह, आलोक कुमार नगाइच, स्नेह लता तिवारी, अवधेश चंद्र शर्मा, तारिक अली बेग, अशर हुसैन, अश्वनी अग्निहोत्री, अश्वनी सिंह, अशोक वाजपई, अंशुल गौरव सिंह, विवेक अवस्थी, फैजान अली ख़ान सहित तीनों बारों के अधिवक्ता मौजूद रहे।

आगरा कैनाल बाईपास मार्ग का डामरीकरण शुरू

कोसीकलां। शहर को जाम से बचाने के लिए आगरा की पटरी पर बनाए जा रहे मार्ग का डामरीकरण शुरू हो गया है। यह कार्य करीब 10 दिनों में पूरा हो जाएगा। इस आगरा कैनाल बाईपास मार्ग का दौरान मार्ग पूर्णतः बंद रहेगा। बहुप्रतिष्ठित डामरीकरण शुरू करते अधिकारीगण। आगरा कैनाल बाईपास मार्ग का निर्माण अब तेजी से शुरू हो गया है। इसकी फाइनल लैयर डालनी शुरू कर दी है। दस मीटर चौडे और दो किलो मीटर लंबे इस पर मार्ग पर सात मीटर चौडाई में डामरीकण शुरू हो गया है। कार्य का शुभारंभ पी.डब्ल्यू.डी. अवर अभियंता प्रदीप कुमार, एम पी सिंह के निर्देशन में किया गया। डामरीकरण के दोनों ओर ढेड–ढेड मीटर चौडे फुटपाथ भी बनाए जाऐंगे। अवर अभियंता प्रदीप कुमार ने बताया कि डामरीकरण के दौरान मार्ग पर कोई अप्रिय घटना न घटे इस मार्ग को दोनों ओर से पूर्णतः बंद कर दिया गया है। उन्होंने जनता से सहयोग की भी अपील की है। उन्होंने बताया कि मार्ग में करीब दस दिनों का समय लगेगा, जिस पर मार्गो की आवाजाही बंद रहेगी। डामरीकरण के शुभारंभके मौके पर प्रोजेक्ट डायेक्टर वासुदेव पंथी, इंजीनियर अजय सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर सूबेदार सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

कैमिस्ट एसोसिएशन का चुनाव 30 मई को

कोसीकलां। कैमिस्ट एसोसिएशन कोसीकलां के अध्यक्ष एवं मंत्री का चुनाव 30 मई को विधिवत प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। मुख्य चुनाव अधिकारी श्याम सुंदर दीक्षित ने चुनावी कार्यक्रम की घोषणा की है। जिसमें बताया कि कैमिस्ट एसोसिएशन कोसीकलां के अध्यक्ष पद के लिए 31 सौ एवं मंत्री पद का फार्म लेने के लिए 21 सौ रूपए जमा कराने होंगे। 21 से 25 मई तक इच्छुक व्यक्ति फार्म खरीद सकेंगे। जबकि 26 को फर्म वापसी तय की गई है। जिसके बाद 30 मई को कैमिस्ट अपने दोनों पदाधिकारियों के चुनाव के लिए मतदान करेंगे।
24एमटीआरपी03– वृंदावन में यमुना पर बने ब्रिज के 4 लेन सम्पर्क मार्ग का निरीक्षण करते सीडीओ मनीष मीना।

सम्मान पाकर खुशी से खिले मेधावी विद्यार्थियों के चेहरे

शाह टाइम्स संवाददाता

कोसीकलां। छात्र हमारे समाज का भविष्य हैं। उनकी मेहनत और सफलता हम सभी के लिए प्रेरणा है। विद्यार्थी अपने जीवन में और भी ऊंचाइयों को छुएं और ऊंचे पद पर पहुंचकर अपने शहर, स्कूल और माता–पिता का नाम रोशन करें। यह बातें कस्बा कोसीकलां के चौकी प्रभारी दुष्यंत कौशिक ने कमला नगर स्थित बंजरंग विद्या मंदिर में आयोजित मेधावी छात्र–छात्राओं के सम्मान समारोह के दौरान कहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे के समक्ष द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात मेधावी छात्र छात्राओं जितेंद्र गौर, मंयक, जगवती, सुभाष, रेनू शर्मा, लक्ष्मण, लक्ष्मी शर्मा, हेमा, भावना, जाहिद, हिमांशी, रिया, गौरव, राधा कौशिक, दीपक, ललिता, वर्षा, कमलेश, लक्ष्मी, प्रिया यादव, आरती, मनीषा, देवेंद्र, उमा आदि को उपहार देकर एवं मिष्ठान्न खिलाकर सम्मान किया गया। विद्यालय के प्रबंध लोकेंद्र पाराशर ने मेधावियो को बधाई देते हुए ऐसे ही शिक्षा के क्षेत्र मे माता–पिता का नाम रोशन करने का आशीर्वाद दिया। इस मौके पर राजेश कुमार, जया पाराशर, रामकुमार, दिलीप सिंह, थानसिह, अनुज, मदनमोहन, हेमलता, पूनम, पूजा, शिवानी आदि मौजूद रहीं।

गुमशुदा हुई दो किशोरियों को पुलिस ने सकुशल किया बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना बाबूगढ़ पुलिस ने गुमशुदा हुई दो किशोरियों को सकुशल बरामद कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति द्वारा थाने पर सूचना दी गई थी कि उसकी दो नाबालिग पोतिया बिना बताए घर से कहीं चली गई है। सूचना मिलते ही किशोरियों को बरामद करने के लिए टीम का गठन किया गया और पुलिस उनकी तलाश में जुट गई थी। गुरुवार को पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों किशोरियों को मथुरा से बरामद कर लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग अनवरपुर द्वारा SIMS ऑडिटोरियम में अन्तर्राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य प्रो. डा. आर मनोहरी ने की एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतुल गुप्ता सीएसआर लीड, नाइन एवं अनुपमा गुप्ता पीआर लीड, नाइन उपस्थित रहे। उनके द्वारा उपस्थित सभी को सम्बोधित करते हुऐ बताया कि उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों, विशेष रूप से यौन और प्रजनन स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। नाइन प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं और लड़कियों के लिए सुलभ, सस्ती और न्यायसंगत स्वास्थ्य देखभाल के महत्व पर जोर दिया गया और स्वास्थ्य नीतियों में लैंगिक समानता की जानकारी दी गई।

यमुना एक्सप्रेस–वे से वृंदावन बन रहे फोर लेन मार्ग, पानी भरा मिला

मथुरा। मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना द्वारा बुधवार को जनपद में यमुना एक्सप्रेस–वे से वृन्दावन (पागल बाबा मन्दिर) तक (अन्य जिला मार्ग) 04 लेन मार्ग के निर्माण का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय श्री मीना को यमुना पर बने ब्रिज के आवागमन मार्ग जो कि लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित कराया गया है। उस पर पानी की पाइप लाइन टूटे जाने के कारण पानी भरा पाया गया।

सीडीओ ने पानी की टूटी हुई पाइप लाइन को सही कराने के निर्देश अधिशासी अभियन्ता, जल निगम ग्रामीण को दिए। साथ ही अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया वह अधिशासी अभियन्ता जल निगम शहरी से समन्वय कर टूटी हुई पाइप लाइन को तत्काल सही कराकर सड़क की मरम्मत कराई जाए। जिससे इस मार्ग से वृन्दावन आने–जाने वाले यात्रियोंध्आम जनमानस को किसी भी प्रकार का अवरोध आवागमन में न हो। उनके साथ पीड्ब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता, जल निगम ग्रामीण के अधिशासी अभियंता उपस्थित थे।

बलदेव में 22 घंटे से बिजली गुल एसई और चीफ इंजीनियर मौन

शाह टाइम्स संवाददाता

बलदेव। बलदेव कस्बे में विद्युत सिस्टम का हाल बेहाल है। विद्युत शिकायतों का निस्तारण करने वाला यहां न कोई कर्मचारी है और न ही अधिकारी।पिछले 22 घंटे से बलदेव की विद्युत व्यवस्था ठप पडी हुई है। बीती पूरी रात्रि बिजली नहीं मिलने से स्थानीय नागरिकों का हाल बेहाल है। जिससे विद्युत विभाग के प्रति नागरिकों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। बलदेववासियों का सब्र का बांध टूटने के कगार पर है। लोग कह रहे हैं कि बलदेव की विद्युत व्यवस्था बिल्कुल कबाड़ हो चुकी है। जिसमें सुधार की जरूरत है। बावजूद इसके न एसई देख रहे और न ही चीफ इंजीनियर। सभी मौन हैं। ऐसे स्थिति में ऐसा नजर आता है कि बलदेव से यही अधिकारी आखिर सौतेला व्यवहार कर क्यों रहे हैं। पिछले दो वर्ष से बलदेव की विद्युत व्यवस्था ऐसी हो गई है जैसे वर्ष 2017 से पहले थी। अब यह व्यवस्था बीते दो वर्षों में कैसे अव्यवस्था में बदल गई। इस बारे में जिले के विद्युत उच्चाधिकारी जानें। लोगों का कहना है कि पिछले दो वर्षों में न तो एसई देहात इधर आकर देख और न ही तत्कालीन चीफ इंजीनियर तथा वर्तमान चीफ ने भी इस ओर ध्यान देने की कोई पेशकश की। स्थानीय नागरिक सुजीत वर्मा कहते हैं कि ऐसा नहीं है कि पिछले दो वर्षों में अधिकारियों को बलदेव की कबाड़ विद्युत व्यवस्था के बारे में अवगत न कराया गया हो। कम से कम सैकड़ों बार प्रतिमाह अवगत कराया गया, लेकिन अधिकारी जो ठहरे जो ध्यान देना उचित ही नहीं समझते। अधिकारी सिर्फ यही समझते हैं कि जनता है कि चिल्लाती रहेगी। मुख्य अभियंता राजीव गर्ग ने बताया कि बलदेव में कई घंटे से लाइट न आने के संबंध में जानकारी की जा रही है। संबंधित को निर्देशित कर दिया गया है। एसई देहात विजय मोहन खेडा ने बताया कि सहयोगी विद्युत कार्य में जुटे हुए हैं। बलदेव की सप्लाई जल्द सुचारू होगी।

यातायात पुलिस ने हटवाई वाहनों पर लगी काली फिल्म व स्टीकर

शाह टाइम्स संवाददाता
हापुड़। जिला ट्रैफिक पुलिस की ओर से वाहनों पर लगी काली फिल्म हटाने को लेकर शहर में वाहन चालकों पर शिकंजा कसना आरंभ कर दिया गया है। ऐसे में पुलिस द्वारा गाड़ियों पर लगी काली फिल्म हटाने समेत उनके चालान काटे गए हैं।

यातायात पुलिस ने दिल्ली रोड स्थित गांव अच्छेजा के पास एक बुलेरो गाड़ी को पकड़ा, जिस पर फर्जी रूप से उत्तर प्रदेश सरकारश लिखा था और शीशों पर काली फिल्म चढ़ी थी। यातायात नियमों के उल्लंघन के चलते गाड़ी का 19 हजार 500 रुपये का चालान किया गया। जानकारी के अनुसार यातायात प्रभारी छवि राम दिल्ली रोड पर गश्त कर रहे थे। तभी उनकी नजर एक बलेरो गाड़ी पर पड़ी। गाड़ी के शीशों पर काली फिल्म और उस पर उत्तर प्रदेश सरकार लिखा देखकर उन्होंने तुरंत जांच शुरू की। जांच में पता चला कि यह गाड़ी किसी सरकारी अधिकारी की नहीं थी और उत्तर प्रदेश सरकार का लोगो कार पर फर्जी तरीके से लिखा गया था। यातायात पुलिस की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गाड़ी के शीशों से काली फिल्म हटाई और चालान जारी किया। यातायात प्रभारी छविराम ने बताया कि सरकारी गाड़ियों में बुलेरो का उपयोग आम है, जिसका फायदा उठाकर कुछ लोग अपनी निजी गाड़ियों पर फर्जी तरीके से उत्तर प्रदेश सरकार लिखवाकर नियमों का दुरुपयोग करते हैं। ऐसी गाड़ियां न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन करती हैं, बल्कि आम जनता के बीच भ्रम भी पैदा करती हैं। काली फिल्म का उपयोग भी मोटर वाहन अधिनियम के तहत प्रतिबंधित है। उन्होंने बताया कि नियमों का उलंघन करने वाली बुलेरो गाड़ी का 19 हजार 500 रुपये का चालान किया गया है। यातायात नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

9 वर्षीय छात्र से अध्यापक ने की हैवानियत, पुलिस ने भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। यूकेजी की छात्रा से हैबानियत करने वाले कलयुगी टीचर को पुलिस ने जेल भेज दिया है। कोचिंग पढ़ाने के बहाने यूकेजी की मासूम छात्रा के साथ शिक्षक ने छेड़छाड़ की थी। विरोध करने पर उसकी पिटाई लगाई थी। शिकायत करने पर हत्या करने की धमकी दी थी। गुमसुम रहने के बाद बच्ची के घटना बताने पर पिता ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। नगर के मोहल्ले के रहने वाले युवक की 9 साल साल की पुत्री नगर के स्कूल में यूकेजी की छात्रा तीन–चार माह से मोहल्ले के ही शाहरुख पुत्र शेर मोहम्मद के घर ट्यूशन पढ़ने जाती थी। तीन दिन से वह काफी डरी सहमी हुई थी। 19 मई को मासूम ने कोचिंग जाने से मना कर दिया था। मां के पूछने पर छात्रा ने शिक्षक की करतूत के बारे में बताया था। उसने कहा टीचर पढ़ाने के बहाने उसके साथ गंदी हरकतें कर छेड़छाड़ करते हैं। गलत नीयत से शरीर पर हाथ लगाता है। मना करने पर मारपीट करता है। किसी को बताने पर मारने की धमकी देता है पिता ने बताया घटना से उनकी बेटी काफी सहमी हुई थी।

27 मई को बरेली कमिश्नरी पर होगी भाकियू की महापंचायत

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की मासिक पंचायत बुधवार को मंडी समिति किसान विश्रामगृह पीलीभीत में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा ने की जबकि संचालन जिला महामंत्री नेमचंद वर्मा ने किया। पंचायत में तहसीलों में बढ़ते भ्रष्टाचार, किसानों के खतौनी में गड़बड़ी, राजस्व विभाग की वसूली, बाघ और आवारा पशुओं के हमलों, बकाया गन्ना भुगतान और पुलिसिया शोषण जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा ने कहा कि तहसीलों में सहखातेदारों के अंशों में बिना जानकारी भारी फेरबदल किया जा रहा है, जिससे किसान परेशान हैं और उन्हें संशोधन के नाम पर रिश्वतखोरी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने स्पष्ट किया कि अब किसान उत्पीड़न को किसी भी हालत में सहन नहीं किया जाएगा और अगर सुधार नहीं हुआ तो अधिकारी–कर्मचारियों का घेराव किया जाएगा। बैठक में तय किया गया कि 27 मई को बरेली कमिश्नरी पर होने वाली महापंचायत में जनपद से भारी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाग लेंगे। बरेली मंडल अध्यक्ष सतविंदर सिंह काहलों ने कहा कि अधिकारी अपनी कार्यशैली में सुधार लाएं, वरना भाकियू सड़क से सदन तक आंदोलन करने को बाध्य होगा। बैठक में प्रदेश सचिव स्वराज सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष नागेंद्र सिंह, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्यारेलाल वर्मा, मीडिया प्रभारी गुरजीत सिंह, युवा जिला अध्यक्ष गुरदीप सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नकली व नशीली दवाइयों के खिलाफ कार्रवाई, 4 गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

पिलखुवा। कोतवाली पुलिस ओर खाद्य सुरक्षा औषधि विभाग की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी कर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से एक्सपायर अल्बुमीन इंजेक्शन, ट्रामाडोल इंजेक्शन व गोलियां, एल्प्राजोल्म, पेंटाजोकिन इंजेक्शन, मेपहेंटरमिन इंजेक्शन और फेवीपिराविर गोलियां बरामद हुईं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक पटनीश कुमार के अनुसार नकली और नशीली दवाओं की बिक्री की सूचना मिलने पर यह कार्रवाई की गई। टीम ने पबला रोड स्थित आलिया मेडिकल स्टोर, गोपाल मेडिकल स्टोर और पिलर नंबर 141 पर स्थित आलिया मेडिकल स्टोर की जांच की। गिरफ्तार आरो. पियों में मोहल्ला रमपुरा निवासी गोपाल, गांव देहपा निवासी इमरान सैफी, गांव सिखेड़ा निवासी कादिर और गाजियाबाद के थाना मसूरी निवासी चांद शामिल हैं।

सड़क पर अतिक्रमणकारियों ने किया कब्जा

हापुड़। नगर कोतवाली क्षेत्र के अतरपुरा चौराहे पर सड़क पर फैले अवैध अतिक्रमण को हटाने की नगर पालिका के अधिकारियों से शिकायत की गई है। जानकारी के अनुसार नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को शिकायती पत्र देकर अतरपुरा चौराहे पर दुकान लगाकर अवैध रूप से अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाने की मांग की है। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में शिकायतकर्ता

संजय ने बताया कि नगर कोतवाली क्षेत्र के अतरपुरा चौराहे पर अतिक्रमणकारियो कार्यो द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया है। जिस कारण वहां से गुजरने वाले वाहनों के आवगमन में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। आए दिन जाम के हालात बने रहते हैं और नगर में आने वाले नागरिकों को जाम में घंटों घंटों तक फसकर काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा जाम लगने से प्रतिदिन छोटी बड़ी दुर्घटनाएं घटित होती रहती हैं।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं मौहल्ला सुफी टोला शाहजहांपुर रोड़ बरेली, उप्र।
सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0581–2562222 (बरेली)
मुख्यालयः
मोबाइल–9720007290
R.N.I. No UPHIN/2003/11165
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आंधी से गायब बिजली-पानी, चौपट हुई बागवानी

जिले के फलपट्टी क्षेत्र में हुआ भारी नुकसान

शाह टाइम्स संवाददाता

किठौर। मौसम के मिजाज ने चौतरफा दिक्कतें पैदा कर दीं। आंधी तूफान में गिरे पेड़ों, खंभों से जहां यातायात और विद्युत आपूर्ति बाधित हुई वहीं फलपट्टी क्षेत्र किठौर, शाहजहांपुर में बागवानी को भारी नुकसान पहुंचा है। हालात ये हैं कि इस बार खास को भी आम मिलना दूभर दिख रहा है।

बुधवार शाम मौसम का मिजाज यकायक बदल गया। आसमान में छाए बदलों के साथ देरशाम चले आंधी तूफान ने मेरठ-गढ़, हापुड़ किठौर और किठौर-मवाना मार्गों के

अलावा देहात के संपर्क मार्गों पर पेड़ों और बिजली खंभों को धराशायी कर दिया। जिससे यातायात तो अवरुद्ध हुआ ही विद्युत आपूर्ति भी पूरी तरह ठप रही। जिससे पानी, प्रकाश, हवा और संचार की समस्या खड़ी हो गई। गुरुवार को दिनभर मेहनत के बाद विद्युत कर्मी शाम 5 बजे आपूर्ति सुचारू कर पाए। इस वर्ष मौसम की मार झेल रहे जिले के फलपट्टी क्षेत्र किठौर, शाहजहांपुर को आंधी तूफान से भारी नुकसान हुआ है।

जलवायु परिवर्तन ने आम के उत्पादन को बहुत प्रभावित किया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक फरवरी में तापमान 15 डिग्री

सेल्सियस के पार जाता था। जिससे आम सहित तमाम बागवानी पर समय से पर्याप्त बहार आ जाती थी। लेकिन इस वर्ष तापमान बहुत कम रहा। जिससे बागवानी पर नाकाफी बहार आई। इसमें भी अप्रैल में आई आंधी ने आम की फसल को काफी नुकसान पहुंचाया। बागवान नासिर ने बताया कि दशहरी, लंगड़ा, चौंसा और गुलाब जामुन का उत्पादन बहुत कम है। रही कसर आंधी तूफान पूरी कर दे रहे हैं। बुधवार को आई आंधी ने बाग. वानी को चौपट कर दिया। बागों में आम के ढेर लग गए। खास बात ये है कि आंधी में गिरे इस आम का खरीदार कोई नही। जहां तक पके हुए आम का सवाल है वह तो इस बार खास को भी न के बराबर ही मिल पाएगा।

आयुक्त ने इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट प्लान को लेकर की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। आयुक्त सभागार में आयुक्त मेरठ हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में इंटीग्रेटेड डेवलपमेन्ट प्लान के संबंध में संबंधित विभागो के अधिकारियो के साथ बैठक आहूत की गई। बैठक में आयुक्त द्वारा विभिन्न विभागो को मेरठ के समग्र विकास हेतु दायित्वो का निर्धारण किया गया। आयुक्त द्वारा सार्वजनिक स्थल के सौन्दर्यीकरण के अंतर्गत कमिश्नरी पार्क, कांशीराम पार्क, गांधी पार्क, लोहिया पार्क, सूरजकुंड पार्क एवं अन्य पार्को का सौन्दर्यीकरण, विक्टोरिया पार्क ग्राउंड में फूड स्ट्रीट, नौचंदी मेले का सुधार, मेरठ मंडपम विकास योजना, आबूलेन रोड का सौन्दर्यीकरण पर चर्चा की गई। साथ ही अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिये गये।

दरोगा ने चाय वाले पर खोलता दूध फेंका

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। थाना रेलवे रोड इलाके में मकबरा डिग्गी मोहल्ले में एक चाय विक्रेता पर दरोगा ने खोलता हुआ दूध फेंक दिया। पीड़ित का आरोप है कि यह कृत्य थाना रेलवे रोड के चौकी इंचार्ज नेपाल सिंह ने किया है। पीड़ित युवक का कहना है कि वो इलाके में चाय की दुकान चलाता है। आरोप है कि चौकी इंचार्ज उससे बिना वजह परेशान करता है।

ग्राहकों की कुर्सियों को फेंक देता है और चेकिंग के नाम और उसका उत्पीड़न करता है। आरोप है कि मुफ्त चाय मांगते हैं चाय के पैसे मांगने पर दरोगा ने उसके ऊपर खोलता दूध फेंक दिया। पीड़ित के शरीर पर गंभीर जलन के निशान हैं। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहीं इस घटना से क्षेत्र में गहरा रोष है। लोगों का कहना है कि पुलिस लगातार चाय वाले को परेशान कर रही थी।

आंधी-तूफान के कहर से किसान परेशान

शहर में भी होर्डिंग और पेड़ गिरने से लोगों को आने-जाने में हुई परेशानी

शाह टाइम्स संवाददाता

किठौर/मेरठ। बुधवार शाम तेज आंधी-बारिश कहर बनकर आई जिससे सैकड़ो पेड़ धराशायी हो गए सड़क यातायात भी बाधित हो गया किसानों की हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई है। वहीं शहर में भी गुरुवार को सड़कों पर पड़े पेड़ व होर्डिंग से लोगों को आने जाने में दिक्कत का सामना करना पड़ा।

बीती रात्रि तेज आंधी तूफान के कारण पूरे क्षेत्र में किसानों को भारी नुकसान रोड पर पेड़ बिजली के पोल उखाड़कर गिर जाने के कारण कई रोड बाधित हो गये। इस तूफान से किसानों को जहां भारी नुकसान हुआ है वहीं आम जनता को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा है। किसानों के चेहरे मुरझाए हुए हैं तो कई जगह पर बिजली के पोल गिरने से रोड बंद हो गए तथा 24 घंटे बीत जाने के बाद बिजली सुचारू रूप से चालू नहीं हो पाई जिस की खास तौर से ग्रामीण क्षेत्र में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत विभाग की टीम एवं ग्रामीण रात से ही रोड पर गिरे हुए पेड़ों को उठाने में लगे हुए हैं लेकिन बावजूद इसके अभी तक पूरी तरह से ग्रामीण क्षेत्र के रोडो को खाली नहीं कर पाए हैं। आम के बागों में भारी नुकसान देखने को मिल रहा

हुआ है जल्द से जल्द किसान हित में सरकार फैसला ले तथा जिन किसानों पर कर्ज है उसकी भी माफी का ऐलान करें जिससे की किसान उबर सके। उन्होंने कहा कि किसान पहले से ही महंगाई की मार झेल रहा है। अब इस तुफान ने किसान को तोड़कर रख दिया है। बताते चलें कि बीती रात आंधी तूफान के साथ बारिश और कई जगह पर ओलावृष्टि भी हुई है जिस कारण किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है।

भाकियू आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लिखा सीएम को पत्र

भारतीय किसान यूनियन आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश कुमार यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर किसान हित में जल्द से जल्द किसानों को आर्थिक मदद की बात कही है उनका कहना है की इस कुदरती तूफान के कारण किसानों को भारी नुकसान

जानी में पेट्रोल पंप की छत के परखच्चे उड़े

शाह टाइम्स संवाददाता

जानी खुर्द। बुधवार देर शाम आई आंधी बारिश से जानी क्षेत्र में तबाही हो गई। गांव रसूलपुर धौलडी में सबसे ज्यादा आम की फसल और ट्रांसफार्मर पेट्रोल पंप सहित काफी नुकसान हुआ है। वही गांव नानू फतेहपुर मीरपुर जखेडा खानपुर अन्य कई गांव अंधेरे में डूब गए। रसूलपुर धौलडी में बस स्टैंड पर पेट्रोल पंप की छत के परखच्चे उड़ गए और कई जगह ट्रांसफार्मर के खंबे टूट गए। मोदीनगर रसुलपुर धौलडी मार्ग पर कई बड़े पेड़ उखड़ कर गिरने से ग्रामीणों को मुश्किलों का सामना करना पड़। ग्रामीणों का कहना है की आम की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई। गांव में हालात इतने बुरे हैं कि शायद कई दिन दिन अंधेरे में रहना पड़ेगा।

मेरठ में पंजाब एण्ड सिंध बैंक को मिला नराकास द्वितीय शील्ड पुरस्कार

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। पंजाब एण्ड सिंध बैंक को भारत सरकार की राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन एवं कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए नराकास बैंक एवं बीमा, मेरठ के सदस्य कार्यालय पंजाब एण्ड सिंध बैंक की मुख्य शाखा-बेगम ब्रिज, मेरठ को शाखा कार्यालय संवर्ग में द्वितीय शील्ड पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नराकास अध्यक्ष-केनरा बैंक के उप महाप्रबंधक वेंकट रामालुलु, पंजाब नैशनल बैंक के महाप्रबंधक कुलदीप सिंह राणा, बैंक ऑफ इंडिया के उपमहाप्रबंधक, सेंट्रल बैंक के सहायक महा प्रबंधक सहित कई

बैंकों के सम्मानित स्टाफ उपस्थित थे। भारत सरकार गृह मंत्रालय उत्तर क्षेत्र-2 के उप निदेशक छबिल कुमार मेहेर ने बेगम ब्रिज के मुख्य प्रबंधक बी.के. गौतम को नराकास शील्ड एवं राजभाषा अधिकारी शिवशरण कुमार शिव को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए पंजाब एण्ड सिंध बैंक को राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने की सराहना तथा उनकी स्वर्णिम भविष्य की कामना की।बैंक को द्वितीय शील्ड पुरस्कार मिलने पर आंचलिक प्रबंधक महेश सभरवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए मेरठ के सभी शाखा प्रभारियों तथा सभी स्टाफ सदस्यों सहित राजभाषा अधिकारी को बधाईयां दी तथा राजभाषा में और बेहतर कार्य करने की शुभकामनाएं दी। नराकास सचिव मनोज कुमार भी पंजाब एण्ड सिंध बैंक के राजभाषा में बेहतर कार्यनिष्पादन के लिए बधाइयां दी। राजभाषा अधिकारी शिवशरण कुमार शिव ने शील्ड पुरस्कार मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे राजभाषा विभाग के लिए एक बेहतर कदम बताया तथा पंकज कुमार, संजीव कुमार सहित मेरठ के सभी शाखाओं के स्टाफ सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। थाना लोहिया नगर में बिजली बंबा बाईपास के पास दो युवक नहाकर लौट रहे थे जिसमें एक युवक की मौके पर मौत हो गई जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को संतोष हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। दोनों युवक थाना मेडिकल क्षेत्र के शेर गढ़ी के रहने वाले हैं। सीएनजी पंप के सामने स्पलेंडर बाइक नंबर यूपी 15 डीजेड 7371 पर सवार शेरगढ़ी निवासी आकाश की ट्रक के नीचे कुचल जाने से मौत हो गई, जबकि रौनक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना दोपहर लगभग 2:30 बजे हुई। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

न्यू नेशनल स्कूल में हुआ एनुअल फंक्शन का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

लावड़। कस्बे में स्थित न्यू नेशनल पब्लिक स्कूल में गुरुवार को एनुअल फंक्शन का आयोजन किया गया। जिसमें कस्बे के साथ-साथ क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान नर्सरी से कक्षा 5 तक के बच्चों को परीक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने पर उनकी हौसला अफजाई करते हुए सम्मानित किया गया।

इस दौरान शहजाद सिद्दीकी व मुख्य अतिथियों ने बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान स्कूल के प्रधानाचार्य शादमान सिद्दीकी, मैनेजर हाजी इमरान, व नईम,

फरहा, हया रिजवी, नायला, नगमा, आयशा, इल्मा, फरहत, कशफ, निदा, लवी, किरण, प्रिया सहित समस्त स्कूल स्टाफ के साथ साथ चेयरपर्सन पति हाजी शकील कुरैशी, मोहन सैनी, पूर्व चेयरपर्सन पति मो. हारून, शहजाद सिद्दीकी, राजकुमार देदवा, जीशान अंसारी, नईम कुरैशी आदि काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कृषि विवि में मनाया गया जैव विविधता दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी कॉलेज में गुरुवार को जैव विविधता दिवस मनाया गया। आज के दिन प्राकृतिक व पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में जैव विविधता का महत्व देखते हुए इस दिवस को विशेष रूप से मनाया जाता है। इस अवसर पर बोलते हुए अधिष्ठाता बायोटेक्नोलॉजी डॉक्टर रविंद्र कुमार ने कहा कि जैव विविधता को बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा प्रत्येक छात्र-छात्रा के द्वारा जैव विविधता को बनाए रखना की शपथ लेनी चाहिए और समाज के अन्य लोगों को जैव विविधता के संरक्षण के लिए प्रेरित करना चाहिए।

निदेशक ट्रेंनिंग प्लेसमेंट प्रोफेसर आर.एस. सेंगर ने संबोधित करते हुए कहा कि जैव विविधता मैं पृथ्वी की सभी प्रकार के जीवन की

किस्म अर्थात स्थलीय समुद्री और जलीय परिस्थितिकीय तंत्र शामिल है। हमारी महान विश्व परंपरा तथा समृद्धि संस्कृत के कारण 25 प्रतिशत भू क्षेत्र तथा लगभग 15 प्रतिशत जनसंख्या होने पर भी हमारा देश लगभग 7.5 प्रतिशत प्रजातियों का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्व के 17 मेगा डाइवर्सिटी वाले देशों में शामिल है। प्रोफेसर पंकज चौहान ने कहा की जैव विविधता सिर्फ जीव जंतुओं पेड़ पौधों या सुखजीवों की संख्या मात्र न होकर परस्पर निर्भरता हुआ जीवन का प्रतीक है। प्रकृति में विद्यमान प्राणी व पादप प्रजातियां एक दूसरे पर परस्पर निर्भर हैं तथा हमारी सावधानी से किसी एक प्रजाति के विलुप्त हो जाने पर अन्य बहुत सी प्रजातियां का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है इसलिए हम लोगों को जैव विविधता को बचाए रखने के लिए प्रयास करना होगा।

शोभित विवि में अंतराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। शोभित विश्वविद्यालय मेरठ एवं जिला गंगा समिति मेरठ ने अंतराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस मनाया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य जैव विविधता के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाना और सतत विकास के लिए जैव विविधता के महत्व को समझाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एसडीएम सदर अंकित कुमार के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने जैव विविधता के संरक्षण की आवश्यकता और वर्तमान संकट पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता वर्ल्ड वाइड लाइफ फंड हस्तिनापुर डॉ. हरिमोहन मीणा ने घड़ियाल संरक्षण, डॉल्फिन संरक्षण एवं कछुआ संरक्षण पर विस्तारपूर्ण चर्चा की। शतुषार गुप्ता, डिपिओ (जिला परियोजना अधिकारी) नमामि गंगे ने कहा कि

हर प्राणी का एक विशेष स्थान है और हमें उन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद कुमार त्यागी ने जैव विविधता के संरक्षण पर जोर देते हुए बताया कि यह यूनाइटेड नेशन द्वारा निर्धारित सतत विकास की प्राप्ति के लिए अति आवश्यक है। कार्यक्रम की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए प्रतिकुलपति प्रो. जयानंद ने जैव विविधता पर प्रकाश डाला और बताया कि यह पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण है। डायरेक्टर लॉ प्रो. प्रमोद कुमार गोयल ने विभिन्न पर्यावरण कानूनों के बारे मे विचार साझा किए जो जैव विविधता के संरक्षण से जुड़ा है। कार्यक्रम के अंत में सभी को जैव विविधता संरक्षण की शपथ दिलाई गई। जैव विविधता संरक्षण की शपथ इस कार्यक्रम को स्फल बनाने में डॉ. दिव्या प्रकाश, डायरेक्टर स्कूल का बॉयो टेक्नालाजी एवं लाइफ साइंस, डॉ. मोनिका चौधरी, रुपेश कुमार, मानसी सैनी, डॉ. नेहा रानी, डॉ. गार्गी चौधरी का विशेष योगदान रहा।

कांग्रेस ने की समीक्षा बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। मेरठ कैंट स्थित 22 बी रिसॉर्ट में महानगर कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर कांग्रेस अध्यक्ष रंजन शर्मा ने की जबकि संचालन पूर्व जिलाध्यक्ष अवनीश काजला द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मेरठ जनपद के समन्वयक विशाल वशिष्ठ विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश पदाधिकारी, पूर्व जिलाध्यक्ष, पूर्व महानगर अध्यक्ष, फ्रंटल संगठनों तथा विभागों के पूर्व अध्यक्षगण विशेष रूप से आमंत्रित किए गए थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी तीन महीनों के भीतर महानगर कांग्रेस कमेटी के संगठन का निर्माण बूथ स्तर तक किया जाएगा। इस कार्य के लिए वरिष्ठ नेताओं को मंडलवार जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।

मेडिकल कॉलेज के शरीर रचना विभाग में मॉडल एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। मेडिकल कॉलेज मेरठ के प्राचार्य डॉ. आर.सी. गुप्ता के नेतृत्व में छात्रहित व जनहित में नित नये-नये ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित किए जाते है। इसी क्रम में गुरुवार को लाला लाजपत राय स्मारक मेडिकल कॉलेज के शरीर रचना विभाग द्वारा मॉडल एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन परिसर में स्थित बहूउद्देशीय हॉल में किया गया। प्रतियोगिता का नाम "foetal forum and Rangatomy" रखा गया। प्रतियोगिता का आयोजन विभागाध्यक्ष, डॉ. प्रीति सिन्हा एवं सह आचार्या, डॉ. अंतिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, कलात्मकता तथा विषय संबंधी समझ

को बढ़ावा देना था। इस प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष (2024 बैच) के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर पूरे उत्साह के साथ शत प्रतिशत विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के अंत में सभी विजेताओं को प्राचार्य द्वारा पुरुस्कृत किया गया और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिये गये। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लाला लाजपत राय स्मारक मेडिकल संस्थान, मेरठ के प्रधानाचार्य डॉ. आर.सी. गुप्ता, डॉ. शिल्पी जैन, विभागाध्यक्ष, शरीर रचना विभाग, सुभारती मेडिकल कॉलेज, मेरठ, सरदार वल्लभ भाई पटेल अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक, डॉ. धीरज राज बालियान, लाला लाजपत राय स्मारक मेडिकल कॉलेज मेरठ के शल्य चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ. गौरव गुप्ता एवं बाल रोग विभाग की विभागाध्यक्ष, डॉ. अनुपमा वर्मा उपस्थित रहे एवं बच्चों के कार्य का मूल्यांकन कर उनका प्रोत्साहन किया। उपरोक्त कार्यक्रम में डॉ. ललिता चौधरी, डॉ. अंशु टंडन, डॉ. मेघा कुलश्रेष्टा, डॉ. डॉली समेत समस्त पीजी रेजिडेंट्स, कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे। इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम हेतु प्राचार्य ने शरीर रचना विभाग को शुभकामनाएँ दीं।

डीएम पब्लिक स्कूल में मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

परीक्षितगढ़। नगर के डीएम पब्लिक स्कूल में सत्र 2024-25 कक्षा 10 तथा कक्षा 12 में 85 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मेजर ध्यान चंद खेल विश्वविद्यालय के प्रथम कुल. पति मेजर जनरल रिटायर्ड दीप अहलावत रहे। विद्यालय निदेशक रविंद्र चौधरी व भागेश्वरी चौधरी, प्रधानाचार्य विनोद सिंह प्रबंधक श्याम सिंह व समस्त स्टाफ एवं बच्चों ने बड़ी गर्म जोशी से दीप अहलावत का अभिनंदन, स्वागत किया। वहीं मुख्य अतिथि दीप अहलावत द्वारा सम्मानित हुए छात्र छात्राओं में कक्षा 12 से अर्णव चौधरी मेरठ, दक्ष यादव अगवानपुर, अक्षरा शर्मा अगवानपुर, कुशाग्र भाटी सौंपरी, अजस्वी सिंह बढ़ला, सृष्टि शर्मा, उज्ज्वल सैनी माछरा, इश्फा अख्तर किला, मधु त्यागी किला, कंगना दबथला, दीप्ति गिल बढ़ला रहे। कक्षा 10 से निशांत त्यागी माछरा, तनिष्क त्यागी किला, अनुष्का पसवाड़ा, विदिती त्यागी किला, सूर्यांश त्यागी किला, मो अज़र सठला, अर्शी परवीन ललियाना, वंश त्यागी सिंहपुर, विधि त्यागी किला, अवनी किला रहे। तथा प्री स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप प्रयागराज में स्वर्ण पदक लेकर

लौटी नव्या यादव, और ताज कबड्डी प्रतियोगिता में चयन हुए हिमांशु वर्मा को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक रविन्द्र चौधरी ने मुख्य अतिथि दीप अहलावत की उपलब्धियां बच्चों को बताई और कहा कि भविष्य की योजनाएं बनाकर के कैसे आगे बढ़ा जा सकता है। जितेन्द्र चौधरी ने कहा कि अच्छे नंबर लाकर अति उत्साहित व कम नंबर आने पर ज्यादा परेशान नहीं होना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मेजर जनरल दीप अहलावत ने बच्चो को प्रेरित किया कि विद्यार्थियों का मुख्य काम पढ़ाई करना है। लेकिन देश की सामाजिक, आर्थिक, परिस्थितियों को जानना समझना और बदलाव जरूरी है। आपके गणित के अंक आपके जीवन के अंक निर्धारित नहीं करते। आपका अनुशासन, आपकी अपने लक्ष्य के प्रति सजगता होनी चाहिए, बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ खेलों पर भी मेहनत करने के लिए कहा। इस अवसर पर दीपा त्यागी, अंकुश प्रधान, आभाष चौधरी, पुष्कर मणी, बब्बू सिंह, नितिन मलिक, सरिता गोदारा, मनोज शर्मा सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

आंधी तूफान से आम की फसल को भारी नुकसान

तूफान के चलते जगह-जगह उखड़े पेड़ व खम्बें गिरे, आकाशीय बिजली से फुंके हजारों उपकरण

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। आंधी और तूफान के चलते आम की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। तूफान के चलते 50 प्रतिशत आम की फसल टूटकर गिर गयी है। वही जगह जगह पेड़ उखड़ गये। इसके अलावा आकासीय बिजली गिरने से हजारों के उपकरण भी फुक गये है।

बुधवार शाम आंधी तूफान और बारिश के चलते भारी नुकसान हुआ है। रटौल में जहा आम बागानों को भारी नुकसान पहुंचा है। रटौल आम बागानों मे 50 प्रतिशत लगभग एक हजार कुंतल आम टूटकर गिर गया है जिससे आम बागान ठेकेदारों को भारी नुकसान का अनुमान है। आम बागान ठेकेदार शोकीन ने बताया कि तूफान के 50 प्रतिशत आम गिर गया है। इसके अलावा खासपुर चमरावल मार्ग, पांची मार्ग पर पेड़ टूटकर गिर गये। वही खासपुर मार्ग पर खम्बा भी टूटकर गिर गया। इसके अलावा सिंगोली तगा गांव मे पचास वर्ष पुराना नीम का पेड़ टूटकर गिरने से धवल सिंह पांच पशु दबकर घायल हो गये। वही वीरेन्द्र राजकुमार के घरो के पास 11 हजार की विघुत लाईन गिर गयी। इसके अलावा ढिकोली गांव के ग्राम प्रधान संदीप ढाका के मकान की छत पर रखी टंकी पर आक.ासीय बिजली गिरने से आस पडौस के उपकरण फुकनें से हजारों का नुकसान हुआ है।

जनपद में टॉप करने पर वंशिका व रिया को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

छपरौली। क्षेत्र में गाँव लूम्ब में स्थित केटी पब्लिक स्कूल द्वारा चलाये गए अभियान ग्रामीण प्रतिभा सम्मान सप्ताह के अंतर्गत सीबीएसई 12वीं में जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा वंशिका व रिया चौहान को सम्मानित किया गया। केटी पब्लिक स्कूल की 6 सदस्य टीम द्वारा एक सप्ताह तक यह अभियान चलाया जायेगा। स्कूल प्रबंधक एस के चौहान द्वारा सभी के स्वस्थ जीवन की मंगल कामना करते हुए बताया गया कि हमारा उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना है ताकि ये बच्चे दोगुने उत्साह के साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। ऐसे बच्चों के लिए स्कूल का समस्त परिवार हमेशा समर्पित है। केटी पब्लिक स्कूल द्वारा पहले भी इस तरह के कई आयाम स्थापित किये गए हैं। जैसे जरूरत मंद बच्चों की निरूशुल्क पढ़ाई, खेलकूद आदि में आर्थिक सहयोग आदि। इस मौके पर स्कूल प्रबंधक एस.के. चौहान, सुदेशपाल आर्य, राहुल भारद्वाज, पीटी आई सुभाष, खुशी चौहान, मो. निका भारद्वाज, अमित कुमार, भोपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

कैंटर की टक्कर से महिला की मौत, बेटा घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। बड़ौत बुढ़ाना मार्ग पर कैंटर की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई। उसका बेटा घायल हो गया। घटना कान्हड़ बिजलीघर के पास हुई।

गुराना रोड निवासी 62 वर्षीय कनिजा अपने बेटे नफीस के साथ शाहपुर में चिकित्सक से दवाई लेने जा रही थी। कान्हड़ बिजलीघर के पास पीछे से आ रही कैंटर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटे दोनों घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को टीकरी सीएचसी भेजा। वहां चिकित्सकों ने कनिजा को मृत घोषित कर दिया। नफीस को बड़ौत रेफर किया गया। कैंटर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। मृतक महिला के बड़े बेटे अनीस ने अज्ञात कैंटर चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर दोघट बच्चू सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है। फरार हुए कैंटर चालक को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

मृतका का फाइल फोटो

नीम का पेड़ टूटकर गिरने से एक गौवंश की मौत, भैंस घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। बुधवार की देर रात तक चली आंधी, बारिश ओलावृष्टि ने जबरदस्त कहर बरपाया। लोग अपने-अपने घरों में कैद हो गए। श्याम ढलते ही सड़क पर सन्नाटा छा गया। बडौत कोतवाली क्षेत्र के बाजिदपुर गांव में आंधी तूफान के चलते सतीश पुत्र बलबीर चौधरी के घर पर नीम का पेड़ टुटकर गिर जाने से एक गौवंश की मौत हो गई जबकि उसके पास में बंधी एक भैंस की हालत नाजुक हो गई। घायल भैंस का उपचार चल रहा है।

इस दौरान गांव के ग्रामीणों ने बड़ी मुश्किल से नीम का पेड़ हटाकर भैंस की जान बचाई। देर शाम से ही ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की बत्ती गुल हो गई। बिजली ना आने से ग्रामीण पानी को तरस गए जिन गांवों में सरकार द्वारा पानी की बड़ी टंकियां लगाई गई थी। उनमें एक बूंद भी पानी नहीं आ रहा है। सरकार द्वारा लगाई जा रही टंकियां में पानी नहीं आने के कारण गांव के लोग बूंद बूंद को तरस रहे हैं। आंधी तूफान के साथ बिजली गुल होने से ग्रामीणों में आस जगी थी कि गांव में लगी पानी की टंकियां से घरों में पानी मिल जाएगा। जागौश गांव शिव मंदिर में लगी पानी की टंकी लगभग 2 वर्ष से बनकर तैयार हो चुकी है जिसमें अभी भी एक बूंद पानी नहीं है। इसी के साथ-साथ कई गांव ऐसे हैं जिनमें पानी की टंकी दो-तीन साल से बनकर तैयार है और उनमें एक बूंद भी पानी नहीं है। गांव के लोगों ने पानी की टंकियां में पानी छुड़वाने की मांग जल विभाग से की है। ग्रामीण क्षेत्र पर लगे पॉल के खम्बो से मिटर भी टूट कर गिर गए हैं। बिजली के खम्बो से तार टूट कर जगह-जगह गिर गए हैं। घरों में लगे उपकरण भी हो गए काफी लोगों को विद्युत विभाग से भी नुकसान हुआ। बारिश के कारण गलियों में सड़कों पर जल भर गया। बिजली गुल होने से चारों तरफ अंधेरा ही अंधेरा छाया रहा। इस संबंध में जब विद्युत विभाग के अधिकारियों से वार्ता की गई तो विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आंधी तूफान के कारण बिजली विभाग को भी काफी नुकसान झेलना पड़ रहा है। सभी लाइनमैन ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सुचारू करने के लिए कार्य कर रहे हैं। शाम तक विद्युत आपूर्ति उसे जगह चालू कर दी जाएगी। कुछ जगह देर रात तक चालू हो जाएगी। लगभग 200 गांव की बिजली इस समय गुल हो गई है। जगह-जगह क्षेत्र में खंभे टूटे पड़े हैं। विद्युत विभाग के अधिकारी लाइनमैन कर्मचारी लाइनों पर कार्यरत है।

एक नजर

आकाशीय बिजली गिरने से भैंस की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। पिलाना और सिंघावली अहीर गांव में तेज तूफान के साथ आई बारिश के दौरान दो मकानों पर आकाशीय बिजली गिरी, जिससे एक भैंस की मौत तथा दोनों घरों के उपकरण फूंक गए।

गुरुवार को करीब साढे आठ बजे मिली जानकारी के अनुसार पिलाना गांव निवासी हरेंद्र और सिंघावली अहीर गांव निवासी बिन्दर के मकानों पर बुधवार की रात करीब आठ बजे आए तेज तूफान के साथ आई बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरी, जिससे एक भैंस की मौत तथा दोनों घरों के उपकरण फूंक गए। इस घटना से पीड़ितों का लाखों का नुकसान हो गया। उन्होंने डीएम से नुकसान की भरपाई करवाने की मांग की है।

मुस्लिम धोबी को भी अनुचित जाति में शामिल करने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। नगर की पट्टी चौधरान में सुनील कस्सार के आवास पर ऑल इंडिया जमीअतुल कस्सार रजि.की एक बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता चौधरी फरकुदीन ने की। बैठक का संचालन जिलाध्यक्ष कासिम शरीफ कस्सार ने किया।

इस दौरान बैठक को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया जमीअतुल कस्सार के राष्ट्रीय अध्यक्ष खुर्शीद आलम कस्सार ने कहा कि हिंदू धोबी की तरह मुस्लिम धोबी को भी अनुसूचित जाति में शामिल करना चाहिए तभी जाकर समाज का भला हो सकता है। मुस्लिम धोबी भी अपनी मेहनत करके देश में अपना कार्य कर रहा है। हम सब लोगों को एकजुट होकर मुस्लिम धोबी को भी अनुचित जाति में शामिल करने की मांग अब आंदोलन के जरिए भी करनी पड़ेगी तभी जाकर मुस्लिम धोबी समाज का पिछड़ापन दूर होगा। बैठक में सभी लोगों ने एकजुट होकर समाज को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समाज से आहवान किया कि मुस्लिम धोबी समाज के लोग एकजुट होकर कार्य करें। इस मौके पर जिला अध्यक्ष ऑल इंडिया जमीअतुल कस्सार के जिलाध्यक्ष बागपत कासिम शरीफ कस्सार ने कहा कि अब हम सब लोगों को एकजुट होने की आवश्यकता है तभी जाकर समाज उन्नति के मार्ग पर चलेगा। बैठक को प्रदेश अध्यक्ष चौधरी मेहरुद्दीन कस्सार ने भी संबोधित करते हुए समाज की एकजुटता पर बल दिया। इस मौके पर बैठक में वरिष्ठ समा. जसेवी समीम चौधरी सुनील चौधरी सुहेल चौधरी फरमान समीम राजू कस्सार मास्टर फर्फुद्दीन राशिद आदि मौजूद रहे।

भारतीय सेना ने बहनों के सिंदूर का लिया बदला:सत्यपाल

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। गुरुवार को चमरावल रोड़ पर स्थित भाजपा कार्यालय पर प्रेस वार्ता करते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के फैसले और हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी ने सुनिश्चित किया कि आतंकी ठिकानों को मलबे में बदल दिया जाए। पूर्व केन्द्रीय मंत्री, पूर्व सांसद सांसद डा.सत्यपाल सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले दुनिया कहती थी कि भारत एक नरम देश है। कोई भी कुछ भी करो, भारत कुछ करता ही नहीं है। 2014 के बाद मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर देश की आंतरिक सुरक्षा में एक बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी घटना बड़ी ही मार्मिक थी। लोगों से नाम, धर्म पूछकर मारा गया। उस घटना के वक्त स्थानीय मुस्लिम लोगों ने भी मदद की थी। घटना होने के बाद कश्मीर के लोगों ने भी इस घटना की निंदा की थी। पूरे देश के अन्दर पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोश पैदा हो गया था। सभी की मांग थी कि पाकिस्तान को सबक सिखाना चाहिए। उन्होंने कहा 6 व 7 मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमारी सेना आतंकवादियों के ठिकाने व उनके हेडक्वार्टरों पर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर ठिकानों पर बमबारी की। इसमें पाकिस्तान की सेना ने भी माना था कि उनके लोग मारे गए। कहा कि सेना ने बहनों के सिंदूर का बदला लिया। उन्होंने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा अगर देश पर कोई भी आतंकवादी हमला होता है तो हम मानेंगे कि हमारे ऊपर युद्ध कर दिया गया है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी व देश की तीनों सेना का अभिनंदन करते हुए ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान जिलाध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय, जिला महामंत्री बिजेंद्र शर्मा एडवोकेट, गन्ना समिति चेयरमैन प्रदीप ठाकुर, पूर्व विधायक लोकेश दिक्षित आदि मौजूद रहे।

चार युवक का सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो वायरल

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। भय बनाने के लिए गोना गांव के चार युवक का सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो वायरल हो रहे है। महिला ने एसपी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

चांदीनगर थाना क्षेत्र के गोना गांव निवासी महिला सुरेश ने एसपी कार्यालय पर शिकायत करते हुए बताया कि गांव में अपना भय बनाने के लिए चार युवक सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो वायरल कर रहे है। बताया कि युवकों पर लूट, हत्या का प्रयास, चोरी, मारपीट और धमकी संबंधित मुकदमे भी पंजीकृत है। पीड़िता ने एसपी से आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है।

आंधी तूफान से भारी तबाही, जिले में 350 बिजली के खंभे टूटकर गिरे

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। बुधवार देर शाम आई तेज आंधी और तूफान ने भारी तबाही मचाई है। जिले में 350 बिजली के खंभे गिर गए और 50 किलोमीटर की बिजली लाइन टूट गई। इस वजह से पूरे जिले में अंधेरा छा गया है।

विद्युत विभाग के एसई केपी खान और अधिशासी अभियंता द्वितीय नितिन जायसवाल ने बताया कि जिले के 82 विद्युत घरों में से केवल 20 में ही बिजली आपूर्ति सुचारु है। आसारा विद्युत घर पर आकाशीय बिजली गिरने से ट्रांसफॉर्मर जल गया है। पिछले 15 घंटों से जिले में बिजली आपूर्ति बाधित है। इससे पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। स्थिति को देखते हुए लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। अधिशासी अभियंता प्रथम बृजेश यादव अपनी टीम के साथ बिजली आपूर्ति बहाल करने में जुटे हैं। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आंधी-तूफान से विभाग को लगभग डेढ़ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बागपत में तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। तूफान के कारण कई स्थानों पर पेड़ गिर गए। विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से बाधित हो गई। बारिश के दौरान यातायात व्यवस्था भी प्रभावित रही। सड़कों पर वाहन धीमी गति से चलते नजर आए। कुछ वाहन चालकों ने हेडलाइट जलाकर यात्रा की। वहीं कई चाल. कों ने सड़क किनारे वाहन खड़े कर बारिश थमने का इंतजार किया। किसानों को इस मौसमी घटना से भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। स्थानीय निवासी विकास कुमार ने बताया कि ओलावृष्टि से मक्का, खीरा और अन्य फसलें बर्बाद हो गई हैं। हालांकि, स्थानीय लोगों को उमस भरी गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली है।

बाइक से डयूटी जाते समय आंधी-तूफान के दौरान सिपाही की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

बड़ौत। लुहारी गांव में तैनात सिपाही पुष्पेंद्र की बुधवार रात आंधी-तूफान के दौरान दर्दनाक मौत हो गई। पुष्पेंद्र बाइक से अपनी डयूटी स्थल अफजलगढ़ जा रहे थे। रास्ते में अचानक आई तेज आंधी और तूफान के कारण एक पेड़ टूटकर उनके सिर पर गिर गया। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुष्पेंद्र वर्ष 2011 बैच के सिपाही थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सिपाही की अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मच गया है।

मृतक का फाइल फोटो

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से श्रमिकों को जोड़ा जाए:डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में भट्टा एसोसिएशन तथा श्रमिक प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य श्रमिकों के हितों की रक्षा करना तथा उन्हें सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ दिलाना था।

गुरुवार को जिलाधिकारी ने श्रम विभाग को निर्देशित किया कि सभी श्रमिकों को नियमानुसार मानक मजदूरी प्रदान की जाए तथा उनके लिए नियमित रूप से जागरूकता एवं पंजीकरण शिविरों का आयोजन किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि श्रमिकों के साथ किसी प्रकार का अन्याय अथवा शोषण नहीं होना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी भट्टा स्थलों पर स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित कैंप लगाए जाएं, ताकि श्रमिक वर्ग उन योजनाओं से लाभान्वित हो सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि भट्टा स्वामियों को श्रमिकों की गरिमा का सम्मान करते हुए उनके हित में कार्य करना होगा तथा यह सुनिश्चित करना होगा कि श्रमिकों को उनकी मेहनत के अनुरूप पूरा पारिश्रमिक मिले। अपर जिलाधिकारी पंकज वर्मा ने कहा कि सभी भट्टओ की रेंडम चेकिंग कराई जाएगी। अगर श्रमिकों को मजदूरी कम मिल रही होगी तो ऐसे भट्टा स्वामियों पर कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकार हरीश भदोरिया अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. दीपा सिंह भट्टा एसोसिएशन अध्यक्ष विनोद गोयल, राणा सहित आदि उपस्थित रहे।

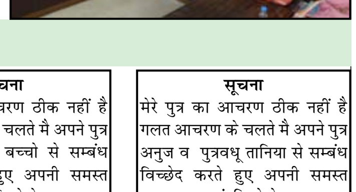

भारत की वीरांगनाओं ने हमारे देश और समाज को रखा सुरक्षित

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। भारतीय जनता पार्टी की ओर से पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत बृहस्पतिवार को जिला संगोष्ठी का आयोजन भाजपा जिला कार्यालय में किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ पंडित दीन दयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, भारत माता व रानी अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

जिला संगोष्ठी में मुख्य अतिथि भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री हरिश ठाकुर ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई होलकर का जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। कहा कि भाजपा उन सभी महात्माओं के प्रति कृतज्ञता व्यद्रक्त करती है, जिन्होंने समाज के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो। भारत की वीरांगनाओं ने हमारे देश और समाज को सुरक्षित रखा। उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन वर्तमान समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, सुशासन और जनस.ेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किए। उन्होंने बताया प्रधानमंत्री मोदी ने अहिल्याबाई से प्रेरणा लेकर सरकार चला रहे है। उन्होंने अहिल्याबाई होल्कर को धर्म, न्याय और राष्ट्र धर्म का सजीव स्वरूप बताया उन्होंने कहा कि केन्द्र और प्रदेश की सरकार ने बिना किसी भेदभाव के समाज हित में अनेकों योजनाएं चला रखी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होलकर का जीवन संघर्षपूर्ण होते हुए भी अत्यंत प्रेरणादायी रहा। उनके अनुकरणीय कार्यो और महान चरित्र के कारण उन्हें पुण्यश्लोक की उपाधि दी गई। उन्होंने बताया कि 21 से 31 जनवरी तक चलने वाले इस स्मृति अभियान के अंतर्गत स्कूलों व कक्लेजों में दौड़, पेंटिंग और वाद-विवाद जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

शिकायतों का तत्काल समाधान न होने पर दी आंदोलन की चेतवानी

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के कार्यकर्ताओं ने विद्युत विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने विभाग के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अधीक्षण अभियंता को एक ज्ञापन दिया।

भाकियू चढूनी के जिलाध्यक्ष सोनू बंसल ने कहा कि गांवों में विद्युत लाइनें पूरी तरह जर्जर हैं। मवीकला गांव की कुछ टयूबवेल अभी भी अमीनगर सराय फील्डर से जुड़ी हैं। इन्हें मवीकला फिल्टर से जोड़ा जाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि मतानतनगर के जंगल में 100 मीटर तक विद्युत लाइन जर्जर है। यहां खंभों के बीच एक नया खंभा स्थापित करने की आवश्यकता है। बार-बार होने वाली बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान हैं। किसान नेताओं ने मांग की है कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का तत्काल समाधान किया जाए। शासन के आदेश के अनुसार खेतों और घरों में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेता.वनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में कृष्ण पाल, हरपोषण, सोहन पाल, देवेंद्र, बृजपाल आदि किसान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सूचना

मेरे पुत्र का आचरण ठीक नहीं है गलत आचरण के चलते मै अपने पुत्र नीरज व उसके बच्चो से सम्बंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।
महावीर पुत्र रामसिंह निवासी ग्राम काठा थाना व जनपद बागपत।

सूचना

मेरे पुत्र का आचरण ठीक नहीं है गलत आचरण के चलते मै अपने पुत्र अनुज व पुत्रवधू तानिया से सम्बंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।
नरेन्द्र पुत्र गोपी निवासी ग्राम पुसार थाना दोघट जनपद बागपत।

संक्षिप्त खेल समाचार

साइफर्ट अस्थायी रिप्लेसमेंट के रूप में आरसीबी में शामिल

बेंगलुरु, वार्ता। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज टिम साइफर्ट को जैकब बेथेल की जगह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिये अपनी टीम में अस्थायी रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल किया है। आईपीएल की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि साइफर्ट 24 मई से चयन के लिए उपलब्ध होंगे। साइफर्ट अधिकतम 26 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ में होने वाले मैच के लिए आरसीबी दल से जुड़ सकते हैं। वह फिलहाल पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में कराची किंग्स के लिए खेल रहे हैं। साइफर्ट इससे पहले आईपीएल 2022 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए दो मैच और कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए 2021 में एक मैच खेल चुके हैं।

टाटेनहॅम हाटस्पर ने यूरोपा लीग का खिताब जीता

मैनचेस्टर, वार्ता। टाटेनहॅम हाटस्पर ने यूरोपा लीग का खिताब जीत लिया है। टीम ने गुरुवार एथलेटिक बिलबाओ के सैन मैम्स स्टेडियम में खेले गए फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया। इसी के साथ टाटेनहॅम का यूरोपीय ट्रॉफी के लिए 41 साल का इंतजार खत्म हो गया। टीम ने पिछला खिताब 1984 में जीता था। टाटेनहॅम का यह तीसरा यूरोपा लीग टाइटल है। टाटेनहॅम का यह तीसरा यूरोपा लीग टाइटल है। ब्रेनन ने 42वें मिनट में यह गोल किया ब्रेनन जानसन ने मैच का इकलौता गोल किया। मैच में दोनों टीमों के लिए मौके बनाना मुश्किल था। हालांकि, 42वें मिनट में टाटेनहॅम को सफलता मिल गई। ब्रेनन ने पहले हाफ (42वें मिनट) में यह गोल किया। इस जीत के साथ टाटेनहॅम 2025-26 यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। 17 साल बाद टाटेनहॅम ने मेजर ट्राफी जीती टाटेनहॅम ने 17 साल बाद कोई मेजर ट्राफी जीती है। टीम ने अपना पिछला बड़ा खिताब 2008 में जीता था, जब उन्होंने लीग कप अपने नाम किया था।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम का ऐलान

मुंबई, वार्ता। इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम का ऐलान हो गया है। बीसीसीआई ने गुरुवार को 16 मेंबर्स स्क्वाड का ऐलान किया। इस दौरे पर भारतीय टीम 24 जून से 23 जुलाई तक एक वार्म-अप, पांच वनडे और दो मल्टी-डे मैच खेलेगी। इस टूर के जरिए 17 साल के आयुष म्हात्रे को भारतीय टीम की कमान दी गई है। वहीं 14 साल के वैभव सूर्यवंशी को भी टीम में जगह मिली है। वैभव और आयुष दोनों ने ही आईपीएलके इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है। वैभव ने एक शतक लगाया आयुष और वैभव दोनों का ही यह पहला प्ब्स्सीजन है। आयुष ने आईपीएल2025 के 6 मैचों में 206 रन बनाए। जहां उनका एवरेज 34.33 का है और स्ट्राइक रेट 187.27 का है। वहीं वैभव सूर्यवंशी ने 7 मुकाबलों में 252 रन बनाए।

शीर्ष दो में जगह बनाने उतरेगी आरसीबी

● हैदराबाद अपने अभियान का जीत के साथ समापन करना चाहेगी

लखनऊ, वार्ता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में प्लेऑफ में पहुंच चुकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शुक्रवार को टूर्नामेंट के 65वें मैच में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी एकना स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ शीर्ष दो में अपनी जगह पक्की करने मैदान में उतरेगी।

वहीं एसआरएच अपने अभियान का जीत के साथ समापन करना चाहेगी। आरसीबी 12 मैचों में 17 अंक हासिल करने के साथ इस सीजन में अपने प्रदर्शन का लोह मनवाने वाली टीमों में से एक रही है। रजत पाटीदार की अगुआई वाली यह टीम शीर्ष दो में जगह बनाकर एलिमिनेटर वन की नॉकआउट अनिश्चितता से बचना चाहेगी और उन्हें पहले क्वालीफायर के जरिए फाइनल में पहुंचने का दूसरा मौका मिलेगा। एक ऐसी टीम के लिए जो पहले भी खिताब के करीब पहुंच चुकी है, लेकिन कभी आईपीएल की ट्रॉफी नहीं उठा पाई है। इसके विपरीत, पिछले सीजन की फाइनलिस्ट सनराइजर्स हैदराबाद पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है।

बारह मैचों में मात्र चार जीत के साथ वह अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। हालाँकि, इस सप्ताह की शुरुआत में लखनऊ सुपर जायंट्स पर मिली शानदार जीत से टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और पैट कमिंस के नेतृत्व वाली टीम अपने अभियान को शानदार तरीके से समापन करना चाहेगी। इस सत्र में आरसीबी की वापसी विराट कोहली के शानदार फॉर्म की वजह से हुई है। बीच के मैचों में टीम डगमगा गयी थी। आरसीबी के पूर्व कप्तान कोहली ने 11 पारियों में 63-12 की औसत और 143-46 की स्ट्राइक रेट से 505 रन बनाए हैं। शीर्ष पर उनके अनुभव के साथ-साथ फिल साल्ट की आक्रामकता और देवदत्त पडिक्कल के टीम के स्कोर को धीरे-धीरे आगे बढाने के साथ मजबूत नींव रखने में मददगार साबित हुए हैं। टीम ने मध्य क्रम ने भी अपनी लय हासिल कर ली है। पाटीदार ने अब तक शानदार स्ट्राइक रेट से 239 रन बनाए हैं, जबकि निचले क्रम को टिम डेविड और वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड की मौजूदगी से टीम को मजबूती मिली है।

टिम डेविड ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मात्र 14 गेंदों पर 53 रन बनाकर नॉटआउट रहे थे। यह सत्र के सबसे बेहतरीन डेथ ओवरों में से एक है। फिर भी, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड का टीम में वापस नहीं आ पाना चिंता का विषय बना हुआ है।

आईपीएल-2025 प्लेऑफ की चारों टीम तय

● लखनऊ के निकोलस पूरन टूर्नामेंट के टॉप-6 हिटर बने हुए है

नई दिल्ली, वार्ता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में ग्रुप स्टेज के 63 मैच खत्म होने के बाद ही प्लेऑफ की 4 टीमें मिल गईं। बुधवार को मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर प्लेऑफ स्पाट कन्फर्म की। इससे दिल्ली बाहर होने वाली छठी और आखिरी टीम बनी। बुधवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई ने पहले बैटिंग करते हुए 180 रन बनाए। दिल्ली ने 65 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे, यहां से टीम 121 रन ही बना सकी और 59 रन से मुकाबला गंवा दिया। दिल्ली को 13 मैचों में छठी हार मिली। टीम के 6 जीत और 1 बेनतीजा मैच से 13 पाइंट्स हैं। क्ब अब पंजाब के खिलाफ आखिरी मैच जीतकर भी 15 पाइंट्स तक ही पहुंच पाएगी, जो प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी नहीं है। मुंबई को 13 मैचों में 8वीं जीत मिली। टीम 16 पाइंट्स के साथ चौथे स्थान पर रही और प्लेऑफ में पहुंच गई। अब एमआई को टॉप-2 पोजिशन में जगह बनानी है तो पंजाब के खिलाफ आखिरी मैच जीतना होगा। साथ ही आरसीबी और जीटी के सभी मैच हारने की दुआ करनी होगी। लखनऊ सुपरजायंट्स प्लेऑफ से बाहर हो चुकी है। टीम के 12 मैचों में 5 जीत से 10 ही पाइंट्स हैं। आज का मैच जीतकर स्ैळ प्लेऑफ में तो नहीं पहुंचेगी, लेकिन गुजरात के नंबर-1 पर बने रहने की उम्मीदों को कम कर देगी। गुजरात के साई सुदर्शन टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर बने हुए हैं। उन्होंने 12 मैच में 617 रन बनाए हैं। शुभमन गिल 601 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। बुधवार को मुंबई के सूर्यकुमार यादव 73 रन बनाकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए। उनके नाम 583 रन हो गए। गुजरात के ही तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर बने हुए हैं। उनके नाम 12 मैचों में 21 विकेट हैं। चेन्नई के स्पिनर नूर अहमद के भी 21 विकेट हैं। मुंबई के ट्रेंट बोल्ट 19 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गए। लखनऊ के निकोलस पूरन टूर्नामेंट के टॉप सिक्स हिटर बने हुए हैं। उनके नाम 12 मैचों में 35 छक्के हैं। मुंबई के सूर्यकुमार यादव 30 सिक्स लगाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गए। राजस्थान के यशस्वी जायसवाल 28 सिक्स लगाकर तीसरे नंबर पर रहे।

मुकेश कुमार पर 10 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगा

मुंबई, वार्ता। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

मुकेश कुमार को बुधवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल के आचार संहिता के अनुच्छेद 2-2 के तहत लेवल एक के उल्लंघन के लिए दोषी पाया गया। इसके लिए उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया। यह मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़ों, ग्राउंड उपकरण या फिटिंग्स के दुरुपयोग से संबंधित है। उन्होंने मैच रेफरी डैनियल मनो. हर द्वारा लगाए गए दंड को स्वीकार कर लिया है।

मुकेश ने कल शाम मैच के दौरान अपने चार ओवरों में दो विकेट लेकर 48 रन दिये थे। उनके द्वारा फेंके गए 19वें ओवर में सूर्यकुमार यादव और नमन धीर ने 6, 1, 4, 6, 6, 4 कुल 27 रन बटोरे थे। इस सत्र में मुकेश अब तक खेले 11 मैच में 32-63 की औसत और 10-11 की इकोनॉमी से 11 विकेट लिए हैं।

मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में श्रीकांत, प्रणॉय हुए बाहर

■ किदांबी श्रीकांत ने आयरलैंड के खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराया

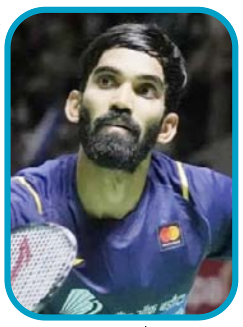

बुकित जलील, वार्ता। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने गुरुवार को मलेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में जीत दर्जकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं मिश्रित युगल में तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी ने भी क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। यहां एक्सियाटा एरिना केएल स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में 59 मिनट तक चले मुकाबले में किदांबी ने आयरलैंड के न्हाट गुयेन को सीधे गेम में 23-21, 21-17 हराकर अगले दौर में जगह बनाई। किदांबी ने पहले गेम की शुरुआत से ही अपना दबदबा कायम रखते हुए अपनी बढ़त बनाए रखा। न्हाट ने किदांबी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन आखिर में किदांबी ने अंक अर्जित कर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी किदांबी ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन जारी रखते हुए आयरलैंड के बैडमिंटन खिलाड़ी को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। क्वार्टरफाइनल में किदांबी का मुक. ाबला फांस के टोमा जूनियर पोपोव से होगा। इसके अलावा विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विज. ेता एचएस प्रणॉय को 23वें रैंक के खिलाड़ी जापान के युशी तनाका से सीधे गेम में 9-21, 18-21 से हार मिली। पुरुष एकल के अन्य मुक. ाबले में आयुष शेट्टी को फांस के टोमा जूनियर पोपोव से 13-21, 17-21 से हार मिली, जबकि पुरुष एकल रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज सतीश करुणाकरन भी राउंड ऑफ 16 में रैंकिंग में 18वें स्थान के खिलाड़ी फांस के क्रिस्टो पोपोव से 13-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित युगल में एक घंटा और सात मिनट तक चले मुकाबले में तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की भारतीय जोड़ी ने फ्रांस के ली पालेमों और जूलियन मयो को 21-17, 18-21, 21-15 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली, वार्ता। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को नीदरलैंड के एम्सटेलीवन और बेल्जियम के एंटवर्प में सात से 22 जून तक होने वाली एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। अनुभवी ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह कप्तान के रूप में टीम अगुवाई करेंगे। मिडफील्डर हार्दिक सिंह उप-कप्तान होंगे। भारत अपने यूरोपीय चरण की शुरुआत में सात और नौ जून को नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैचों खेलेंगा। इसके बाद 11 और 12 जून को एम्सटेलवीन के वैगनर स्टेडियम में अर्जेंटीना के खिलाफ दो मैच होंगे।

यूएई ने बांग्लादेश को हराया, सीरीज भी जीती

■ हैदर अली ने तीन विकेट हासिल किए, आलीशान ने नाबाद 68 रनों की पारी खेली

शारजाह, वार्ता। हैदर अली (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद आलीशान शराफ (नाबाद 68) और आसिफ खान (नाबाद 41) की विस्फोटक पारियों की बदौलत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की क्रिकेट टीम ने तीसरे टी-20 मुकाबले में पांच गेंदे शेष रहते बांग्लादेश के खिलाफ सात विकेट से जीत दर्ज करते हुए तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है।

टेस्ट खेलने वाले देश के खिलाफ यूएई की दूसरी सीरीज जीत है। शारजाह स्टेडियम में बुधवार की रात खेले गए टी-20 मुकाबले में यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही और उसने 57 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गवां दिये। बांग्लादेश के बल्लेबाजे हैदर अली की घातक गेंदबाजी के आगे बेबस नजर आये। बांग्लादेश का पहला विकेट दूसरे ओवर में परवेज हुसैन इमॉन (शून्य) के रूप में गिरा। कप्तान लिटन कुमार दास (14), मो-तौहीद हृदोय (शून्य), महेदी हसन (दो) और तंजिद हसन 18 गेंद पर (40) रनों की पारी खेली। इसके बाद शमीम हुसैन (नौ), रिशाद हुसैन (छह) और जाकेर अली 34 गेंदों में (41) रन बनाकर आउट हुये। यूएई के गेंदबाजों ने बांग्लादेश को निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 162 के स्कोर पर रोक दिया। यूएई की ओर से हैदर अली ने चार ओवर में सात रन देकर तीन विकेट लिये। मतिउल्लाह खान और सगीर खान को दो-दो विकेट मिले। अकिफ राजा और ध्रुव पराशर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने अपना पहला विकेट दूसरे ही ओवर में कप्तान मुहम्मद वसीम (नौ) के रूप में गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये आलीशान शराफु ने मुहम्मद जोहैब के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच 44 रनों की साझेदारी हुई। आठवें ओवर में रिशाद हुसैन ने मुहम्मद जोहैब (29) को बोल्ड इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद तंजीम अहमद ने राहुल चोपड़ा (13) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इस दौरान दूसरे छोर पर खड़े आलीशान शराफु तेजी के साथ रन बनाते रहे। इसके बाद आसिफ खान ने आलीशान शराफ के साथ मोर्चा संभाला और टीम को ऐतिहासिक जीत की ओर ले गए। यूएई ने 19-1 ओवर में तीन विकेट पर 166 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। आलीशान शराफ ने 47 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 68) रन बनाये।

इंग्लैंड की महिला टीम ने विंडीज को रौंदा

■ सोफिया ने नाबाद 81 और हीथर ने 43 रनों की शानदार पारी खेली

कैंटरबरी, वार्ता। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद सोफिया डंकली (नाबाद 81) और हीथर नाइट (43) की बेहतरीन पारियों की बदौलत इंग्लैंड की महिला टीम ने वेस्टइंडीज को 21 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। सेंट लॉरेंस ग्राउंड में बुधवार की रात खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज के लिए कप्तान हेली मैथ्यूज ने आखिर तक मोर्चा संभाले रखा। मैथ्यूज ने 67 गेंदों में 16 चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 100) रनों की पारी खेली। इसके अलावा मैंडी मैंगरु (17) और शबीका गजनबी ने (11) रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज के पांच बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। वेस्टइंडीज की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 146 रनों का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की महिला टीम के लिए लॉरेन बेल ने दो विकेट लिए। लिंसी स्मिथ, एमिली आरलट और ईसी वोंग ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के लिए डेनिएल वायट और सोफिया डंकली की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए (51)रन जोड़े। छठें ओवर में जायडा जेम्स ने डेनिएल वायट (17) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद मात्र पांच रन जोड़कर इंग्लैंड ने कप्तान नेट साइवर ब्रंट (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हीथर नाइट ने सोफिया डंकली के साथ पारी संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच 94 रनों की मैच विजयी अविजित साझेदारी हुई। इंग्लैंड की महिला टीम ने 16-3 ओवर में दो विकेट पर 150 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। इसी के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। वेस्टइंडीज की ओर से जायडा जेम्स और एफी फ्लेचर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

दीक्षा ने तैराकी व नागालैंड, मणिपुर ने पेंचक सिलाट में जीते स्वर्ण पदक

■ दीक्षा ने 1:10:12 में पूरा कर पांच किमी. की रेस में स्वर्ण पदक जीता

दीव, वार्ता। महाराष्ट्र की दीक्षा यादव ने पहले खेलो इंडिया बीच गेम्स में गुरुवार को ताकत और सहनशक्ति का प्रदर्शन करते हुए ओपन सी तैराकी प्रतियोगिता में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। वहीं पेंचक सिलाट में मणिपुर, नागालैंड और जम्मू-कश्मीर ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए। यहां समुद्र में हुई तैराकी प्रतियोगिता पांच किलोमीटर की रेस को 19 वर्षीय दीक्षा एक घंटा 10 मिनट 12 सेकंड पूरा कर स्वर्ण पदक जीता और वह अपनी राज्य की ही पूर्वा गावड़े (1:10:25) से सिर्फ 13 सेकंड आगे रहीं।

कर्नाटक की आसरा आर- सुधीर (1:10:29) ने कांस्य पदक हासिल किया। इससे पहले दीक्षा ने बुधवार को 10 किलोमीटर रेस में पहला स्थान हासिल किया था। पुरुषों की रेस भी बेहद रोमांचक रही, जिसमें कर्नाटक के द्रुपद रामकृष्ण ने 1 घंटा 6 मिनट 46 सेकंड में फिनिश लाइन पार कर स्वर्ण पदक जीता। पेंचक सिलाट में गुरुवार को दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव और मणिपुर ने अपने सभी चार स्वर्ण पदक इसी खेल में जीते हैं। महाराष्ट्र, जो इस समय पदक तालिका में सबसे ऊपर है, ने ओपन वाटर स्विमिंग और पेंचक सिलाट दोनों में दो-दो स्वर्ण पदक जीते हैं। डीएनएचडीडी के प्रसन्ना नरेंद्र बेंद्रे ने भी अपना दूसरा व्यक्तिगत स्वर्ण पदक पेंचक सिलाट में जीतकर खासा नाम कमाया है।

नागालैंड ने भी आज दो स्वर्ण पदक जीते। जम्मू-कश्मीर के सजाद अहमद बैग ने ओडिशा के सोर्. हल गुरंग को सीनियर पुरुष श्रेणी सी (55-60 किग्रा) तांडिंग (कॉम्बैट) फाइनल में 9-0 से पराजित कर अपने प्रदेश के लिए स्वर्ण पदक जीता। यह जम्मू-कश्मीर का पहला स्वर्ण पदक है। सेपक टकरॉ में हरियाणा और केरल का दबदबा रहा। छह स्वर्ण पदक वाले खेलों में से एक सेपक टकरॉ में मुकाबले सुबह और शाम दोनों सत्रों में हुए। बुधवार देर रात, हरियाणा ने सेपक टकरॉ प्रतियोगिता में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं की त्रयी टीम में स्वर्ण जीतने के बाद, हरियाणा की पुरुष टीम ने युगल स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की पुरुष टीम ने गोवा को 2-0 (15-4, 15-11) से हराया। इसी तरह केरल की लड़कियों की युगल टीम ने ओडिशा को 2-0 (15-4, 15-9) से हराकर आसानी से जीत दर्ज की। दूसरी ओर, दिल्ली ने सेपक टकरॉ पुरुष डबल्स में कांस्य पदक जीता।

राधिका ओझा ट्रेलब्लेजर पुरस्कार-2025 से सम्मानित

दिव्यांग खिलाड़ियों को समान मौके दिलाने के विजन ने दिलाई नोएडा की स्कूल स्टूडेंट को उपलब्धि

नई दिल्ली, वार्ता। नोएडा की स्कूल स्टूडेंट राधिका ओझा को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय खेल उत्कृष्टता सामुदायिक ट्रेलब्लेजर पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। राधिका एक चेंजमेकर बनने की इच्छा रखती है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने कम्यूनिटीज को ट्रांसफार्म करने वाले नए इनक्लूसिव इनीशिएटिव्स का बीड़ा उठाया है।

राधिका ने दिव्यांग एथलीटों के लिए एडाप्टिव स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने में अभूतपूर्व काम किया है जो आशा और बदलाव की किरण के रूप में सामने आया है। कम्युनिटी ट्रेलब्लेज़र अवार्ड विशेष रूप से उन दूरदर्शी लोगों को मान्यता देता है जो खेलों में समानता, पहुंच और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़ते हैं। खेलों को वास्तव में इनक्लूसिव बनाने के लिए राधिका की प्रतिबद्धता एक शक्तिशाली संदेश को दर्शाती है कि युवाओं के नेतृत्व में, जमीनी स्तर के प्रयास देश भर में बदलाव ला सकते हैं। राधिका ने कहा कि यह पुरस्कार उन लोगों के लिए है जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। दिव्यांग एथलीट किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह ही समान मंच और प्रोत्साहन के हकदार हैं। मैं पिछले कुछ वर्षों में मेरे प्रयासों को मान्यता देने के लिए एसटी,वीकेजेडआरएस फाउंडेशन और समिति की वास्तव में आभारी हूं। राधिका ने दिव्यांग एथलीटों के लिए

एडाप्टिव स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने में अभूतपूर्व काम किया है। राधिका की जर्नी परपज ड्रिवन लीडरशिप का उदाहरण है। उन्होंने अपनी कठिन इंटरनेशनल बैकलारिएट स्टडीज के साथ प्रभावशाली सामुदायिक सेवा का संतुलन बनाया है। उन्होंने सतत विकास और सामाजिक समानता पर केंद्रित कई पहल का नेतृत्व किया है। इनमें प्रोजेक्ट राहत एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। वंचित समुदायों को टिकाऊ और मानवीय आर्किटेक्चरल सोल्यूशंस प्रदान करने वाला प्रोजेक्ट राहत राधिका के समावेशी ख्रष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें दिव्यांगों सहित सभी के लिए सुलभता और सम्मान पर जोर दिया गया है। बुनियादी ढांचे की बाधाओं को दूर कर यह प्रोजेक्ट एक ऐसे समाज की नींव रखता है जहां व्यक्ति शारी. रिक या सामाजिक कमियों के बावजूद फल-फूल सकते हैं। यह सिद्धांत है जो एडोप्टिव खेलों में उनके काम में भी सहजता से लागू होता है। पिछले 3-4 सालों में, राधिका ने दिव्यांग खिलाड़ियों के हितों की लगातार वकालत की है, जिससे उनकी अधिक भागीदारी हो, संसाधनों तक पहुंच हो और उन्हें भावनात्मक समर्थन मिले। उनका काम इस प्रचलित गलत धारणा को चुनौती देता है कि शारीरिक विकलांगता अक्षमता के बराबर है। वह जोश के साथ कहती हैं- हमारे समाज को दिव्यांगों के लिए खेलों को असामान्य चीज के रूप में देखना बंद कर देना चाहिए। इसे किसी भी अन्य खेल की तरह आम होना चाहिए। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है- एडोप्टिव खेल मुख्यधारा में आने चाहिए, उन्हें मजबूत संस्थागत समर्थन और सार्वजनिक मान्यता मिलनी चाहिए। ओलिंपिक खेलों के निष्पक्षता और समान अवसर के सिद्धांतों से प्रेरणा लेते हुए राधिका एक ऐसे भारत की कल्पना करती हैं जहां दिव्यांग युवा गर्व और आत्मविश्वास के साथ अपने एथलेटिक सपनों को पूरा कर सकें।

सम्पादकीय

शुक्रवार, 23 मई 2025

भारत का कड़ा रुख

गुरुवार को भारत ने एक बार फिर अपने पुराने स्टैंड को दोहराया कि पाकिस्तान से कोई भी संपर्क द्विपक्षीय ही होगा और आतंकवाद से स्थायी रूप से नाता समाप्त किए जाने के बाद ही यह संपर्क हो सकता है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी नियमित प्रेस ब्रीफिंग में स्पष्ट रूप से कहा कि किसी को भी इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए कि भारत अपने स्टैंड से जरा भी पीछे हटेगा। उन्होंने साफ किया कि बातचीत और आतंक एकसाथ नहीं चल सकते। पाकिस्तान के साथ तभी बातचीत संभव हो सकती है जब पाक भारत द्वारा सौंपी गई आतंकियों की सूची के अनुसार आतंकियों को भारत को सौंपे। जहां तक बात कश्मीर की है, जम्मू कश्मीर पर कोई बात नहीं होगी और जब कभी भी बात होगी तो कश्मीर के उस भाग पर होगी जिस पर जबरन तरीके से पाक ने कब्जा किया हुआ है। जल संधि पर भी उन्होंने भारत के नजरिये को उचित ठहराया। जल संधि को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस कथन को दोहराया जिसमें उन्होंने कहा कि जल्द और रक्त एकसाथ नहीं बह सकते। हालांकि गुरुवार को भी पीएम मोदी ने राजस्थान के बिकानेर जिले के दौरे पर सरकार के नजरिये को साफ किया और कहा कि पाकिस्तान के साथ न ट्रेड होगा और न टाल्क। अगर बात होगी तो पाकिस्तान ऑक्यूपाइड कश्मीर यानि पीओके पर होगी। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान को भारत के हिस्से का पानी नहीं मिलेगा। दुनिया की कोई ताकत इस संकल्प को नहीं गिरा सकती। जायसवाल ने तुर्कीय और चीन को भी नसीहत दी और कहा कि आतंकवाद के समर्थन में खड़ा होना पूरी मानवता के खिलाफ खड़ा होने जैसा है और इससे भारत के साथ उनके संबंधों को चोट पहुंचेगी। जायसवाल का कहना था कि भारत उम्मीद करता है कि तुर्की दृढ़ता से पाकिस्तान से सीमापार आतंकवाद के खिलाफ तुर्कीय समर्थन करने और दशकों से पनाहगाह रहे आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र के खिलाफ विश्वसनीय और सत्यापन योग्य कार्रवाई करने का आग्रह करेगा। उनके कहने का मतलब साफ था कि संबंध एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर बनाए जाते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि भारत-पाक तनाव के बीच जिस तरह का आचरण तुर्कीए व चीन की तरफ से देखने में आया वह जरा भी तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता, बल्कि इससे साफ हो जाता है कि ये दोनों देश आतंकवाद को लेकर गंभीर नहीं हैं। आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है। इसलिए इससे पार पाने के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। यह मसला केवल पक्ष विपक्ष में जाने का भी नहीं है, क्योंकि आतंकवाद से किसी का भला नहीं होने वाला। भारत ने जिस तरह पहलगाम में हुए नरसंहार को लेकर पाक पर स्ट्राइक की, जिसमें सौ से अधिक आतंकी मारे गए, बताता है कि भारत की लड़ाई केवल आतंकवाद से है। किसी देश या नागरिक से नहीं। भारत ने साफ भी किया कि सर्जिकल स्ट्राइक में पाक सेना या वहां के नागरिकों का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

उद्योग सीएसआर कोष को कृषि में लगाएं

उद्योग सीएसआर कोष को कृषि में लगाएं
विकसित भारत का मार्ग किसानों से होकर गुजरता है, अर्थव्यव्यस्था को विकसित बनाने के प्रयासों में किसानों की सहभागिता बढ़ाई जानी चाहिए, उद्योगों को अपने सीएसआर कोष को कृषि में लगाना चाहिए, इस कोष का प्रयोग कृषि संबंधी अनुसंधान में किया जाना चाहिए और किसानों को इसमें शामिल किया जाना चाहिए, किसान की सहभागिता स्थापित करनी चाहिए, उनका जो फंड होता है, सीएसआर फंड वो ग्रामीण विकास के महत्वपूर्ण मुद्दों में लगना चाहिए तभी जाकर बड़ा बदलाव आएगा, विकसित भारत बनने का रास्ता किसान के खेत और गांव से निकलता है।

-जगदीप धनखड़
उपराष्ट्रपति

भविष्य की महामारियों से निबटने के लिए WHO एक ऐतिहासिक समझौते की ओर

वर्तमान समय में जब पूरी दुनिया कोविड-19 जैसी भयावह महामारी से उबरने की प्रक्रिया में है, तब विश्व स्वास्थ्य संगठन की यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है कि भविष्य में ऐसी किसी भी वैश्विक स्वास्थ्य आपदा से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। WHO अब एक ऐतिहासिक वैश्विक समझौते की दिशा में अग्रसर है जिसका उद्देश्य है एक ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना जो न केवल प्रतिक्रियात्मक हो, बल्कि पहले से तैयार, लचीली और समन्वित भी हो।

महामारी से सीख

कोविड-19 महामारी ने वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली की खामियों को उजागर कर दिया। असमान स्वास्थ्य सुविधाएं, सीमित संसाधन, दवाओं और टीकों का असमान वितरण और सूचनाओं के आदान-प्रदान की धीमी प्रक्रिया ने साबित किया कि एक देश की कमजोरी पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की कमी और चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि अगर समय रहते प्रभावी वैश्विक रणनीति नहीं बनाई गई, तो भविष्य की महामारियां और भी विनाशकारी सिद्ध हो सकती हैं।

डब्ल्यूएचओ की भूमिका

विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना 1948 में हुई थी और तब से लेकर अब तक यह संगठन विश्व स्तर पर स्वास्थ्य संकटों से निपटने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान भले ही WHO को कुछ आलोचनाओं का सामना करना पड़ा हो, परंतु उसने विज्ञान आधारित मार्गदर्शन, टीकाकरण की पहल और वैश्विक समन्वय की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया।

अब WHO का लक्ष्य केवल संकट का प्रबंधन करना नहीं, बल्कि उससे पहले की तैयारी सुनिश्चित करना है। इसी सोच के तहत महामारी संधि Pandemic Accord का विचार सामने आया है।

ऐतिहासिक पहल-महामारी संधि

2021 में, WHO की सदस्य देशों ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया। एक ऐसी वैश्विक संधि की शुरुआत करना जिसका उद्देश्य भविष्य की महामारियों के लिए एक साझा रणनीति, पारदर्शिता और संसाधनों के समान वितरण को सुनिश्चित करना है। इस संधि को आधिकारिक रूप से Pandemic Prevention Preparedness and Response Accord कहा जा रहा है।

इस संधि के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं

प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना

नई और उभरती बीमारियों की जानकारी तुरंत साझा करना ताकि जल्द से जल्द कार्रवाई की जा सके।

अनुसंधान और नवाचार में सहयोग

टीके, दवाएं, और निदान तकनीकों के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना।

समानता आधारित वितरण प्रणाली

महामारी के समय आवश्यक संसाधनों का सभी देशों तक न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित करना, विशेषकर विकासशील देशों के लिए।

स्वास्थ्य संरचना को सशक्त बनाना

वैश्विक स्तर पर प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता और बुनियादी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता देना।

प्राकृतिक और मानव निर्मित जोखिमों की निगरानी

जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाली बीमारियों (जूनोटिक रोग) की निगरानी करना और उन पर समय रहते नियंत्रण पाना।

वैश्विक प्रतिक्रिया और भागीदारी

इस संधि को लेकर अधिकांश देशों ने सकारात्मक रुख अपनाया है, विशेष रूप से यूरोपीय संघ, अफ्रीका के कई राष्ट्र और भारत जैसे विकासशील देश। हालांकि कुछ विकसित देशों ने संप्रभुता के मुद्दे पर चिंता जताई है कि एक वैश्विक समझौते से उनकी स्वतंत्र निर्णय लेने की शक्ति सीमित हो सकती है। इसके बावजूद, इस विचार को व्यापक समर्थन मिल रहा है कि यदि दुनिया को भविष्य में एकजुट रहना है, तो साझा दिशा और प्रतिबद्धता अनिवार्य है।

भारत की भूमिका

भारत ने कोविड-19 महामारी के दौरान वैक्सीन मैत्री पहल के अंतर्गत 100 से अधिक देशों को टीके भेजकर वैश्विक स्वास्थ्य कूटनीति में अपनी सक्रिय भूमिका को दर्शाया। भारत की मजबूत दवा उद्योग, बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र और स्वास्थ्य सेवाओं की विशेषज्ञता ने उसे एक अग्रणी खिलाड़ी बना दिया है। WHO के नए समझौते में भारत जैसे देशों से अपेक्षा की जा रही है कि वे नवाचार, अनुसंधान और उत्पादन की क्षमता का उपयोग कर वैश्विक स्तर पर महामारी की तैयारी में नेतृत्व करें।

चुनौतियां: सिद्धांत व व्यवहार में अंतर

हालांकि यह संधि बेहद आवश्यक और उपयोगी है, परंतु इसके क्रियान्वयन में कई चुनौतियां सामने आ सकती हैं-

राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमीरू कई देशों के लिए अपने राष्ट्रीय हितों को वैश्विक समझौते के तहत सीमित करना कठिन हो सकता है।

वित्तीय प्रतिबद्धता- महामारी की तैयारी के लिए भारी निवेश की आवश्यकता होगी, जिसे सभी देश वहन नहीं कर पाएंगे।

डेटा की पारदर्शिता- कुछ देश महामारी संबंधी जानकारी साझा करने में हिचकिचाते हैं, जिससे प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली कमजोर पड़ सकती है।

नैतिक और कानूनी सवाल- किस हद तक WHO को हस्तक्षेप का अधिकार होगा, और क्या कोई वैश्विक संस्था संप्रभु राष्ट्रों को बाध्य कर सकती है?

समाधान की दिशा में पहल- इन चुनौतियों के बावजूद, अगर कुछ प्रमुख कदम उठाए जाएं, तो महामारी संधि को प्रभावी बनाया जा सकता है। समझौते के नियमों को पारदर्शी बनाना और देश-विशेष की कानूनी संरचना में इसे शामिल करना। विकासशील देशों को तकनीकी और आर्थिक सहायता प्रदान करना ताकि वे महामारी की स्थिति में आत्मनिर्भर हो सकें। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाना। महामारी से संबंधित जानकारी आम जन तक पहुंचाना और स्वास्थ्य शिक्षा को स्कूली पाठ्क्रमों में शामिल करना।

चुनौतियों के बावजूद, अगर कुछ प्रमुख कदम उठाए जाएं, तो महामारी संधि को प्रभावी बनाया जा सकता है। समझौते के नियमों को पारदर्शी बनाना और देश-विशेष की कानूनी संरचना में इसे शामिल करना। विकासशील देशों को तकनीकी और आर्थिक सहायता प्रदान करना ताकि वे महामारी की स्थिति में आत्मनिर्भर हो सकें।

WHO का यह प्रयास कि सभी देश एक साझा स्वास्थ्य दृष्टिकोण को अपनाएं, न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उपयुक्त है, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी आवश्यक है। कोविड-19 जैसी आपदाएं यह सिखा चुकी हैं कि वायरस सीमाओं का सम्मान नहीं करते। ऐसे में एक वैश्विक, समन्वित और न्यायपूर्ण रणनीति ही एक सुरक्षित भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

भारत जैसे देश, जो जनसंख्या, संसाधन और विज्ञान के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, इस समझौते में एक निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। WHO द्वारा प्रस्तावित महामारी संधि एक ऐतिहासिक कदम है। एक ऐसा दस्तावेज जो आने वाले समय में लाखों जीवनों की रक्षा कर सकता है। अब यह हम सब पर निर्भर करता है कि हम इस ऐतिहासिक अवसर का लाभ कैसे उठाते हैं, क्या हम फिर एक संकट का इंतजार करेंगे या अब से तैयारी शुरू करेंगे?

हंसना, रोना, ब्रेकअप के बाद क्या किया आपने

ब्रेकअप के बाद आप कैसे रिएक्ट करते हैं? मैं हंसी, जैसे मेरे अंदर कुछ ऐसा था जो यह मानने से इन्कार कर रहा था कि अभी क्या हुआ था। फिर मैं रोई, उस तरह का रोना जो आपके सीने में दर्द पैदा कर दे और आपके विचार बिखर जाएं।

उसके बाद, मुझे ईमानदारी से याद नहीं है। अब सब कुछ धुंधला है, एक दूर का दर्द जो कभी दुनिया के अंत जैसा लगता था। ब्रेकअप गड़बड़, अप्रत्याशित और बेहद निजी होते हैं और जबकि दुख अक्सर केंद्र में होता है, यह एकमात्र भावना नहीं है जिसे लोग अनुभव करते हैं। सच्चाई यह है कि हर कोई अलग-अलग तरीके से शोक मनाता है-कुछ लोग टूट जाते हैं, कुछ फट जाते हैं और कुछ चुपचाप उसके बाद बह जाते हैं।

वास्तव में, अधिकांश लोग तीन प्रमुख भावनात्मक प्रतिक्रिया पैटर्न में से एक में आते हैं। आइए उन्हें एक्सप्लोर करें, हो सकता है कि आप इनमें से किसी एक कहानी में खुद को थोड़ा सा देख पाएं।

इवोल्यूशनरी साइकोलॉजी में प्रकाशित एक नए अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने भावनात्मक पैटर्न की पहचान करने और उन्हें विशिष्ट श्रेणियों में वर्गीकृत करने के लिए लगभग 661 वयस्कों की जांच की। अध्ययन में प्रतिभागियों से पूछा गया

कि अगर उनके साथी उनसे अलग हो गए तो वे कैसे व्यवहार करेंगे। परिणामों से पता चला कि अधिकांश लोगों ने उदास महसूस करने, कारण पूछने और ध्यान भटकाने वाली गतिविधियों में शामिल होने की कोशिश करने की बात कही। शोधकर्ताओं ने विभिन्न प्रतिक्रियाओं के आधार पर 13 प्रमुख श्रेणियों की पहचान की, जिनमें उदासी और उत्तर चाहने से लेकर खुद को नुकसान पहुंचाने की धमकी या बदला लेने की कोशिश जैसी तीव्र प्रतिक्रियाएं शामिल थीं। एक अध्ययन में पाया गया कि जब लोग अपने साथी से अलग होते हैं, तो उनकी प्रतिक्रियाएं तीन मुख्य प्रकार की होती हैं-

1. स्वीकृति और आगे बढ़ना

कुछ लोग ब्रेकअप को स्वीकार कर लेते हैं और आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं। वे अपने जीवन में व्यस्त रहते हैं और खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

2. उदासी और अवसाद

कुछ लोग ब्रेकअप के बाद उदास महसूस करते हैं और रोते हैं। वे अपने दुख को व्यक्त करने के लिए चिकित्सा की तलाश भी कर सकते हैं।

3. आक्रामकता और विनाशकारी व्यवहार

कुछ लोग ब्रेकअप के बाद क्रोधित हो जाते हैं और बदला लेने की कोशिश कर सकते हैं। वे अपने गुस्से को व्यक्त करने के लिए भावनात्मक विस्फोट भी कर सकते हैं।

आकर्षण का खेल, पुरुष और महिला एक-दूसरे में क्या पसंद करते हैं

हम किसी के आकर्षण को कैसे आंकते हैं? एक हालिया अध्ययन में आई-ट्रैकिंग तकनीक का उपयोग करके पता लगाया गया कि चेहरे के कौन से हिस्से हमारा ध्यान सबसे अधिक आकर्षित करते हैं। अध्ययन के अनुसार, पुरुष महिलाओं के मुंह पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि महिलाएं पुरुषों की आंखों और बालों पर अधिक ध्यान देती हैं। यह लिंग के आधार पर हमारे आकर्षण के मानकों को दर्शाता है। चेहरे की आकर्षकता को समझने के लिए मेयो क्लिनिक के शोधकर्ताओं ने एक अनोखा अध्ययन किया। उन्होंने देखा कि लोग चेहरे के आकर्षण का आकलन कैसे करते हैं और कौन सी विशेषताएं उन्हें आकर्षक लगती हैं। इस अध्ययन में आई-ट्रैकिंग तकनीक का उपयोग करके 154 वयस्कों की नजरों का विश्लेषण किया गया, जिन्हें 40 विविध चेहरों की तस्वीरें दिखाई गईं। यह अध्ययन चेहरे की आकर्षकता के बारे में नई जानकारी प्रदान करता है।

पुरुषों और महिलाओं की पसंद में क्या अंतर है?

एक अध्ययन में प्रतिभागियों को तीन समूहों में बांटा गया था, आकर्षण का मूल्यांकन करने वाले, कॉस्मेटिक सर्जरी के संकेतों की खोज करने वाले और बिना किसी विशिष्ट कार्य के चेहरों को देखने वाले। प्रतिभागियों ने 10 सेकंड के लिए चेहरों को देखा, और उनकी नजरों का विश्लेषण किया गया। परिणामों से पता चला कि सभी समूहों ने चेहरे के केंद्रीय त्रिभुज पर ध्यान केंद्रित किया, लेकिन आकर्षण का मूल्यांकन करने वालों ने मुंह, नाक और गालों पर अधिक समय बिताया। एक अध्ययन में पाया गया कि आकर्षक माने जाने वाले चेहरे केंद्रीय त्रिभुज, मुंह और बालों पर अधिक समय तक देखते हैं, जबकि माथे और गर्दन पर अधिक ध्यान कम आकर्षक रेटिंग से जुड़ा है।

कैरियर का अभिन्न हिस्सा है खुद को पेश करने की कला

ज्ञान के साथ-साथ खुद को पेश करने की कला यानी सेल्फ प्रेजेंटेशन भी सफल कैरियर का अभिन्न हिस्सा बन गया है। समय-समय पर हुए सर्वेक्षणों के आंकड़े भी इस ओर इशारा करते हैं कि बेहतर नौकरी पाने के लिए तकनीकी कुशलता का महज 15 फीसदी योगदान होता है जबकि बचा हुआ 85 फीसदी सामाजिक और व्यावसायिक सलीके से होता है। यही वजह है कि हमें डिग्रियों या तकनीकी कुशलता के साथ ही व्यावहारिक ज्ञान पर विशेषतौर पर फोकस करना चाहिए। इसके अलावा खुद को पेश करने की उस कला में भी पारंगत होना होगा।

व्यक्तित्व का करें विकास

यूं तो आज बाजार में बेहतर से बेहतर अवसरों के विकल्प मौजूद हैं। नौकरी पाने वालों के लिए भी और नौकरी देने वालों के लिए भी। शायद नौकरी देने वालों के लिए विकल्प बड़ी तादाद में उपलब्ध हैं और नौकरी करने वालों के सामने विकल्प संघर्ष का विषय है। सवाल है ऐसे में क्या किया जाए? यहां भी जवाब है कि खुद को पेश करने की कला में स्मार्ट हुआ जाए। ताकि हम पहली ही मुलाकात में अपने व्यक्तित्व के मामले में आकर्षक और अपनी ओर ध्यान खींचने वाले साबित हो सकें। नौकरी हासिल करने के संघर्ष के दौरान अपने गुड लुकिंग, स्मार्ट और ऊर्जावान होने के साथ-साथ हम शिष्टाचार, मेकअप व लीडरशिप को भी शामिल करें।

खुद में विकसित करें गुणों को

जब तक हम ज्ञान और जरूरी जानकारियां हासिल नहीं कर लेते तब तक लीडरशिप नहीं निभा सकते। आत्मविश्वास तभी आता है, जब हम ज्ञान से लबरेज हों। भविष्य बनाने के लिए जानना बहुत जरूरी है कि स्कूल, समाज, पार्टी और फिर व्यावसायिक व्यवस्था में कैसे व्यवहार करना चाहिए? आत्मविश्वास, शिष्टाचार,सज्जा-शृंगार, टेबल मैनर्स, बॉडी लैंग्वेज में सुधार, बातचीत का सलीका, उच्चारण का प्रशिक्षण, क्रोध प्रबंधन, साथियों का दबाव, स्ट्रेस मैनेजमेंट, डाइनिंग एटिकेट्स, सोशल मैनर्स, आत्मसम्मान में वृद्धि, भावनात्मक जागरूकता आदि कुछ ऐसे विषय हैं जो आज की दुनिया में काफी महत्वपूर्ण हैं। व्यक्तित्व आपके लिए कई दरवाजे खोल देता है।

खुद का मूल्यांकन, फिर पहल

खुद को पेश करने की कला में पारंगत होने के लिए सबसे पहले जानें कि कमी कहां है? क्या अभी अपने कैरियर के लिए तड़का लगाना बाकी है? सामान्यत: लोग अकसर अपनी शुरुआत से संतुष्ट नहीं होते। दरअसल, उनके दिमाग में सवाल कौंधता है कि कहीं लोग उनका मजाक तो नहीं उड़ाएंगे?

आत्मविश्वास की डगर

अगर आप सफलता के लिए प्रयासरत हैं तो शुरुआती दिनों में आपके आइडियाज पर लोग हंसेंगे, उनका मजाक बनाएंगे, नकार देंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि आप असफल हैं। असल में आपमें वो काबिलियत है, जिसे लोग उभरने नहीं देना चाहते। लोग आपके आइडिया पर हंस रहे हैं तो उसे अमल. ीजामा पहना दें।

खुद की मार्केटिंग

कहते हैं कि आजकल पैसा कमाना सबसे आसान है। वहीं ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो यह कहते हैं कि अब पैसा कमाने सबसे मुश्किल है। दोनों ही बातें सही हैं। अगर आप खुद को प्रेजेंट नहीं कर सकते तो जाहिर है आप पैसा नहीं कमा सकते। दरअसल खुद को मार्केट करना सबसे जरूरी है।

व्यक्तित्व का करें विकास

माना जाता है जो प्रोडक्ट विज्ञापन की दुनिया से बाहर हो जाता है, उसकी बिक्री में खासी कमी आ जाती है। ठीक यही रूल अपने सफल जीवन के लिए भी अहम है। खुद को पेश करना एक कला है। इस कला में पारंगत होना बहुत जरूरी है। लेकिन इसके लिए यह न सोचें कि फर्स्ट इम्प्रेशन इज लास्ट इम्प्रेशन इस तरह के नियमों पर विश्वास न करें। बाजार में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो धीरे-धीरे दूसरों के सामने अपनी परत-दर-परत खोलते हैं। बहरहाल असली मुद्दा यह है कि आप खुद को जैसे पेश करेंगे, वैसी ही सफलता आपकी राह ताक रही होगी। खुद को पेश करना सीख गए तो समझें कैरियर में गर्मागर्म तड़का लग चुका है।

गोंद कतीरा से बनाएं यह टेस्टी ड्रिंक, गर्मियों में रहेंगे कूल

गर्मियों के मौसम में गोंद कतीरा का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। तेज और चिल. चलाती धूप और लू से यह हमारा बचाव करती है। इसमें मौजूद नेचुरल कूलिंग प्रॉपर्टीज हमारे शरीर का तापमान बैलेंस में रखता है। इस मौसम में गोंद कतीरा खाने से पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं और शरीर को भी एनर्जी मिलती है। वहीं गर्मियों में यह डिहाइड्रेशन से भी बचाव करता है। इसकी तासीर ठंडी होती है और गर्मियों में इसका सेवन रामबाण माना जाता है। साथ ही यह हड्डियों को मजबूत बनाने में भी सहयता करता है। ऐसे में समर सीजन में आप खुद को सेहतमंद रखता चाहते हैं, तो आपको गोंद कतीरे का सेवन करना चाहिए। आप गोंद कतीरा स्मूदी, ड्रिंक्स और अन्य कई डिशेज में मिक्स कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोंद कतीरा से बनने वाली टेस्टी ड्रिंक्स की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। आपको गर्मियों के मौसम में एक बार इस ड्रिंक को जरूर ट्राई करना चाहिए।

पुदीना-नींबू शिकंजी गोंद कतीरा शिकंजी रेसिपी

इस रेसिपी को बनाने के लिए एक बर्तन में गोंद कतीरा को भिगो दें। अब एक मिक्सर जार में नींबू, पुदीना, काला नमक, जीरा और चीनी डालकर पीस लें। फिर इस पेस्ट को एक बर्तन में निकाल लें। एक गिलास में भीगा हुआ गोंद कतीरा डालें और फिर यह पेस्ट डालें। इसके बाद ऊपर से ठंडा पानी और जलजीरा डालकर मिक्स करें। बर्फ के टुकड़े ऊपर से डालकर सर्व करें।

अमेरिका में दो इजरायली दूतावास कर्मचारियों की हत्या

यहूदी म्यूजियम के बाहर फ्री फलस्तीन का नारा लगाकर गोली मारी, दोनों मृतक शादी करने वाले थे

वाशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में इजरायली दूतावास के दो कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना बुधवार रात करीब 9 बजकर 5 मिनट (भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 6 बजकर 35 मिनट) पर यहूदी म्यूजियम के बाहर हुई। टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक अपराधी ने 'फ्री फलस्तीन' का नारा लगाकर दोनों को नजदीक से गोली मारी है। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला शामिल हैं।

घटना के वक्त दोनों कर्मचारी कैपिटल यहूदी म्यूजियम से बाहर निकल रहे थे। इजरायली दूतावास ने प्रवक्ता ने कहा कि दोनों ने हाल ही में सगाई की थी और जल्द ही शादी करने वाले थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान एलियास राड्रिगेज के रूप में हुई है। उसकी उम्र 30 साल है। वह शिकागो का रहने वाला है। गिरफ्तारी के दौरान वह फलस्तीन को आजाद करने के नारे लगा रहा था। हमले में यारोन लिस्चिन्स्की और उनकी प्रेमिका साराह मिल्ग्रिम की मौत हो गई है। पुलिस प्रमुख पामेला स्मिथ ने कहा कि गोलीबारी से पहले एक संदिग्ध को म्यूजियम के बाहर घूमते हुए देखा गया था। उसने बाहर

मृतकों में एक पुरुष और एक महिला शामिल है

निकलते चार लोगों के एक ग्रुप पर गोलियां चलाई, जिसमें एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई। घटना शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई, जहां कई म्यूजियम, सरकारी दफ्तर और एफबीआई का आफिस भी मौजूद है। अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने कहा कि यह टारगेट किलिंग जैसी घटना है। फिलहाल घटना की जांच चल रही है और जल्द ही और जानकारी साझा की जाएगी। एफबीआई की ज्वाइंट टेररिज्म टास्कफोर्स इस घटना की जांच में जुट गई है।

बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के लिए शर्तें रखी

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के लिए प्रमुख शर्तें रखीं, जिनमें सभी बंधकों की रिहाई, एन्क्लेव का विसैन्ईकरण और फलस्तीनी आंदोलन हमास के नेतृत्व को वहां से बाहर निकालना शामिल है। नेतन्याहू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मैं स्पष्ट शर्तों पर युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार हूं, जो इजरायल की सुरक्षा की गारंटी देंगी, सभी बंधक घर लौट आएंगे, हमास अपने हथियार डाल देगा, सत्ता छोड़ देगा और उसके नेतृत्व को पट्टी से बाहर निकाल दिया जाएगा। गाजा पूरी तरह से विसैन्यीकृत रहेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना को लागू करना भी जरूरी है, जिसे उन्होंने बहुत 'सही और क्रांतिकारी' बताया। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि इसमें एक साधारण बात कही गई है, गाजा के निवासी जो छोड़ना चाहते हैं, वे जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि सभी देश जो इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इजरायल से शत्रुता समाप्त करने का आह्वान कर रहे हैं, वास्तव में, हमास को गाजा पट्टी में सत्ता बनाए रखने की वकालत कर रहे हैं। इजरायल ने पिछले सप्ताह गाजा पट्टी में 'ऑपरेशन गिदोन' के रथ के हिस्से के रूप में एक नया हमला शुरू किया, जिसके बारे में उसका दावा है कि यह अंततः हमास को धूल चटा देगा। कतर में मध्यस्थता वार्ता के समानांतर हो रही है, जिसमें युद्धविराम और इजरायली बंधकों को रिहा करने का समझौता शामिल है।

माइक्रोसॉफ्ट पर इंटरनल मेल से फलस्तीन-गाजा शब्द हटाने का आरोप

सत्य नडेला की स्पीच में फ्री फलस्तीन के नारे लगे

मुंबई। अमेरिकी कंपनी माइक्रोसाफ्ट पर आरोप लगा है कि उसने कर्मचारियों की इंटरनल मेल में 'फलस्तीन', 'गाजा' और 'नरसंहार' जैसे शब्दों को हटाना करना शुरू कर दिया है। यह कदम तब उठाया गया, जब कंपनी के एक इंजीनियर ने सोमवार को सीईओ सत्या नडेला की स्पीच के दौरान फ्री फलस्तीन के नारे लगाए।

माइक्रोसाफ्ट के एक इंजीनियर ने मेल शेयर करते हुए कंपनी पर नरसंहार जैसे शब्द फिल्टर करने का आरोप लगाया है। दरअसल, कंपनी के कुछ कर्मचारी इजरायली सेना को एआई टेक्नोलाजी बेचने का विरोध कर रहे हैं। उनका आरोप है कि इजरायली सेना टेक्नोलाजी का उपयोग गाजा में नरसंहार के लिए कर रही है। माइक्रोसाफ्ट बिल्ड कान्फ्रेंस 2025 के तीसरे दिन भारतीय मूल की वान्या अग्रवाल ने

इससे पहले वान्या ने माइक्रोसॉफ्ट के 50वें स्थापना दिवस के इवेंट में विरोध किया था

कंपनी के एआई सुरक्षा प्रमुख नेता हैबी के सेशन को बीच में रोककर इजरायल सरकार के साथ क्लाउड समझौतों के खिलाफ नारेबाजी की। वान्या और उनकी साथी होस्साम ने हैबी के सेशन को डिस्टर्ब करते हुए कहा कि 'माइक्रोसाफ्ट, खून के पैसे नहीं चलेंगे'। इससे पहले वान्या ने माइक्रोसाफ्ट के 50वें स्थापना दिवस के इवेंट में विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि माइक्रोसाफ्ट की इजरायली सरकार और सेना को दी जा रही एआई-क्लाउड सेवाएं गाजा में युद्ध अपराधों में इस्तेमाल हो रही हैं। वान्या ने बीबीसी को इंटरव्यू में कहा था, टेक कंपनियां मानवाधिकारों से आंखें नहीं मूंद सकतीं। इससे पहले वान्या ने माइक्रोसाफ्ट के 50वें स्थापना दिवस के इवेंट में विरोध प्रदर्शन किया था। सीईओ सत्या नडेला, बिल गेट्स और स्टीव वाल्मर के सेशन मं कहा था कि माइक्रोसाफ्ट इजरायल को एआई हथियार बेच रही है, इससे 50,000 लोग मारे जा चुके हैं।

पाक, ईरान से 3300 से अधिक अफगान परिवार स्वदेश लौटे

काबुल। अफगानिस्तान के पड़ोसी देश ईरान और पाकिस्तान से पिछले सप्ताह 3119 अफगान परिवार स्वदेश लौटे है, जिनमें कुल 18640 सदस्य हैं।

अफगानिस्तान के उच्चायोग ने यह जानकारी है। उन्होंने कहा कि शरणार्थी पूर्वी नंगरहार प्रांत में तोरखम सीमा क्रॉसिंग, दक्षिणी कंधार प्रांत में स्पिन बोल्डक सीमा क्रॉसिंग, पश्चिमी हेरात प्रांत में इस्लाम कला सीमा क्रॉसिंग, पश्चिमी निमरोज प्रांत में अबरीशाम सीमा क्रॉसिंग और दक्षिणी हेलमंद प्रांत में बहरामचा सीमा क्रॉसिंग पॉइंट के माध्यम से स्वदेश लौटे हैं। उच्चायोग लौटने वालों के लिए उनके संबंधित प्रांतों में अस्थाई आश्रय, पोषण, पानी, चिकित्सा देखभाल और परिवहन सेवाएं प्रदान करता है।

नई दिल्ली। बुधवार को तेज हवाओं और बारिश के कारण उखड़े पेड़ के नीचे दबे वाहन।

स्कूल बस हमले के जिम्मेदार को सजा दिलाएंगे: शहबाज

भारत पर हमले में शामिल होने का आरोप लगाया, दिल्ली बोला: ध्यान भटकाने की कोशिश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार इलाके में मंगलवार को एक स्कूल बस को निशाना बनाकर विस्फोट किया गया। इस धमाके में तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। ये स्कूल बस करीब 40 छात्रों को लेकर स्कूल जा रही थी, जब रास्ते में जीरो प्वाइंट के पास धमाका हो गया। घायल बच्चों को क्वेटा के अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया, जिनमें से कई की हालत गंभीर है।

हमले के बाद पीएम शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर खुद क्वेटा पहुंचे और उन्होंने कहा कि इस हमले के जिम्मेदार लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने इस हमले के पीछे 'फितना अल हिंदुस्तान' को जिम्मेदार बताया। उन्होंने दावा किया कि यह भारत समर्थित आतंकी

भारत और पाकिस्तान के बीच यूएई या सऊदी अरब में शांति वार्ता हो सकती है। इसमें अमेरिका मध्यस्थ का रोल निभाएगा, उन्होंने एक बार फिर से दावा किया: पाकिस्तान ने सीजफायर की मांग नहीं की थी: शहबाज

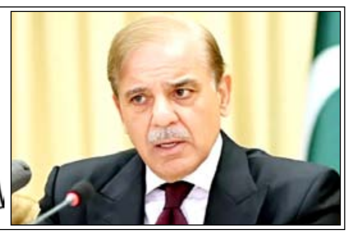

ग्रुप है। भारत ने पीएम शहबाज के आरोप का खंडन किया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान के आरा. ेप पूरी तरह से बेबुनियाद है। आतंकवाद से ध्यान भटकाने की ये पाकिस्तान की एक और रणनीति है। पाकिस्तान की यह आदत बन चुकी है कि वह अपनी आतंकवाद समर्थक छवि और आंतरिक विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए हर बार भारत पर आरोप मढ़ता है। बलूचिस्तान के खुजदार में बच्चों को ले जा रही बस पर बुधवार को आत्मघाती हमला हुआ था। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ बुधवार को इस्लामाबाद में मीडिया से कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच यूएई या सऊदी अरब में शांति वार्ता हो सकती है। इसमें अमेरिका मध्यस्थ का रोल निभाएगा। उन्होंने एक बार फिर से दावा किया कि पाकिस्तान ने सीजफायर की मांग नहीं की थी। अगर पाकिस्तान ने ऐसा किया होता, तो पूरी दुनिया को पता होता।

शरीफ ने कहा कि दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री आपरेशन (डीजीएमओ) के बीच बातचीत में इस बात पर सहमति बनी है कि दोनों तरफ के सैनिक 7 मई को संघर्ष शुरू होने से पहले वाली पो. जिशन पर लौट जाएंगी। शरीफ से पूछा गया कि क्या संघर्ष के दौरान भारत में इजरायली कर्मचारी मौजूद थे, तो शरीफ ने कहा- रिपोर्ट्स हैं कि इजरायली भारत में थे। इजरायल ने युद्ध के दौरान भारत को बहुत समर्थन दिया, लेकिन जीत हमारी हुई।

ट्रम्प प्रशासन की आयात शुल्क नीतियों का विरोध

12 अमेरिकी प्रांतों ने संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया

वाशिंगटन। अमेरिका के 12 प्रांतो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिबरेशन डे आयात शुल्क को रो. कने के लिए संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया। याचिका में दावा किया गया कि राष्ट्रपति ने अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों से आयात पर व्यापक कर लगाने के लिए राष्ट्रीय आपातकाल का आह्वान करके अपने अधिकार का अतिक्रमण किया है।

न्यूयॉर्क शहर में स्थित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न्यायालय के तीन न्यायाधीशों के पैनल ने न्यूयॉर्क और इलिनोइस सहित 12 राज्यों के डेमोक्रेटिक अटॉर्नी जनरल द्वारा दायर मुकदमे में दलीलों की समीक्षा की। मुकदमा दायर करने वाले प्रांतो ने तर्क दिया कि ट्रम्प ने अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम की गलत व्याख्या की है, इसे आयात शुल्क लगाने के लिए ब्लैंक चेक के रूप में उपयोग

किया है। आने वाले हफ्तों में फैसला आने की उम्मीद है। केंटकी रिपब्लिकन सीनेटर रैंड पॉल ने हाल ही में एबीसी के साथ एक साक्षात्कार में ट्रम्प की आक्रामक टैरिफ रणनीति पर हमला किया और इसे एक आर्थिक भ्रांति पर आधारित बताया और कांग्रेस की मंजूरी के बिना आयात शुल्क लागू करने के राष्ट्रपति के फैसले का विरोध किया।

ट्रम्प प्रशासन ने प्रवासियों के निर्वासन में अदालत की अवहेलना की

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने प्रवासियों को साउथ सूडान वापस भेजने का प्रयास करके उसके पिछले आदेश का उल्लंघन किया है। जिला न्यायाधीश मर्फी ने एक सुनवाई में कहा कि प्रशासन ने उनके अप्रैल में जारी आदेश का उल्लंघन किया है। जिसमें कहा गया था कि अमेरिकी प्रशासन किसी भी प्रवासी को तब तक निर्वासित नहीं कर सकता जब तक उन्हें अपनी आपत्ति दर्ज कराने के लिए पर्याप्त समय न दिया जाए। अमेरिकी जिला न्यायाधीश ब्रायन मर्फी ने एक सुनवाई के दौरान कहा कि प्रशासन ने अप्रैल में जारी एक अस्थाई आद. ेश का उल्लंघन किया है, जिसमें अधिकारियों को लोगों को उनके अपने देश के अलावा अन्य देशों में निर्वासित करने से पहले पर्याप्त समय देने से रोक दिया गया था। न्यायाधीश ने कहा कि अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने सात प्रवासियों को सोमवार रात सूचित किया कि उन्हें दक्षिण सूडान में निर्वासित किया जा सकता है, जो कि उन्हें विमान में चढ़ने से 24 घंटे से भी कम समय पहले था, जो 'स्पष्ट रूप से अपर्याप्त' नोटिस था। उन्होंने कहा कि विभाग की यह कार्रवाई अदालत के आदेश का स्पष्ट उल्लंघन है।

अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता: ईरान ने ओमान के प्रस्ताव पर जताई सहमति

तेहरान। ईरान ने शुक्रवार को रोम में अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता के पांचवें दौर के लिए ओमान के प्रस्ताव पर सहमति जताई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघई ने बुधवार को यह जानकारी दी। बाघई ने एक बयान में कहा कि ईरान के वार्ता दल परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के संबंध में राष्ट्र के अधिकारों और हितों की रक्षा करने और उनका पालन करने में दृढ़ है और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। ओमान की मदद से ईरान और अमेरिक के प्रतिनिधिमंडलों ने तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका के प्रतिबंधों को हटाने पर अप्रैल से अब तक चार दौर की अप्रत्यक्ष वार्ता की है। चौथे दौर की वार्ता 11 मई को मस्कट में आयोजित की गई थी।

अमेरिका के सैन डिएगो में छोटा पैसेंजर प्लेन क्रैश

सैन डिएगो। अमेरिका के सैन डिएगो में गुरुवार सुबह कोहरे की वजह से एक छोटा प्लेन क्रैश हो गया। इस हादसे की वजह से करीब 15 घरों में आग लग गई। हादसे वाली जगह को खाली करा लिया गया है। फायर डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि हादसे के बाद चारों तरफ जेट फयूल फैल गया है। हमारा पहला टारगेट यहां मौजूद सभी घरों की तलाशी लेना और सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना है। प्लेन हादसे में हताहत हुए लोगों की संख्या अभी पता नहीं चल सकी है।

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि सेसना 550 प्लेन मान्टगोमरी-गिब्स एक्जीक्यूटिव एयरपोर्ट के पास क्रैश हुआ। विमान में कितने लोग सवार थे, अभी इसकी जानकारी नहीं है। यह विमान छह से आठ लोगों को ले जा सकता है। यह हादसा सुबह करीब 3.47 बजे टिएरासांता के पास सैल्मन स्ट्रीट के 3100 ब्लॉक में हुआ, जो एक मिलिट्री रेसिडेंस

15 घरों में लगी आग कोहरे की वजह से हुआ हादसा, हादसे वाली जगह को खाली कराई गई

एरिया है। सैन डिएगो फायर-रेस्क्यू के डिवीजन चीफ डैन एडी के मुताबिक अभी तक किसी को घटनास्थल से हास्पिटल नहीं ले जाया गया है। कई घर और गाड़ियां आग में घिर गई। डैन एडी ने कहा हमारे पास हाजमैट की टीम है। हमने जरूरी संसाधनों की मांग की है। हम सेना के साथ भी काम कर रहे हैं। हमारा पहला टारगेट यह है सभी घरों को खाली कराना। इसके बाद हम गाड़ियों और फिर विमान की तलाशी लेंगे।

रूस ने थल सेना के नए कमांडर-इन-चीफ की नियुक्ति की

मॉस्को। रूसी रक्षा मंत्री एंड्री रेमोविच बेलौसोव ने कर्नल जनरल एंड्री निकोलायेविच मोर्डविचव को थल सेना का कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया है। रूसी सैन्य समाचार पत्र रेड स्टार ने गुरुवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित एक समारोह में बेलौसोव ने जनरल मोर्डविचव को थल सेना कमान स्टाफ से मिलवाया और उन्हें एक अनुभवी लड़ाकू अधिकारी बताया। जनरल मोर्डविचव ने विशेष सैन्य अभियान के दौरान अपनी नेतृत्व क्षमता का पूरा प्रदर्शन किया है। जनरल मोर्डविचव ने सेना के जनरल ओलेग साल्युकोव की जगह ली है, जिन्हें हाल ही में रूस की सुरक्षा परिषद का उप सचिव नियुक्त किया गया था। वर्ष 1976 में जन्मे जनरल मोर्डविचव ने नोवोसिबिर्स्क हायर मिलिट्री कमांड स्कूल और बाद में जनरल स्टाफ अकादमी से स्नातक किया। उनके करियर में सेंट्रल और सदर्न मिलिट्री डिस्ट्रिक्ट दोनों में प्रमुख नेतृत्व पद शामिल हैं।

यूक्रेन के पूर्व शीर्ष अधिकारी की गोली मारकर हत्या

मैड्रिड। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में एक अमेरिकी स्कूल के बाहर यूक्रेन के पूर्व प्रमुख अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। अधिकारियों ने इस घटना पुष्टि की है कि 51 वर्षीय एंड्री पोर्टनोव शहर के पॉजुएलो डी अलारकोन क्षेत्र में स्थित स्कूल में अपने बच्चों को छोड़कर स्कूल की पार्किंग में अपनी कार की ओर जा रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक अज्ञात हमलावर ने पोर्टनोव पर कई गोलियां चलाई और फिर एक जंगल के इलाके की ओर भाग गया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पोर्टनोव विक्टर यानुकोविच के प्रशासन में सांसद और उप प्रमुख थे, जो रूसी राष्ट्रपति समर्थक थे और 2014 में महीनों के विरोध प्रदर्शन के बाद उन्हें पद से हटा दिया

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया अज्ञात हमलावर ने पोर्टनोव पर कई गोलियां चलाई

गया था। वह पहले यूलिया टिमोशेंको की गवर्निंग पार्टी में सांसद थे, लेकिन 2010 में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद यानुकोविच की टीम में चले गए। उन्होंने यूक्रेन छोड़ दिया था और वर्ष 2019 में वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद वापस लौटे। इसके बाद उन्होंने फिर से यूक्रेन छोड़ दिया और 2021 में अमेरिकी ट्रेजरी ने उन पर प्रतिबंध लगा दिया, जिसमें कहा गया था कि उन्हें 'एक कोर्ट फिक्सर के रूप में व्यापक रूप से जाना जाता था। पुलिस ड्रोन और एक हेलीकॉप्टर से हत्यारे की तलाश में इलाके की तलाशी ली।

रूस और यूक्रेन शांति समझौते पर काम चल रहा

मॉस्को। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने घोषणा की है कि संभावित रूस-यूक्रेन शांति समझौते के लिए ज्ञापन पर काम सक्रिय रूप से आगे बढ़ रहा है।

पेसकोव ने प्रेस ब्रीफिंग में कल कहा कि अधिकांश काम 'स्पष्ट कारणों से' गोपनीय बना हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि रूस किसी भी देश के प्रयासों के लिए खुला है जो रूस-यूक्रेन संघर्ष को हल करने में योगदान देने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच आगे की बात. चीत के लिए स्थान फिलहाल निर्धारित नहीं किया गया है। इस बीच, रूस एक हजार बंदियों को

शामिल करने वाले कैदी विनिमय समझौते को लागू करने के लिए काम कर रहा है, जो तुर्की के इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ हुआ था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच सोमवार को फोन पर बातचीत हुई, जिसमें उन्होंने यूक्रेन के साथ संभावित शांति समझौते की रूपरेखा के लिए एक मसौदा ज्ञापन तैयार करने पर सहमति व्यक्त की। यह ज्ञापन संकट को हल करने के सिद्धांत, संभावित शांति समझौते की समय सीमा और अस्थाई संघर्ष विराम की शर्तों जैसे प्रमुख मुद्दों पर केंद्रित रहेगा। ट्रम्प के साथ कल बातचीत के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने दोहराया कि यूक्रेन क्षेत्रीय मुद्दों पर समझौता नहीं करेगा या अपने क्षेत्र से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने ट्रम्प से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि यूक्रेन के बारे में कोई भी निर्णय उनके देश की भागीदारी के बिना नहीं लिया जाए।

Recruitment For Teaching Staff
Assistant professor Law
Qualification: (A) B.A.LL.B/LL.B and LL.M with 55% marks
(B) UGC NET or Ph.D (Law)
Salary As per Govt. Norms
Eligible candidates are invited to send their resumes to idcdeoband@gmail.com and appear for the interview within 15 days with original documents and a recent colored photograph.
❑ Experienced Candidates will be preferred.
ISLAMIA COLLEGE OF LAW
Deoband, Distt., Saharanpur
Contact No. : 9045143298, 8755525452
Email Id- idcdeoband@gmail.com